दिनमान
सूर्योदय 4.51 | सूर्यास्त 6.19
तापमान
अधिकतम 35° | न्यूनतम 28°
मूल्य: ₹3

वर्ष 18, अंक 348 पृष्ठ 12 ■ कोलकाता, शुक्रवार, 5 जून 2026 ■ ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, पंचमी, वि.सं. 2083

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

आज विश्व पर्यावरण दिवस

ताजपुर डीप-सी पोर्ट परियोजना पर बंगाल सरकार ने लगाया विराम

दादनपात्रबाड़ में नए बंदरगाह की तैयारी शुरू

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार ने ताजपुर में प्रस्तावित गहरे समुद्री बंदरगाह (डीप-सी पोर्ट) परियोजना को आगे न बढ़ाने का संकेत देते हुए अब वैकल्पिक स्थान पर नई योजना तैयार करने की घोषणा की है. गुरुवार को नवान्न में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में राज्य सरकार ने ताजपुर से करीब 10 किलोमीटर दूर दादनपात्रबाड़ क्षेत्र में नई बंदरगाह परियोजना विकसित करने का निर्णय लिया.बैठक के बाद सरकार ने बताया कि ताजपुर में परियोजना के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं होने के कारण वहां डीप-सी पोर्ट का निर्माण व्यावहारिक नहीं है. अधिकारियों के अनुसार, इस संबंध में पहले अडानी समूह से बातचीत हुई थी, लेकिन भूमि की कमी के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी. अब दादनपात्रबाड़ में लगभग 1,700 एकड़ सरकारी भूमि उपलब्ध होने के चलते इसे वैकल्पिक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है.

राज्य सरकार ने कहा कि इस प्रस्ताव को केंद्रीय बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्रालय समेत संबंधित एजेंसियों के साथ साझा किया गया है. बैठक में 44 जेटी (बर्थ) के निर्माण की योजना पर भी चर्चा हुई, जिनमें से 41 को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है. सरकार ने संकेत दिया कि इन परियोजनाओं पर जल्द कार्य शुरू किया जाएगा.

बैठक में गंगासागर क्षेत्र के विकास और कपिल मुनि आश्रम से जुड़ी परियोजनाओं पर भी सहमति बनी. सरकार का दावा है कि गंगासागर मेले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए केंद्र सरकार का सहयोग प्राप्त होगा. इसके अलावा बालीगंज क्षेत्र में बंदरगाह संपर्क और तटीय सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास पर भी काम शुरू करने की योजना बनाई गई है.कोलकाता के प्रमुख घाटों के सौंदर्यीकरण और पुनर्विकास की योजनाओं की भी समीक्षा की गई. सरकार के अनुसार बागबाजार, शोभाबाजार, आहिरिटोला, मल्लिकघाट, बाबुघाट, रामकृष्णपुर घाट और बंधाघाट सहित कई घाटों के नवीनीकरण का कार्य चल रहा है. इनमें से दो घाटों का काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष परियोजनाओं को दुर्गा पूजा से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.

शहर में भूमि अतिक्रमण और जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों के पुनर्वास को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. सरकार ने बताया कि इस जिम्मेदारी को नगरपालिकाओं को सौंपा गया है और बंदरगाह प्राधिकरण के सहयोग से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आवास निर्माण की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है.इसके अलावा, कोलकाता बंदरगाह क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और कथित सिंडिकेट व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए पुलिस, बंदरगाह प्राधिकरण, नगर निकाय, सीमा सुरक्षा बल, सीमा शुल्क विभाग तथा खुफिया एजेंसियों के संयुक्त समन्वय से कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया. राज्य सरकार ने यह भी संकेत दिया कि बंदरगाह और समुद्री परियोजनाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए अलग शिपिंग विभाग के गठन पर विचार किया जा रहा है.

कोलकाता में वाटर मेट्रो की तैयारी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को राज्य में जल परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता में जल मेट्रो सेवा शुरू करने की घोषणा की. सचिवालय में केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद उन्होंने यह जानकारी दी. इस बैठक में राज्य और केंद्र के बीच जलमार्ग और बंदरगाह विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर सहमति बनी. मुख्यमंत्री ने बताया कि कोलकाता में जल मेट्रो परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे शहर के नदी मार्गों पर यातायात को अधिक सुविधाजनक और आधुनिक बनाया जा सकेगा. उन्होंने कहा कि यह पहल राज्य में जल परिवहन के नए युग की शुरुआत करेगी और शहरी यातायात पर दबाव को भी कम करने में मदद करेगी. बैठक के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि राज्य में कुल 44 जेटियों का निर्माण किया जाएगा, जबकि राष्ट्रीय जलमार्ग के लिए 25 जेटियों का निर्माण अंतिम चरण में है.

ममता बनर्जी के बांग्लादेश से संबंधित बयान के खिलाफ शिकायत दर्ज

कोलकाताः तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी की हालिया टिप्पणियों के खिलाफ एक अधिवक्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं की आलोचना संबंधी बनर्जी की हालिया टिप्पणियां और बांग्लादेश में एक नेता की हत्या को केंद्र सरकार से जोड़ने वाला बयान देश की संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह शिकायत बुधवार को कलकत्ता हाईकोर्ट की जलपाईगुड़ी सर्किट पीठ से संबद्ध अधिवक्ता रिंकू चटर्जी सिंह ने सिलीगुड़ी के साइबर पुलिस थाने में दर्ज कराई.

सिंह ने आरोप लगाया कि बनर्जी ने विभिन्न सार्वजनिक भाषणों, राजनीतिक मंचों और मीडिया से बातचीत के दौरान निर्वाचन आयोग तथा विधानसभा चुनावों के दौरान तैनात सशस्त्र बलों सहित संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ बयान दिए. अपनी शिकायत में सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने इन संस्थाओं की निष्पक्षता, तटस्थता और विश्वसनीयता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए, जिससे संस्थाओं और प्रशासनिक तंत्र के प्रति लोगों में अविश्वास और असंतोष पैदा करने का प्रयास किया गया.

शिकायत में वकील ने कहा, इस तरह के आरोप कथित तौर पर जनता और मीडिया के सामने खुलेआम लगाए गए, जिसका स्पष्ट उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष केंद्र सरकार की छवि और विश्वसनीयता को कम करना और दो संप्रभु राष्ट्रों के बीच शत्रुता पैदा करना था. सिंह ने दो जून को रानी रासमणि सरणी पर आयोजित टीएमसी के एक कार्यक्रम का भी जिक्र किया और दावा किया कि बनर्जी ने कहा था कि वह गृह मंत्रालय के साथ गोपनीय चर्चाओं से अवगत हैं और उन्होंने भारत सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री को पड़ोसी बांग्लादेश में हुई एक नेता की हत्या से जोड़ा था. शिकायतकर्ता ने कहा कि ये बयान राजनीतिक लाभ और व्यक्तिगत राजनीतिक फायदे के लिए दिए गए और प्रथम दृष्टया ये भारत की संप्रभुता, अखंडता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के प्रतिकूल कृत्य प्रतीत होते हैं. सिंह ने कहा कि ये टिप्पणियां सार्वजनिक अव्यवस्था, सांप्रदायिक अशांति और विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को भड़का सकती हैं तथा भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक संबंधों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकती हैं.

तृणमूल कांग्रेस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. इससे पहले भी अधिवक्ता ने 20 मई को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी. उस शिकायत में आरोप लगाया गया था कि वर्ष 2025 और 2026 के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में बनर्जी द्वारा की गई टिप्पणियों से हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं.

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में दी दस्तक : आईएमडी

नई दिल्लीः भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने बृहस्पतिवार को केरल में दस्तक दे दी. आमतौर पर मानसून एक जून के आसपास केरल पहुंचता है, जो दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर) की शुरुआत का संकेत माना जाता है. आईएमडी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम मानसून चार जून, 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष हिस्सों, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ भागों, पूरे लक्षद्वीप द्वीपसमूह, केरल और माहे, कर्नाटक तथा तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष भागों, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तक आगे बढ़ गया है. इसके असर से केरल के साथ-साथ तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले सात दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान है.इससे पहले मौसम विभाग ने अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा. पिछले सप्ताह विभाग ने मौसमी वर्षा के अपने पूर्वानुमान में संशोधन करते हुए कहा था कि इस वर्ष बारिश सामान्य से कम रहने की संभावना है.

आईएमडी के अनुसार, इस साल देश में मौसमी वर्षा, दीर्घकालिक औसत (एलपीए) की लगभग 90 प्रतिशत रहने की संभावना है. एलपीए का मतलब किसी विशेष क्षेत्र में किसी निर्धारित अवधि जैसे एक महीने या मौसम के दौरान लंबे समय आमतौर पर 30 से 50 वर्षों में दर्ज औसत वर्षा से है. देशभर में मौसमी वर्षा का दीर्घकालिक औसत (एलपीए) 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर 87 सेंटीमीटर है. यदि मानसून के दौरान वर्षा एलपीए के 90 प्रतिशत से कम रहती है, तो आईएमडी उसे 'अल्प वर्षा' की श्रेणी में रखता है. सामान्य से कम वर्षा की संभावित वजहों में से एक अल नीनो की स्थिति का विकसित होना हो सकता है, क्योंकि इसके प्रभाव से भारत में मानसून के दौरान बारिश कम होती है.फिलहाल भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन की स्थिति अल नीनो की ओर बढ़ रही है. अल नीनो की स्थिति बनने से देश में मानसून वर्षा कम हो जाती है. आईएमडी ने कहा कि जून में अल नीनो की स्थिति कमजोर रहने की संभावना है, जबकि सितंबर तक इसके मध्यम से मजबूत होने की आशंका है.

विधाननगर नगर निगम भी तृणमूल के हाथ से निकला

मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने दिया इस्तीफा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद से तृणमूल कांग्रेस पर संकटों का पहाड़ टूटने का क्रम लगातार जारी है. नए घटनाक्रम में गुरुवार को विधाननगर नगर निगम (बीएमसी) की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. इसके पूर्व बुधवार को कोलकाता नगर निगम के मेयर व पूर्व मंत्री फिरहाद हकीम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. प्रदेश में भाजपा के सत्तारूढ़ होने के बाद से नगर पालिकाओं में तृणमूल के पार्षदों का इस्तीफा लगातार जारी है. अब इन घटनाओं के बाद अब कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में दो प्रमुख नगर निकायों पर तृणमूल कांग्रेस का सीधा नियंत्रण समाप्त हो गया है.

विधाननगर नगर निगम की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. गुरुवार दोपहर उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए नगर निगम के आयुक्त को अपना इस्तीफा पत्र सौंप दिया. सूत्रों के अनुसार, इस पत्र की प्रतिलिपि राज्य के नगर एवं शहरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को भी भेजी गई है.

इस्तीफा देने के बाद कृष्णा चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने यह निर्णय व्यक्तिगत कारणों से लिया है और वह आगे भी राजनीति में सक्रिय रहेंगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि वह पार्षद के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन करती रहेंगी. कृष्णा चक्रवर्ती के इस फैसले से विधाननगर नगर निगम के प्रशासनिक ढांचे और राजनीतिक समीकरणों पर असर पड़ सकता है. उनके कार्यकाल में लगभग आठ महीने का समय शेष था. वह वर्ष 2015 से 2022 तक और फिर 2022 से 2026 तक दो कार्यकालों में मेयर पद पर रहीं.

लोकसभा में अभिषेक को पार्टी नेता के पद से हटाने की तैयारी में जुटा बागी गुट

कोलकाताः ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला तृणमूल कांग्रेस के विधायकों का बागी गुट विधानसभा में नेता विपक्ष का पद हासिल करने के बाद अब लोकसभा में पार्टी के नेता पद से सांसद अभिषेक बनर्जी को हटाने की योजना बना रहा है. खबर है कि संसद के आगामी सत्र से पूर्व ही बड़ा खेल हो सकता है और लोकसभा व राज्यसभा दोनों सदनों में तृणमूल के कई सांसद पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं. बताया जा रहा है कि अगले सप्ताह ही तृणमूल के लोकसभा में 29 में से 19 सांसद ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अलग गुट बनाकर पार्टी के नेता पद पर दावा ठोक सकते हैं.मालूम हो कि एक दिन पहले बुधवार को ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व वाले बागी गुट ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस को 58 विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे. बागी विधायकों ने ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और अखरुज्जमान को मुख्य सचेतक नामित किया, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने बुधवार को ही मान्यता दे दी.इस बीच पार्टी में भारी असंतोष के बीच आरजी कर कांड के समय से ही पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे तृणमूल के वरिष्ठ राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर राय ने गुरुवार को दावा किया कि बंगाल चुनाव में पार्टी की करारी हार के बाद जो अंदरूनी कलह शुरू हुई है, वह तो अभी बस शुरुआत है. उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी ही स्थिति जल्द ही लोकसभा में भी देखने को मिल सकती है.

इधर, विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में हुई टूट के बीच पार्टी के राज्यसभा सदस्य बाबुल सुप्रियो के सुर भी बदलते दिखाई दे रहे हैं. केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए जाने के एक माह बाद ही सितंबर, 2021 में भाजपा छोड़कर तृणमूल में शामिल होने वाले बाबुल ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट साझा कर अतीत में पार्टी नेतृत्व के कुछ निर्णयों पर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए ममता बनर्जी ने भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग में शामिल लोगों के खिलाफ शुरुआत से ही पर्याप्त कठोर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण बाद में स्थिति जटिल होती चली गई. हालांकि बाबुल ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह उनकी व्यक्तिगत राय है और इसका पार्टी के आधिकारिक रुख से कोई संबंध नहीं है.पोस्ट के सबसे चर्चित हिस्से में बाबुल ने एक अज्ञात व्यक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि एक व्यक्ति ने उन्हें सबसे अधिक आश्चर्यचकित किया. उनके शब्दों में, मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंसान के भेष में एक सांप हमारे बीच घूम रहा है. हालांकि उन्होंने उस व्यक्ति का नाम नहीं लिया, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया है.बाबुल ने अपने पोस्ट में पार्टी के नवनिर्वाचित 80 में से 58 बागी विधायकों द्वारा अलग गुट बनाए जाने के मुद्दे पर भी अपनी नाराजगी जाहिर की.

हुमायूं कबीर का ममता बनर्जी को बड़ा ऑफर

रेजिनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल की राजनीति में गुरुवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब एजेयूपी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विधानसभा में वापसी का खुला प्रस्ताव दिया. हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले कबीर ने कहा कि यदि ममता बनर्जी चाहें तो वह रेजिनगर सीट खाली कर उनके लिए रास्ता बना सकते हैं.

मुर्शिदाबाद जिले की नवादा और रेजिनगर सीट से 2026 विधानसभा चुनाव जीतने वाले हुमायूं कबीर ने कहा कि नंदीग्राम से ममता बनर्जी की जीत मुश्किल हो सकती है, लेकिन रेजिनगर से वह आसानी से विधानसभा पहुंच सकती हैं. हुमायू कबीर ने कहा, अगर ममता बनर्जी मेरे पास आती हैं, तो मैं उन्हें रेजिनगर से विधानसभा भेज सकता हूं. अगर वह नंदीग्राम से चुनाव लड़ेंगी तो जीत नहीं पाएंगी. लेकिन अगर वह चाहें, तो मैं इस्तीफा देकर उनकी जीत सुनिश्चित करूंगा. हुमायूं कबीर ने ममता बनर्जी के प्रति सहानुभूति जताते हुए कहा कि उनकी मौजूदा राजनीतिक स्थिति उन्हें दुख पहुंचाती है. उन्होंने कहा, आज जिस स्थिति में वह हैं, उसे देखकर मुझे तकलीफ होती है. मैं आज जो कुछ भी हूं, उनकी वजह से हूं.हालांकि, कबीर ने अपने क्षेत्रीय प्रभाव का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि अब शायद उनकी बात हर कोई न सुने, लेकिन रेजिनगर में हुमायूं कबीर ही आखिरी शब्द हैं

बिहार के मुजफ्फरपुर में प्रसाद अस्पताल में भीषण आग, पांच लोगों की मौत

मुजफ्फरपुरः बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसाद अस्पताल में लगी भीषण आग की घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है. नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने इसकी पुष्टि की है. आग तड़के करीब 3 बजे अस्पताल के आईसीयू वार्ड में लगी थी. इसके बाद देखते ही देखते पूरे अस्पताल में धुआं फैल गया. इससे अस्पताल परिसर के अंदर अफरा-तफरी मच गई. सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया. नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है. उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है. इससे आईसीयू वार्ड में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ और आग तेजी से फैल गई. उन्होंने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है. घटना के बाद करीब 12 बड़ी-छोटी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं. अस्पताल को खाली कराया गया है. अस्पताल के मरीजों को दूसरे अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. फॉरेंसिक टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है. मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर के औराई निवासी शशांक कुमार, मोतीपुर निवासी गीता देवी, शिवहर जिले के तरियानी निवासी उदय कुमार, कृष्ण नंदन और चंचला कुमारी के रूप में हुई है. वहीं घटना में झुलसे कई लोगों का अभी भी अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जिनके बारे में ज्यादा जानकारी अभी नहीं मिल पाई है. प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है. शोक-संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं. ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल दें.

उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को अविलंब 4-4 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान प्रदान करने का निर्देश दिया गया है. स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है तथा घायलों के उपचार के लिए सदर अस्पतालों में समुचित व्यवस्था की गई है. वहीं बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी ने घटना पर दुख जताया. उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच होगी.

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में आग लगने से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत

वरिष्ठ आईपीएस अजय मुकुंद राणाडे बने पश्चिम बंगाल के नए डीजी कानून व्यवस्था

कोलकाता : बंगाल सरकार ने 1995 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अजय मुकुंद राणाडे को एडीजी से डीजी (महानिदेशक) के पद पर पदोन्नति दी है. राज्य के गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग (पुलिस सेवा सेल) द्वारा गुरुवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठ आईपीएस राणाडे जो वर्तमान में राज्य के अतिरिक्त महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक (एडीजी व आइजी)- कानून-व्यवस्था के पद पर कार्यरत थे. उन्हें अब पदोन्नति देते हुए पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक (डीजी व आइजी)- कानून- व्यवस्था के पद पर नियुक्त किया गया है. प्रशासनिक दृष्टिकोण से उनकी पदोन्नति व इस पद पर नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसे राज्य सरकार ने 'जनहित' में लिया गया फैसला बताया है.

पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेवा लागू करने के लिए त्रिपक्षीय समझौता

डिजिटल विधायी व्यवस्था की ओर बड़ा कदम

नई दिल्ली/कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा में राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के क्रियान्वयन के लिए गुरुवार को त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. यह समझौता संसदीय कार्य मंत्रालय, पश्चिम बंगाल विधानसभा और राज्य सरकार के बीच किया गया. कार्यक्रम में केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन उपस्थित रहे. पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष भी इस अवसर पर मौजूद थे. पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस अवसर पर कहा कि विधायी संस्थाओं में डिजिटल परिवर्तन समय की आवश्यकता है

और केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल विधानसभा को पूरी तरह डिजिटल सदन बनाने की दिशा में हर संभव सहयोग प्रदान करेगी.

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शासन संस्थाओं के आधुनिकीकरण के लिए प्रतिबद्ध है.

केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म से विधायी कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी तथा विधायकों को समय पर आवश्यक जानकारी उपलब्ध होगी. केंद्रीय सूचना और प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि यह पहल नागरिक सहभागिता बढ़ाने और विधायी प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष रथिंद्र बोस ने विश्वास जताया कि नेवा प्रणाली के लागू होने से सदन की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ होगी. संसदीय कार्य मंत्रालय के सचिव निकुंज बिहारी ढल ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा का इस डिजिटल पहल से जुड़ना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे विधायी कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी.

समझौते के तहत पश्चिम बंगाल विधानसभा अब देश की 33वीं विधानसभा बन गई है, जो नेवा परियोजना से जुड़ी है. वर्तमान में 21 विधानसभाएं इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरी तरह डिजिटल कार्यप्रणाली अपना चुकी हैं. नेवा (राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन) केंद्र सरकार की एक मिशन मोड परियोजना है, जिसका उद्देश्य देशोभर की विधानसभाओं को एक समान डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर विधायी कार्यों को पेपरलेस, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाना है.

पूर्व परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने राजनीति से लिया संन्यास

हुगली : पश्चिम बंगाल के पूर्व परिवहन मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की है. गुरुवार को हुगली जिले के कोन्नगर स्थित कानाईपुर में अपने आवास पर उन्होंने कहा कि अब वह सक्रिय राजनीति में वापस नहीं लौटना चाहते.उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में वह किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं रहेंगे. हालांकि, उन्होंने कहा कि लेखन, राजनीतिक विश्लेषण और विभिन्न सामाजिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त करने के माध्यम से वह सार्वजनिक जीवन में सक्रिय बने रहेंगे.उल्लेखनीय है कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में हुगली जिले की जांगीपाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने वाले स्नेहाशीष चक्रवर्ती को भाजपा उम्मीदवार के हाथों मामूली अंतर से पराजय का सामना करना पड़ा था. चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही वह राजनीतिक गतिविधियों से लगभग दूर थे. यहां तक कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा आयोजित विभिन्न राजनीतिक कार्यक्रमों में भी उनकी उपस्थिति नहीं देखी गई. लंबे समय से उनकी राजनीतिक चुप्पी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं. अंततः गुरुवार को उन्होंने सार्वजनिक रूप से सक्रिय राजनीति से अलग होने के अपने निर्णय की घोषणा कर दी.उन्होंने अपने बयान में किसी राजनीतिक विवाद या संगठनात्मक कारण का उल्लेख नहीं किया और इसे अपना व्यक्तिगत फैसला बताया.

तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की पीट-पीटकर हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

बोलपुर : तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता सुकुमार उर्फ हाबल लोहार की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. मृतक के परिजनों द्वारा बुधवार रात बोलपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों को हिरासत में लिया. गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राकेश लोहार, खोकन दास उर्फ झोकन दास और टापी उर्फ देबब्रत सर के रूप में हुई है. पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीनों आरोपित बोलपुर थाना अंतर्गत बाहिरी पूर्वपाड़ा इलाके के निवासी हैं.पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. गिरफ्तार आरोपितों को गुरुवार को बोलपुर महकमा अदालत में पेश किया जाएगा. मामले के पीछे क्या वजह थी और क्या इस घटना में अन्य लोग भी शामिल हैं, इसकी भी जांच की जा रही है.उल्लेखनीय है कि मंगलवार देर रात बाहिरी पूर्वपाड़ा इलाके में तृणमूल कार्यकर्ता सुकुमार लोहार के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगा था. गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

न्यूज़ कॉर्नर

भारत में घुसने की कोशिश के आरोप में बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : भारत-नेपाल सीमा पर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है. यह कार्रवाई खोरीबाड़ी के पानीटंकी स्थित भारत-नेपाल सीमा पर तैनात (एसएसबी) सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने की.जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान एसएसबी जवानों ने संबंधित व्यक्ति के दस्तावेजों की जांच की, जिसमें उसका वीजा समाप्त पाया गया. इसके बाद अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के प्रयास के आरोप में उसे हिरासत में लेकर खोरीबाड़ी थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया.गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मोहम्मद मुक्तार हुसैन के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के ढाका जिले के नवाबगंज क्षेत्र का निवासी है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वह वर्ष 2023 में वैध दस्तावेजों के साथ भारत आया था. कोलकाता में रहने के दौरान उसके वीजा की अवधि समाप्त हो गई. इसके बाद वह कथित तौर पर दलालों के संपर्क में आकर नेपाल चला गया.पूछताछ में आरोपित ने बताया कि हाल ही में राज्य में अवैध घुसपैठियों की पहचान, निष्कासन और निर्वासन को लेकर चल रही कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद वह सीमा के रास्ते दोबारा भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहा था.एसएसबी की शिकायत के आधार पर खोरीबाड़ी थाना पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया. आरोपी को गुरुवार सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा. मामले की जांच जारी है.

स्टाफ की भारी कमी से जूझ रही समसी बीनापानी टाउन लाइब्रेरी

मालदा : जिले के समसी स्थित ऐतिहासिक बीनापानी टाउन लाइब्रेरी में कर्मचारियों की भारी कमी के कारण संचालन संकट में पड़ गया है. 1968 में स्थापित यह पुस्तकालय फिलहाल सिर्फ एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे चल रहा है, जिससे स्थानीय पाठकों और पुस्तक प्रेमियों में चिंता बढ़ गई है.लाइब्रेरी में करीब 12 हजार दुर्लभ और महत्वपूर्ण किताबें मौजूद हैं और लगभग एक हजार पंजीकृत पाठक हैं. रोजाना 25-30 लोग यहां पढ़ने आते हैं, लेकिन लाइब्रेरियन, सहायक लाइब्रेरियन और बुक बाइंडर जैसे जरूरी पद लंबे समय से खाली पड़े हैं. वर्ष 2017 में आखिरी लाइब्रेरियन के रिटायर होने के बाद से अब तक नई नियुक्ति नहीं हुई है.लाइब्रेरी के एकमात्र कर्मचारी मतिउर रहमान ने बताया कि सुंदर भवन और बड़े रीडिंग रूम के बावजूद स्टाफ की कमी के चलते रखरखाव और प्रशासनिक काम संभालना मुश्किल हो रहा है.स्थानीय शिक्षक सरोज कुमार साहा और अन्य पाठकों का कहना है कि यह ज्ञान का केंद्र अब उपेक्षा का शिकार हो गया है. डिजिटल युग में भी नई पीढ़ी को किताबों की ओर आकर्षित करने में लाइब्रेरी की अहम भूमिका है, लेकिन कर्मचारियों की कमी इस उद्देश्य में बाधा बन रही है. लाइब्रेरी को सुचारू रूप से चलाने के लिए जल्द सरकारी कदम उठाने की मांग की है.हालांकि इस समस्या को जिला लाइब्रेरियन के संज्ञान में लाया गया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है. अब स्थानीय लोग इस ऐतिहासिक लाइब्रेरी को बचाने और खाली पदों को जल्द भरने की मांग कर रहे हैं.

ममता बनर्जी की गिरफ्तारी होनी चाहिए, कानून से ऊपर कोई नहीं : अग्निमित्रा पाल

पश्चिम बर्दवान: पश्चिम बंगाल महिला व शिशु कल्याण तथा शहरी विकास मंत्री अग्निमत्रा पाल ने गुरुवार को आसनसोल के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कानून और संविधान से ऊपर कोई नहीं है तथा यदि किसी ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.बिधाननगर पुलिस द्वारा तृणमूल कांग्रेस नेता अरुप विश्वास को पूछताछ के लिए बुलाए जाने और उनके थाने में उपस्थित नहीं होने के सवाल पर अग्निमित्रा पाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया, जनता का पैसा लूटा और विभिन्न घोटालों में शामिल रहे, वे जांच एजेंसियों की कार्रवाई शुरू होते ही बीमार पड़ जाते हैं. भाजपा ऐसे सभी मामलों पर नजर रखे हुए है और कानून अपना काम करेगा. जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है, चाहे वह ममता बनर्जी हों, अरुप विश्वास, फिरहाद हाकिम हों या मोल्ला तृणमूल कांग्रेस का कोई अन्य नेता, सभी को एक दिन जनता और कानून के सामने जवाब देना

होगा.सिलीगुड़ी साइबर थाने में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि संविधान की शपथ लेने के बाद किसी भी जनप्रतिनिधि को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए जो देश के हितों के खिलाफ हों. उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री समय-समय पर ऐसे बयान देती रही हैं जिनसे देश की छवि को नुकसान पहुंचता है और विरोधी देशों को बल मिलता है.भाजपा विधायक ने कहा कि बालाकोट एयर स्ट्राइक, बीएसएफ और चुनाव आयोग जैसे राष्ट्रीय मुद्दों पर भी ममता बनर्जी ने कई बार विवादास्पद टिप्पणियां की हैं.अग्निमित्रा ने कहा आप देश विरोधी बातें नहीं कर सकते. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति कानून और संविधान से ऊपर हो जाए. यदि कोई कानून का उल्लंघन करता है तो उसे उसके परिणाम भुगतने होंगे.उन्होंने कहा कि भाजपा ने अतीत में भी ममता बनर्जी के कई बयानों के खिलाफ शिकायतें और एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन उस समय प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई. अब जब उनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू हुई है तो जांच को निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाया जाना चाहिए.मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी की मांग करते हुए अग्निमित्रा ने कहा, 'यदि कानून के अनुसार अपराध बनता है तो ममता बनर्जी की गिरफ्तारी भी होनी चाहिए. कानून सबके लिए समान है और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है.'राज्य की राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान परिस्थितियां उसके पिछले कार्यों का परिणाम हैं. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब बदलाव चाहती है और राज्य की राजनीति में बड़े परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है.

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : नक्सलबाड़ी थाना पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है.गिरफ्तार युवक की पहचान दिवाकर सिकदार के रूप में हुई है. वह नक्सलबाड़ी के खालपाड़ा इलाके का निवासी बताया गया है.यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार रात नक्सलबाड़ी के कोटियाजोत स्थित श्मशान मैदान के पास की गई.पुलिस के अनुसार, रात के अंधेरे में कुछ लोगों के एकत्र होकर मादक पदार्थों के लेन-देन की आशंका होने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर छापेमारी की और संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया.तलाशी के दौरान युवक की पैंट की जेब से एक पैकेट मादक पदार्थ बरामद हुआ. जांच में इसे ब्राउन शुगर पाया गया. पुलिस ने आरोपित के कब्जे से करीब 51 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है.पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. गुरुवार को आरोपित को सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा.

आसनसोल में सड़क किनारे लगने वाली थोक मंडियों पर जल्द लगेगी रोक

पश्चिम बर्दवान: आसनसोल शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर डीसीपी ट्रैफिक पी.वी.जी. सुरेश (आईपीएस) के नेतृत्व में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में शहर के विभिन्न व्यापारिक संगठनों, नगर निगम अधिकारियों, कृषि विपणन विभाग तथा फल, सब्जी एवं मछली व्यवसायियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.बैठक में डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि आसनसोल में प्रतिदिन सुबह फल, सब्जी और मछली की थोक मंडियां सड़क के दोनों किनारों पर लग रही हैं, जिसके कारण यातायात व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है. इसके साथ ही शहर की स्वच्छता पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सभी पक्षों की राय ली जा रही है.आसनसोल चैंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव शंभूनाथ

झा ने कहा कि फल, सब्जी और मछली के लिए थोक बाजार की व्यवस्था पहले से तैयार है. यदि जल्द से जल्द व्यवसायियों को वहां स्थानांतरित किया जाता है तो शहर की यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार आएगा और सड़कों पर अतिक्रमण की समस्या भी समाप्त होगी. उन्होंने कहा कि इससे आसनसोल को स्वच्छ और व्यवस्थित शहर बनाने में मदद मिलेगी.
चैंबर ऑफ कॉमर्स के वरिष्ठ सदस्य नरेश अग्रवाल ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि सड़क किनारे मंडियों के कारण आम नागरिकों को काफी परेशानी होती है. नगर निगम के अधिकारियों और उपस्थित व्यवसायियों ने भी थोक बाजार में स्थानांतरण के पक्ष में अपनी सहमति व्यक्त की.बैठक के बाद डीसीपी ट्रैफिक पी.वी.जी. सुरेश ने कहा कि चर्चा अत्यंत सकारात्मक और सार्थक रही. प्रशासन जल्द ही फल, सब्जी एवं मछली कारोबारियों को निर्धारित थोक बाजार में स्थानांतरित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा. उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि पार्किंग, अवैध अतिक्रमण अथवा यातायात संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी सीधे ट्रैफिक विभाग को दें, ताकि त्वरित कार्रवाई की जा सके.बैठक में शंभूनाथ झा, नरेश अग्रवाल, मुनीर अख्तर, गौर अली, एम. रिजवान, राजीव कुमार, सद्दामुल हक, देबदीप चटर्जी, कौशिक गुप्ता सहित कृषि विपणन विभाग, नगर निगम और विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे.इस पहल को आसनसोल में यातायात सुधार और स्वच्छ शहर अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

लंबे समय से फरार तृणमूल नेता गौतम घोष गिरफ्तार

पश्चिम बर्दवान : दुर्गापुर अंचल में लंबे समय से फरार चल रहे दुर्गापुर-फरीदपुर ब्लॉक के प्रभावशाली तृणमूल कांग्रेस नेता तथा गोगला अंचल तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष गौतम घोष को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. बुधवार को दुर्गापुर-फरीदपुर थाना पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया, जबकि गुरुवार को उन्हें दुर्गापुर महकमा अदालत में पेश किया गया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गौतम घोष के खिलाफ राजनीतिक हिंसा से जुड़े कई मामले दर्ज हैं. इसके अलावा कोयला, बालू और अवैध ईंट भट्टों से जुड़े कथित सिंडिकेट संचालन के आरोप भी लंबे समय से उन पर लगते रहे हैं. विधानसभा चुनाव 2026 से पहले क्षेत्र में एक राजनीतिक सभा के दौरान तत्कालीन विपक्ष के नेता और वर्तमान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी गौतम घोष पर सिंडिकेट चलाने का आरोप लगाया था. हालांकि इन आरोपों को लेकर गौतम घोष या उनके वकील की ओर से खबर लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है. न ही तृणमूल कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है.राजनीतिक हलकों में गौतम घोष को तृणमूल के जिला नेतृत्व और पांडवेश्वर के पूर्व विधायक के करीबी नेताओं में गिना जाता है.बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही गौतम घोष क्षेत्र छोड़कर फरार थे. तभी से पुलिस उनकी तलाश में लगातार अभियान चला रही थी. बुधवार को गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया.सूत्रों के मुताबिक अदालत में पेशी के दौरान पुलिस ने जांच के हित में उनकी पुलिस हिरासत की मांग की है. पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है.

भीषण आग में कपड़ा गोदाम जलकर खाक

दक्षिण दिनाजपुर ; जिले के बुनियादपुर ट्रैफिक मोड़ पर गुरुवार सुबह एक कपड़ा व्यवसायी के गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया. आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया.इस आगजनी की घटना में पास स्थित व्यवसायी समिति की दो मंजिला इमारत का एक हिस्सा, कारोबारी का निजी दो मंजिला मकान, एक स्टेशनरी दुकान और एक विदेशी शराब की दुकान का भी आंशिक नुकसान हुआ है.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े आठ बजे लोगों ने सबसे पहले गोदाम से धुआं और आग की लपटें निकलते देखी. सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया.बाद पास की दुकान में चाय पीने गए थे. उसी दौरान उन्होंने गोदाम से धुआं उठते देखा और शोर मचाया.

आसनसोल में सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ कार्यक्रम आयोजित

पश्चिम बर्दवान : आसनसोल आनंदम रेसिडेंसी में आयोजित सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ का भव्य धार्मिक अनुष्ठान इन दिनों अपने चरम भक्तिमय माहौल में पहुंच चुका है. वैदिक मंत्रोच्चार, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और भजन-कीर्तन से पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन कार्यक्रम में पहुंचकर पाठ और भजनों का श्रवण कर मंत्रमुग्ध हो रहे हैं. आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों ने बताया कि 12 जून को कार्यक्रम का भव्य समापन होगा.
इस भव्य आयोजन की मुख्य आयोजक जो सनातन धर्म की आनंद वाहिनी की राष्ट्रीय महामंत्री हैं, ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया. उन्होंने अपनी विवाह वर्षगांठ भी प्रभु हनुमान को समर्पित करते हुए श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई. विवाह वर्षगांठ के मौके पर एक विशाल भंडारे

का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वान पंडितों और आचार्यों को विशेष दक्षिणा तथा वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया.आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है. आयोजकों का अनुमान है कि आगामी दिनों में हजारों की संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक महायज्ञ में शामिल होंगे. कार्यक्रम में राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालु भी पहुंच रहे हैं. आयोजन समिति के प्रमुख सदस्यों ने बताया कि समापन समारोह में प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा संगीतमय भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी तथा विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है.

चाय बागान में महिला का सड़ा-गला शव बरामद, इलाके में हड़कंप

जलपाईगुड़ी : मेटेली के माटियाली ब्लॉक स्थित नागेश्वरी चाय बागान में गुरुवार को एक महिला का सड़ा-गला शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. बागान के सेक्शन नंबर सात में काम पर पहुंचे श्रमिकों ने शव को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी. मृतका की पहचान सबिता खेड़िया के रूप में हुई है, जो आई विल चाय बागान के मोंगरा लाइन की निवासी थी.परिजन जगदीश खेड़िया ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक समस्याओं से जूझ रही थी. उनके पति चेन्नई में प्रवासी मजदूर के रूप में काम करते है, जबकि सबिता खुद भी विभिन्न चाय बागानों में मजदूरी करती थी. एक जून को घर से निकलने के बाद से उनका पता नहीं चल पाया था. गुरुवार को श्रमिकों द्वारा शव देखे जाने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया. शव के सड़ने के कारण मौत के कारणों को लेकर रहस्य बना हुआ है. महिला वहां कैसे पहुंची और उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसको लेकर पुलिस जांच शुरू कर दी है.

बेलदा को नया महकमा बनाने और नारायणगढ़ ब्लॉक के विभाजन का प्रस्ताव

पश्चिम मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले में बेलदा को नया महकमा बनाने और नारायणगढ़ ब्लॉक को दो हिस्सों में विभाजित करने की लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी होने की दिशा में बढ़ती दिखाई दे रही है. इस संबंध में बुधवार को जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की.
जिलाधिकारी बिजिन कृष्णा ने बेलदा बीडीओ कार्यालय के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया. इस दौरान खड़गपुर के महकमा शासक ज्योति घोष, नारायणगढ़ के विधायक रमाप्रसाद गिरि तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे. निरीक्षण के बाद बीडीओ कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की

गई.बुधवार शाम बैठक के बाद जिलाधिकारी ने बताया कि बेलदा को नया महकमा बनाने और नारायणगढ़ ब्लॉक के पुनर्गठन का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जा रहा है. राज्य सरकार की मंजूरी मिलते ही आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी.
प्रस्ताव के अनुसार, नारायणगढ़, दांतन-एक, दांतन-दो, केशियाड़ी और मोहनपुर ब्लॉकों को मिलाकर नया बेलदा महकमा बनाया जाएगा, जिसका मुख्यालय बेलदा में होगा.
इसके अलावा, केलेघाई नदी को आधार मानकर नारायणगढ़ ब्लॉक को दो भागों में विभाजित करने का प्रस्ताव है.
नदी के एक ओर के क्षेत्र को नारायणगढ़ ब्लॉक के रूप में रखा जाएगा, जबकि दूसरी ओर के क्षेत्र का नाम स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रांतिकारी हेमचंद्र कानूंगो के सम्मान में 'हेमचंद्र' रखने का प्रस्ताव भेजा जाएगा.बुधवार रात विधायक रमा प्रसाद गिरी ने बताया कि पहले की सरकारों ने इस मांग पर केवल आश्वासन दिया था, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया. उन्होंने बताया कि क्रांतिकारी हेमचंद्र कानूंगो की स्मृति को सम्मान देने के लिए नए ब्लॉक का नाम उनके नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया गया है.

भाजपा सांसद ज्योतिर्मय महतो के खिलाफ लगे पोस्टर, जान से मारने की धमकी

पुरुलिया : पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में भाजपा सांसद एवं प्रदेश भाजपा के महासचिव ज्योतिर्मय सिंह महतो को निशाना बनाते हुए धमकी भरे पोस्टर लगाए जाने का मामला सामने आया है. पोस्टर में सांसद की हत्या करने वाले को एक लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की गई है.जानकारी के अनुसार, बुधवार यह पोस्टर पुरुलिया के कोटशिला थाना क्षेत्र से बरामद हुआ है. सफेद कागज पर नीली स्याही से लिखे गए पोस्टर में आरोप लगाया गया है कि सरकार की ओर से घर तोड़े जा रहे हैं और इसके लिए सांसद को जिम्मेदार ठहराया गया है. साथ ही उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई है.पोस्टर में स्थानीय बोली का प्रयोग किया गया है. इसमें कहा गया है कि यदि घर तोड़ने की कार्रवाई जारी रही तो इसके गंभीर परिणाम होंगे. पोस्टर के अंत में सांसद की हत्या करने वाले को एक लाख रुपये देने की घोषणा की गई है.घटना के बाद देर शाम सांसद ने पुरुलिया के पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत दी है. उन्होंने आशंका जताई है कि इसके पीछे उग्रवादी या माओवादी तत्वों का हाथ हो सकता है. हालांकि पुलिस ने अभी किसी संगठन या व्यक्ति की संलिप्तता की पुष्टि नहीं की है.सांसद ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है. पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है.

आवास योजना में धन उगाही का आरोप, पंचायत प्रधान के घर पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

कूचबिहार : जिले के मेखलिगंज ब्लॉक के वोटबाड़ी ग्राम पंचायत क्षेत्र में आवास योजना के तहत कथित धन उगाही वसूली को लेकर गुरुवार को भारी बवाल देखने को मिला. गुस्साए ग्रामीणों ने पंचायत प्रधान लिपिका राय के घर के बाहर प्रदर्शन किया और पैसे वापस करने की मांग की.
ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रधान के पति उत्तम कुमार राय लंबे समय से आवास योजना में घर दिलाने के नाम पर लाभार्थियों से मोटी रकम वसूल रहे हैं.
कई लोगों ने यह भी दावा किया कि पैसे न देने पर उनके नाम सूची से हटा दिए गए.स्थानीय निवासी स्वपन बसाक ने आरोप लगाया कि उनके परिवार के तीन सदस्यों को घर मिलने के बदले कुल 45 हजार रुपये वसूले गए. वहीं, संतना राय अधिकारी ने कहा कि

उनकी सास के नाम पर घर आने के बाद उन्हें दस हजार रुपये देने के लिए मजबूर किया गया और विरोध करने पर धमकियां दी गई
.ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि धन उगाही के पैसों से प्रधान और उनके परिवार ने ऐशो-आराम की जिंदगी शुरू कर दी है. इसके अलावा, इलाके में सड़क निर्माण कार्य में भी अनियमितताओं के आरोप लगाए गए है.
हालांकि, पंचायत प्रधान के पति उत्तम कुमार राय ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, ङ्कअगर कोई मेरे खिलाफ पैसे लेने का सबूत दे दे, तो मैं रकम वापस कर दूंगा.ङ्क घटना के वक्त पंचायत प्रधान और उनके पति घर पर मौजूद नहीं थे.इस मामले को लेकर इलाके में राजनीतिक माहौल गरमा गया है. ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक पैसे वापस नहीं मिलते, उनका आंदोलन जारी रहेगा.

बागी तृणमूल विधायक और पिता के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुईं भाजपा नेता टिबरेवाल

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता प्रियंका टिबरेवाल बृहस्पतिवार को कोलकाता के एंटाली क्षेत्र में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हुईं, जो तृणमूल कांग्रेस से निष्कासित विधायक संदीपन साहा और उनके पिता स्वर्ण कमल साहा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे. प्रदर्शनकारियों ने दोनों पर जमीन कब्जाने और उगाही करने के आरोप लगाए. प्रदर्शनकारियों ने संदीपन साहा के घर के सामने प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि वह तथा उनके पिता जनता से 'कट मनी' (काम कराने के बदले में कमीशन) वसूलते थे. संदीपन के पिता भी तृणमूल के पूर्व विधायक रह चुके हैं. प्रियंका टिबरेवाल ने संवाददाताओं से कहा, यह प्रदर्शन आम लोग कर रहे हैं. मैं उनके साथ शामिल हुई हूं. ये ऐसे नागरिक हैं, जिन्हें लगता है कि संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा ने उनके साथ धोखा किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिन से संदीपन साहा की सकारात्मक छवि पेश करने की कोशिश की जा रही है, जबकि

जनता की उनके खिलाफ कई शिकायतें हैं. टिबरेवाल ने कहा, पिछले दो दिन से संदीपन साहा खुद को संत की तरह पेश करने की कोशिश कर रहे हैं. आज लोग सड़कों पर उतरकर उस छवि पर सवाल उठा रहे हैं और अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं. उनका मानना है कि उनके साथ लूट और धोखा हुआ है. प्रदर्शन के दौरान लोगों ने नारेबाजी की और पिता-पुत्र की जवाबदेही तय करने की मांग की. इन आरोपों पर संदीपन साहा और स्वर्ण कमल साहा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई. उल्लेखनीय है कि विधायक संदीपन साहा तृणमूल के बागी गुट में शामिल हो गए हैं, जिससे पार्टी नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर सवाल उठे हैं. रिताब्रता बनर्जी और संदीपन साहा के नेतृत्व वाले बागी गुट ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस को 58 विधायकों के समर्थन पत्र सौंपे. यह संख्या दल-बदल विरोधी कानून के तहत अलग गुट के रूप में मान्यता पाने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत से अधिक है. बागी विधायकों ने रिताब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता और अखरुज्जमान को मुख्य सचेतक नामित किया है. संदीपन साहा के साथ वरिष्ठ नेताओं जावेद अहमद खान, सबीना यास्मीन और शिउली साहा को उपनेता नियुक्त किया गया है.

भाजपा नेता मालवीय ने तृणमूल नेता के भीड़ से बचकर बिस्तर के पीछे छिपने का वीडियो साझा किया

कोलकाताः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के एक नेता को उग्र भीड़ से बचने के लिए कथित तौर पर अपने बिस्तर के नीचे छिपते हुए देखा जा सकता है. मालवीय ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कट-मनी घोटाला एक राजनीतिक तमाशे के दृश्य प्रस्तुत कर रहा है. उन्होंने कहा कि वीडियो कूचबिहार जिले के मथाभंगा का है, जहां स्थानीय लोगों ने टीएमसी नेता शाहिदुल मियां के आवास को घेर लिया और उन पर सरकारी आवास योजनाओं के लाभार्थियों से 5,000 रुपये से 20,000 रुपये तक की उगाही करने का आरोप लगाया है. मालविया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जैसे-जैसे जांच तेज होती जा रही है और गिरफ्तारियां बढ़ रही हैं, गरीबों का शोषण करने वालों के लिए छिपना, यहां तक कि बिस्तर के नीचे छिपना भी मुश्किल होता जा रहा है. उन्होंने कहा, जनता का गुस्सा भड़कने पर, टीएमसी नेता उग्र भीड़ से बचने के लिए अपने बिस्तर के नीचे छिप गए. आखिरकार, पुलिस को उन्हें उनके छिपने की जगह से बाहर निकालना पड़ा.

एनआईए ने भांगड़ विस्फोट मामले में पूर्व विधायक सौकत मोल्ला के घर की तलाशी ली

कोलकाताः राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने हाल में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भांगड़ में हुए बम विस्फोट की घटना की जांच के तहत बृहस्पतिवार को दक्षिण 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक सौकत मोल्ला के आवास पर छापा मारा. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के साथ एनआईए की टीम सुबह भांगड़ इलाके के मौखाली में मोल्ला के आवास पर पहुंची और व्यापक तलाशी ली. सूत्रों के अनुसार करीब 10 वाहनों में पहुंची एनआईए की टीम ने बामुनिया गांव के कई घरों का भी दौरा किया, जहां विस्फोट हुआ था. एक अधिकारी के अनुसार जब जांच दल पहुंचा, तब मोल्ला घर पर मौजूद नहीं थे. उनके बेटे इमरान मोल्ला को जांचकर्ता परिसर में लाए और तलाशी के दौरान वह एनआईए टीम के साथ रहे. यह तलाशी भांगड़ के बामुनिया गांव में हुए बम विस्फोट की जांच से जुड़ी है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए थे. इस घटना के बाद इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) ने मामले में एनआईए

जांच की मांग की थी. दक्षिण 24 परगना के दक्षिण बामुनिया गांव में 19 मार्च को एक देसी बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे. आरोप है कि घटना के समय वहां बम बनाए जा रहे थे. एजेंसी ने सौकत मोल्ला के कार्यालय की भी तलाशी ली. तलाशी के दौरान ही सौकत मोल्ला की पत्नी और बेटी आवास पर पहुंचीं. अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ता विस्फोट मामले से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं और जरूरी जानकारी जुटा रहे हैं. इलाके में और आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा स्थानीय पुलिस तैनात की गई है. इससे पहले, इस विस्फोट की जांच अपने हाथ में लेने के बाद एनआईए मामले में तृणमूल नेता वाहिदुल इस्लाम सहित कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. वाहिदुल इस्लाम के आवास पर भी तलाशी ली गई, साथ ही उन लोगों के घरों का भी दौरा किया गया जो विस्फोट के बाद घायलों को अस्पताल ले गए थे. एक अधिकारी ने कहा, यह कार्रवाई जांच से जुड़े सबूत जुटाने और जानकारी की पुष्टि करने के लिए की जा रही है. केनिंग पूर्व सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके मोल्ला ने 2016 तथा 2021 में चुनाव जीता था. हाल में पश्चिम बंगाल सरकार ने उनकी सुरक्षा वापस ले ली थी.

नीट परीक्षार्थी की आत्महत्या मामले में ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को घेरा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने नीट परीक्षार्थी की आत्महत्या पर दुख व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार और देश की वर्तमान परीक्षा व्यवस्था पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली में व्याप्त अनिश्चितता और अव्यवस्था का प्रतीक है. पूर्व मुख्यमंत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में मृतक छात्र के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि देश ने एक प्रतिभाशाली युवा को खो दिया है, जिसके पास भविष्य के अनेक सपने थे. उन्होंने कहा कि एक सपना भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन इससे परिवार को जो पीड़ा मिली है, उसकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी. ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार की नीतियों और परीक्षा प्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि यह घटना कोई अकेला मामला नहीं है. उनके अनुसार, पेपर लीक, बार-बार सामने आने वाली अनियमितताएं और प्रशासनिक विफलताएं छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था में योग्यता को दांव पर लगा दिया गया है और युवाओं की उम्मीदें निराशा में बदल रही हैं. पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने बयान में केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अमानवीय शासन देश के युवाओं को लगातार निराश और ठगा हुआ महसूस करा रहा है. उल्लेखनीय है कि, ममता बनर्जी ने अपने पोस्ट के साथ एक समाचार रिपोर्ट भी साझा की, जिसमें एक नीट परीक्षार्थी द्वारा कथित तौर पर दोबारा परीक्षा देने का साहस न जुटा पाने की बात कहकर आत्महत्या करने का उल्लेख किया गया है.

तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह के बीच भाजपा 'झूठे मित्रों' से सतर्क रहें : स्वपन दासगुप्ता

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर जारी आंतरिक कलह और कथित टूट के बीच वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और केबिनेट मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी है. उन्होंने कहा कि भाजपा को उन लोगों से सावधान रहना चाहिए जो अपने पुराने कृत्यों से बचने के लिए पार्टी में शरण लेने की कोशिश कर सकते हैं. राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वपन दासगुप्ता ने कहा कि टीएमसी में चल रही स्थिति को टूट के रूप में देखा जाना चाहिए और भाजपा कार्यकर्ताओं को इसे लेकर अत्यधिक उत्साहित होने की आवश्यकता नहीं है. उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी को किसी भी प्रकार के अच्छे या बुरे टीएमसी के बीच अंतर नहीं करना चाहिए. दासगुप्ता ने कहा, जो भी

घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे टीएमसी के भीतर विभाजन को दर्शाते हैं. भाजपा कार्यकर्ताओं को इस पर अनावश्यक उत्साह नहीं दिखाना चाहिए. हमें स्पष्ट रूप से सतर्क रहना होगा. उन्होंने आगे दावा किया कि हालिया चुनावी परिणामों के बाद जनता का जनादेश भाजपा के पक्ष में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है. उन्होंने कहा कि मतगणना के बाद यह साफ हो गया कि जनता क्या चाहती है. भाजपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी से जुड़े कई नेता और कार्यकर्ता अब पार्टी में आना चाह रहे हैं, जिसे उन्होंने संदिग्ध बताया. दासगुप्ता ने कहा कि ऐसे लोगों को पार्टी में शामिल करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए. उन्होंने टीएमसी पर कट-मनी और सिंडिकेट राजनीति के आरोप भी लगाए और कहा कि यह पार्टी अब एक राजनीतिक संगठन से अधिक अपराध तंत्र की तरह काम कर रही है. इससे पहले दिन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए दासगुप्ता ने कहा था कि उन्हें टीएमसी के आंतरिक संकट से कोई सहानुभूति नहीं है, लेकिन भाजपा को झूठे मित्रों से सावधान रहना चाहिए, जो अपने अतीत को छिपाने के लिए पार्टी में प्रवेश करना चाहते हैं.

पश्चिम बंगाल सरकार का बड़ा फैसला

पंचायतों का होगा विशेष ऑडिट, भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच कर्मचारियों के तबादले

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने राज्य की ग्राम पंचायतों में कथित भ्रष्टाचार के बढ़ते आरोपों के बीच व्यापक स्तर पर विशेष ऑडिट शुरू करने का निर्णय लिया है. साथ ही लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों के तत्काल तबादले का भी फैसला लिया गया है. ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने गुरुवार को जानकारी देते हुए कहा कि राज्य की लगभग 10 प्रतिशत ग्राम पंचायतों में पहले चरण में विशेष ऑडिट किया जाएगा. उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों से भ्रष्टाचार से संबंधित सर्वाधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जांच के दायरे में रखा जाएगा. राज्य में कुल तीन हजार 339 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से पहले चरण में 10 प्रतिशत पंचायतों का ऑडिट किया जाएगा. विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाई जाएगी और इसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विशेष ऑडिट पंचायत स्तर पर वित्तीय प्रबंधन, प्रशासनिक कार्यप्रणाली और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में अनियमितताओं की जांच के उद्देश्य से किया जा रहा है. जिन पंचायतों पर धन के दुरुपयोग, अनियमित व्यय, कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में गड़बड़ी या राहत सामग्री वितरण में शिकायतें दर्ज हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जांच के दायरे में लाया जाएगा. हाल के दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों में राहत सामग्री के कथित गबन और जमाखोरी के आरोपों में कई तृणमूल कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी भी हुई है.

सुजीत बोस ने प्रथम श्रेणी बंदी का दर्जा देने की अदालत में की मांग

सुनवाई के दौरान ईडी ने जताई आपत्ति

कोलकाताः नगर पालिका भर्ती घोटाले से जुड़े मामले में न्यायिक हिरासत में बंद पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता सुजीत बोस ने अदालत में प्रथम श्रेणी बंदी (ग्रेड वन प्रिजनर) का दर्जा दिए जाने की मांग की है. गुरुवार को हुई वर्चुअल सुनवाई में उनके वकील ने अदालत के समक्ष यह आवेदन प्रस्तुत किया. इस पर प्रवर्तन निदेशालय ने लिखित रूप से आपत्ति दर्ज कराई. सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से उप सॉलिसिटर जनरल धीरज त्रिवेदी ने अदालत को बताया कि आरोपितों ने इस मामले में पहले ही उच्च न्यायालय का रुख किया है. उन्होंने यह भी कहा कि सुजीत बोस से कथित रूप से जुड़े दक्षिण दमदम नगर पालिका के उप प्रमुख निताई दत्ता को पूछताछ के लिए समन भेजा गया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए हाजिरी से छूट मांगी और अब तक पेश नहीं हुए हैं. ईडी ने अदालत को यह भी बताया कि जांच के दौरान भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अभ्यर्थियों की सूची बरामद की गई है और कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं. एजेंसी ने कहा कि उसे हाल ही में कुछ नई जानकारियां मिली हैं, जिनकी पुष्टि के लिए पूछताछ आवश्यक है, लेकिन बार-बार समन के बावजूद कुछ लोग पेश नहीं हो रहे हैं. ईडी ने आरोप लगाया कि सुजीत बोस एक प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति हैं, जिसके कारण जांच प्रभावित हो रही है. दूसरी ओर, सुजीत बोस के वकील ने दलील दी कि केंद्रीय जांच ब्यूरो की चार्जशीट में उनके मुवक्किल का नाम शामिल नहीं है और न ही किसी वित्तीय लेनदेन का उल्लेख है. बचाव पक्ष का यह भी कहना था कि अन्य आरोपितों के बयान में भी सुजीत बोस की भूमिका स्पष्ट नहीं होती है.

पश्चिम बंगाल में पंचायत स्तर पर रिक्त पड़े 6,136 पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पंचायत स्तर पर लंबे समय से रिक्त पड़े हजारों पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. इसके तहत ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर कुल 6,136 पदों पर भर्ती की जाएगी. ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में वर्तमान में कुल 12,828 पद रिक्त हैं. इनमें से ग्राम पंचायतों में 11,548 पद रिक्त हैं, जबकि पंचायत समितियों में 630 और जिला परिषदों में 650 पद खाली हैं. इन रिक्तियों को देखते हुए सरकार ने विभिन्न स्तरों पर भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है. प्रदेश के ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने गुरुवार को कोलकाता के साल्ट लेक स्थित विभागीय प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर 5,509 पदों, पंचायत समितियों में 564 पदों और जिला परिषदों में 463 पदों पर भर्ती को मंजूरी दे दी है.

मेस्सी के कार्यक्रम में गड़बड़ी के मामले में पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुए पूर्व मंत्री बिस्वास

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास पिछले साल दिसंबर में सॉल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था से संबंधित मामले में पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को पुलिस के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए दो सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया. पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. कार्यक्रम के आयोजक शतद्रु दत्ता ने बिस्वास के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी और पूर्व मंत्री पर टिकटों की कालाबाजारी, जबरन वसूली, आपराधिक धमकी व धोखाधड़ी का आरोप लगाया था. पुलिस ने बिस्वास को पांच जून तक जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए कहा था. तृणमूल नेता ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि वह फिलहाल पेश होने की स्थिति में नहीं हैं. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमें उनसे (अरूप बिस्वास से) चिकित्सा कारणों से अतिरिक्त समय देने का पत्र मिला है.

अनुरोध की कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार जांच की जा रही है. जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी. दत्ता ने इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री जांच में देरी करने का प्रयास कर रहे हैं. दत्ता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, समन मिलने के बाद अचानक बीमार पड़ जाना? मेडिकल सर्टिफिकेट से समय तो मिल सकता है, लेकिन इससे कोई न्याय से बच नहीं सकता. उन्होंने दावा किया कि बीमारी का समय महज एक संयोग नहीं माना जा सकता. उन्होंने मामले को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया. मेस्सी के भारत में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक दत्ता ने 17 मई को बिधाननगर दक्षिण थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने पूर्व खेल मंत्री पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक धमकी और जबरन वसूली सहित कई अपराधों का आरोप लगाया था.

बड़ाबाजार में गिरफ्तार तृणमूल पार्षद महेश शर्मा को 6 दिनों की पुलिस हिरासत

कोर्ट परिसर में आरोपी को लाते ही तृणमूल व भाजपाइयों में मारपीट

जगदीश यादव

कोलकाताः महानगर कोलकाता के वार्ड नंबर 42 के तृणमूल पार्षद महेश कुमार शर्मा को बड़ा बाजार थाने की पुलिस ने रंगदारी, धोखाधड़ी सह कई गंभीर आरोपों के तहत गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार तृणमूल पार्षद को गुरुवार कोर्ट में पेश करने पर अदालत ने उन्हें 6 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया है. जब पार्षद को जज के सामने पेश करने के लिए पुलिस बैंकशाल कोर्ट परिसर में लेकर पहुंची तो वहां मौजूद भीड़ ने 'चोर-चोर' का नारा लगना शुरु कर दिया. ऐसे में तृणमूल और बीजेपी समर्थकों में ठन गई. इसके बाद तृणमूल और बीजेपी समर्थकों के बीच मारपीट शुरु हो गई व तमाम लोगों के कपड़े तक फाड़े गये, हालांकि पुलिस को ऐसे हालात बनने का आभास पहले से ही था यही कारण है कि महेश शर्मा को भारी सुरक्षा के बीच सिर पर हेलमेट पहनाकर लाया गया था. उपजे हालात से कोर्ट परिसर गरमा गया. हालांकि, वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और स्थिति को कुछ ही समय में नियंत्रित कर लिया. इधर एक वरीय पुलिस अधिकारी ने जानकारी की पुष्टि करते हुए बताया कि महेश को 7 जनवरी, 2025 को दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया है. तृणमूल कांग्रेस पार्षद महेश कुमार शर्मा को भ्रष्टाचार और रंगदारी के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने बताया कि महेश शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी, जबरन वसूली और आपराधिक धमकी से संबंधित आरोप शामिल हैं. महेश के खिलाफ

बीएनएस की धारा 61(2)/ 132/ 308/ 308(3)/ 62/ 308(6)/ 352/351127/3(5)/3(6) के तहत मामला दर्ज किया गया है. बहरहाल बता दे कि, पश्चिम बंगाल में बीते एक हफ्ते के अंदर कोलकाता के छह पार्षदों को गिरफ्तार किया गया है. तृणमूल पार्षद सचिन सिंह, अरिजीत सिंह समेत छह पार्षदों को गिरफ्तार किया गया है. बुधवार रात को दो पार्षद गिरफ्तार हुए हैं. एक पर छेड़खानी का आरोप है, जबकि दूसरे पर जबरन वसूली के आरोप लगे हैं.

पश्चिम बंगाल में वीबी-ग्रामीण-जी योजना एक जुलाई से होगी शुरू: दिलीप घोष

कोलकाताः पश्चिम बंगाल सरकार एक जुलाई से एक नई ग्रामीण रोजगार योजना विकसित भारत - ग्रामीण रोजगार एवं आजीविका संवर्धन मिशन (वीबी-ग्रामीण-जी) शुरू करने जा रही है. ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने गुरुवार को यह घोषणा की. उन्होंने यह भी बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), जिसे आमतौर पर 100 दिन का रोजगार कार्यक्रम कहा जाता है, राज्य में एक जून से पुनः शुरू कर दी गई है. यह योजना मार्च 2022 से ठप थी. नई वीबी-ग्रामीण-जी योजना के तहत पात्र जॉब कार्ड धारक परिवारों को प्रति वर्ष अधिकतम 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा, साथ ही न्यूनतम 60 दिनों के वेतन रोजगार की गारंटी भी दी जाएगी. यह योजना राज्य के लगभग 2.56 करोड़ जॉब कार्ड धारकों को कवर करने की संभावना है. दिलीप घोष ने बताया कि इस योजना का वित्तपोषण केंद्र और राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में साझा

किया जाएगा. इसका वार्षिक व्यय 12 हजार 850 करोड़ रुपये से अधिक अनुमानित है, जिससे यह राज्य की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजनाओं में से एक बन जाएगी. उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से बाहर किए गए लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा. दिलीप घोष ने कहा कि मनरेगा को राज्य में एक जून से पुनः शुरू कर दिया गया है. एक जुलाई से वीबी-ग्रामीण-जी लागू होगी, जिसके तहत पात्र लाभार्थियों को 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी दी जाएगी. मनरेगा की बहाली उस लंबे विवाद के बाद हुई है, जो केंद्र और तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच फंड उपयोग और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं को लेकर चला आ रहा था. केंद्र सरकार ने 2022 में वित्तीय सहायता रोक दी थी, जिसके बाद जांच और जवाबदेही को लेकर सख्ती की मांग की गई थी. दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान योजना के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें सामने आईं. मनरेगा को राज्य के भूमिहीन मजदूरों, छोटे किसानों और आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण आय स्रोत माना जाता रहा है, विशेषकर कृषि के ऑफ-सीजन में. अधिकारियों के अनुसार, वीबी-ग्रामीण-जी के क्रियान्वयन की तैयारी शुरू कर दी गई है, जिसमें दिशा-निर्देश तैयार करना, फील्ड स्टाफ का प्रशिक्षण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र विकसित करना शामिल है.

कोलकाता नगर निगम की बैठक 19 जून को, माला राय ने किया ऐलान

कोलकाताः कोलकाता नगर निगम में जारी गतिरोध के बीच 19 जून को मासिक अधिवेशन बुलाया गया है. नगर निगम की चेयरपर्सन माला राय ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी. उल्लेखनीय है कि 22 मई को नगर निगम में एक अभूतपूर्व स्थिति पैदा हो गई थी. उस दिन माला राय ने अधिवेशन बुलाया था, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के पार्षदों के पहुंचने के बावजूद बैठक कक्ष का दरवाजा बंद मिला. इसके कारण पार्षद अंदर नहीं जा सके. कुछ देर इंतजार के बाद माला राय और उपस्थित पार्षदों ने बैठक कक्ष के बाहर ही बैठक की. घटना के बाद मेयर फिरहाद हाकिम ने नाराजगी जताते हुए इसे नगर निगम के लिए काला दिन बताया था. उन्होंने सभी पक्षों से टकराव छोड़कर शहरवासियों के हित में मिलकर काम करने की अपील की थी.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

माइनिंग विभाग की बड़ी कार्रवाई

निरसा: माइनिंग विभाग के इंस्पेक्टर श्याम नंदन सिंह के नेतृत्व में आज जिला खनन विभाग की टीम ने आज निरसा थाना के समीप हाईवा जप्त किया वही इंस्पेक्टर श्याम नंदन सिंह ने कहा कि इसकी जांच हम लोग कर रहे हैं चालान नहीं होने की वजह से हमलोगों ने हाईवे को थाना भेज दिया गया है जिसकी आगे की कार्रवाई की जाएगी

वार्ड 1 में शरबत वितरण

घुसुरी : शिव शक्ति संघ द्वारा 'प्राचीन हनुमान मंदिर' घुसुरी में शरबत वितरण कैंप लगाया गयों भीषण गर्मी से राहत पहुंचाने के लिये भाजपा नेता ध्रुव अग्रहरि,समाजसेवी बबलू गुप्ता ने राह चलते लोंगो को ठंडा सरबत पीला कर राहत दियों पीयूष शुक्ला, विवेक गुप्ता, सागर शाह, केशव झा, संदीप सिंह, नीरज सिंह, सुनील शाव, अभिषेक खरवार, मनोज शर्मा एवं अन्य उपस्थित थे

उधवा झील में स्वच्छता, हरियाली और संरक्षण का संदेश

उधवा: गुरुवार को विश्व पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर उधवा झील पक्षी आश्रयणी में प्रकृति संरक्षण को समर्पित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान, पौधारोपण तथा स्थानीय समुदाय के साथ जागरूकता संवाद के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और पक्षी संरक्षण का संदेश दिया गया.सुबह से ही वनकर्मी एवं सहयोगी झील क्षेत्र की सफाई में जुटे रहे. झील के किनारों एवं आसपास के क्षेत्रों से प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री हटाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में सामूहिक प्रयास किया गया. इसके साथ ही आश्रयणी परिसर एवं आसपास के उपयुक्त स्थलों पर पौधारोपण कर हरित आवरण बढ़ाने की पहल की गई.कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय ग्रामीणों एवं आगंतुकों के साथ संवाद रहा. लोगों को आर्द्रभूमियों के महत्व, स्वच्छ परिवेश की आवश्यकता तथा पक्षियों के संरक्षण में समुदाय की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई. उपस्थित लोगों से आग्रह किया गया कि वे झील क्षेत्र में कचरा न फैलाएं और इस महत्वपूर्ण प्राकृतिक धरोहर की स्वच्छता एवं सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग करें.वनकर्मियों ने बताया कि उधवा झील पक्षी आश्रयणी केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वी भारत की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों में से एक है, जहां प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में प्रवासी एवं स्थानीय पक्षी आश्रय प्राप्त करते हैं.

'एक्शन मोड' में दिखे 20 सूत्री अध्यक्ष,जनता दरबार' में मौके पर ही निपटाई शिकायतें

बरहरवा : प्रखंड मुख्यालय में आयोजित 'जनता दरबार' आज स्थानीय ग्रामीणों के लिए नई उम्मीद लेकर आया.कांग्रेस के 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक कुमार दास की अगुवाई में आयोजित इस दरबार में न केवल जन-समस्याएं सुनी गईं,बल्कि कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कर अधिकारियों को सख्त चेतावनी भी दी गई.प्रमुख मुद्दे और त्वरित कार्रवाई.जनता दरबार में ग्रामीणों ने बुनियादी सुविधाओं को लेकर अपना पक्ष रखा, जिस पर अध्यक्ष ने तत्काल संज्ञान लिया:बिजली-पानी का संकट:अघोषित बिजली कटौती और पानी की किल्लत पर नाराजगी जताते हुए अशोक कुमार दास ने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश दिए.

फंदे से लटका मिला टोटो चालक का शव

दासपुर : पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दासपुर थाना क्षेत्र के सातपोता गांव में एक टोटो चालक का शव उसके कमरे में फंदे से लटका मिला. घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है.मृतक की पहचान सूरज पाल (22) के रूप में हुई है. वह पेशे से टोटो चालक था. पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बुधवार रात सूरज ने अपनी पत्नी फाल्गुनी पाल के साथ भोजन किया था. इसके बाद वह सोने के लिए दूसरे कमरे में चला गया.गुरुवार सुबह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं आने पर उसके पिता पंचानन पाल और पत्नी ने उसे आवाज लगाई. अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर परिजनों को संदेह हुआ. दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर उन्होंने सूरज को फंदे से लटका पाया. घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई.स्थानीय लोगों ने बताया कि सूरज अपने पीछे पत्नी और करीब दो वर्ष की एक पुत्री छोड़ गया है. उसकी असामयिक मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.सूचना मिलने पर दासपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है. प्रारंभिक तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, हालांकि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा.

मंत्री बनने के बाद कूचबिहार पहुंचीं मालती रावा राय,

कूचबिहार : मंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपने गृह जिले कूचबिहार पहुंचीं मालती रावा राय का गुरुवार को जोरदार स्वागत किया गया. बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वह सड़क मार्ग से कूचबिहार पहुंचीं, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला. शहर में उनके आगमन पर खुले वाहन में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. ढोल-नगाड़ों और समर्थकों की भीड़ से पूरा कूचबिहार शहर गूंज उठा. इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर उनका स्वागत किया.शोभायात्रा के बाद मंत्री सीधे मदनमोहन मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर राज्य और जनता की खुशहाली की कामना की. तुफानगंज विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज करने के बाद मालती रावा राय को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्य मंत्री बनाया गया है.

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश से जनप्रतिनिधिगण ने मुलाकात कर आशीर्वाद लिया

युवाशक्ति न्यूज

पटना: श्रवण कुमार, मंत्री ग्रामीण विकास व सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, नेता विधायक दल जनता दल यू0, संजय कुमार सिंह उर्फ संजय गॉधी, मुख्य सचेतक, सत्तारूढ़ दल, बिहार विधान सभा, दुलालचन्द्र गोस्वामी, सभापति जिला परिषद एवं पंचायती राज समिति, पन्ना लाल सिंह पटेल, सभापति, आश्वासन समिति, नागेन्द्र चन्द्रवंशी, सभापति आवास समिति ने नीतीश कुमार , राष्ट्रीय अध्यक्ष जनता दल यू0 सह पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात कर आशीर्वाद ली.इस अवसर पर सभी जन प्रतिनिधियों ने

विधान सभा के विभिन्न समितियों के सभापति पद का दायित्व सौंपे जाने पर उनके प्रति आभार व्यक्त किया.उन्होनें विश्वास दिलाया कि उन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जबाबदेही के साथ निभाउंगा.

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता की सेवा, विकास, कार्यों की निगरानी तथा लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण में विधान सभा की समितियों का महत्वपूर्ण भूमिका होती है. उन्होनें आशा व्यक्त किया कि सभी प्रतिनिधि अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ करेंगे.

आंगनवाड़ी केंद्र से चावल चोरी का आरोप

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी के दो नंबर डाबग्राम अंचल के फकदईबाड़ी इलाके में एक आंगनबाड़ी केंद्र से चावल चोरी के आरोप को लेकर गुरुवार को हड़कंप मच गया. आरोप है कि केंद्र की एक महिला कर्मी प्लास्टिक बैग में चावल भरकर टोटो से कहीं ले जा रही थी. स्थानीय लोगों को शक होने पर उन्होंने जांच की और महिला को कथित तौर पर रंगे हाथ पकड़ लिया. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया.बताया जा रहा है कि उसके पास से चावल से भरा बैग भी बरामद हुआ. इलाके में हंगामा की खबर पाकर आशिघर चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची

नालों की सफाई को लेकर जमशेदपुर अक्षेस पर अनियमितता का आरोप, डीसी से जांच की मांग

जमशेदपुर : मानसून पूर्व तैयारियों के तहत नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार के निर्देशानुसार जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति (जेएनएसी) द्वारा क्षेत्र के बड़े नालों की विशेष सफाई अभियान प्रारंभ किया गया है. इसी क्रम में आज उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने विभिन्न बड़े नालों में चल रहे सफाई कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उप नगर आयुक्त ने सफाई कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा कार्य की गुणवत्ता में और सुधार लाने के निर्देश दिए. उन्होंने संवेदक (ठेकेदार) को पर्याप्त संख्या में मानवबल एवं आवश्यक मशीनरी की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया ताकि निर्धारित समयावधि में बड़े नालों की सफाई का कार्य पूर्ण किया जा सके. कृष्ण कुमार ने कहा कि मानसून के दौरान जलजमाव की समस्या को रोकने तथा सुचारू जल निकासी व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े नालों की समयबद्ध एवं प्रभावी सफाई अत्यंत आवश्यक है. उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी करने तथा कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने का

निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान नालों से निकाले जा रहे सिल्ट एवं कचरे के शीघ्र उठाव पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि पुनः नालों में अवरोध उत्पन्न न हो. साथ ही जलजमाव संभावित क्षेत्रों को प्राथमिकता के आधार पर साफ करने के निर्देश दिए गए. जेएनएसी द्वारा मानसून पूर्व सभी प्रमुख नालों की सफाई सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिससे शहरवासियों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके और स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके. इस अवसर पर संबंधित नगर प्रबंधक, स्वच्छता शाखा के पदाधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कार्य एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे. वही दूसरी तरफ जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को पत्र लिख कर जेएनएसी द्वारा बड़े नालों की सफाई कार्य में घोर अनियमितता बरतने का आरोप लगाये हुए सक्षम पदाधिकारी से जांच की मांग की है. मुकुल मिश्रा ने पत्र में लिखा है कि जेएनएसी प्रत्येक वर्ष बरसात से पूर्व बड़े नाला-नालों की सफाई की जाती है. इस बार भी बरसात से पूर्व कदमा एवं सोनारी के बड़े नालों की सफाई प्रारंभ की गयी है. मुकुल मिश्रा के अनुसार, नालों की सफाई के लिए निविदा प्रक्रिया के द्वारा 30 मजदूरों की व्यवस्था की गयी है लेकिन जेएनएसी कम मजदूर लगा रहा है. मुकुल मिश्रा ने लिखा है कि सोनारी क्षेत्र में दिनांक एक जून और दो जून को मात्र 17 मजदूरों को सफाई कार्य में लगाया गया था. उनका आरोप है कि कदमा क्षेत्र में दिनांक तीन और चार जून को मात्र 19 मजदूरों को लगाया गया. मुकुल मिश्रा के अनुसार, फिलहाल सोनारी में नालों की सफाई का कार्य बंद है. मौसम विभाग ने शीघ्र बारिश की संभावना जतायी है. यदि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार बारिश होती है तो सोनारी, कदमा के निचले इलाकों में जल-जमाव होगा और बाढ़ स्थिति उत्पन्न हो जाएगी. ऐसी परिस्थिति में इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जमशेदपुर अक्षेस (जेएनएसी) की होगी. मुकुल मिश्रा ने आरोप लगाया कि जेएनएसी के उप नगर आयुक्त के उदासीन रवैया और विभाग के द्वारा तय मजदूरों (30) की संख्या से कम मजदूरों को सफाई कार्य में लगाने के कारण बड़े नालों का सफाई कार्य प्रभावित हो रहा है और समय पर सफाई कार्य पूर्ण होने की संभावना नहीं दिख रही है. मुकुल मिश्रा ने उपायुक्त से मांग की है कि इस मामले की जांच किसी सक्षम पदाधिकारी से करवाएं.

बीडीओ के निर्देश पर दुरुस्त हुआ परिसर का वाटर कूलर, प्याऊ में रखे गए घड़े पानी

तालझारी : प्रखंड कार्यालय परिसर में आने वाले आम लोगों को भीषण गर्मी में पेयजल संकट से राहत मिल गई है. प्रखंड प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए परिसर में काफी समय से खराब पड़े ठंडे पानी के नल (वाटर कूलर) की मरम्मत कराकर उसे चालू करवा दिया है. इसके साथ ही परिसर में आम लोगों के लिए बनाए गए प्याऊ में रखे घड़ों में भी पानी की व्यवस्था कर दी गई है. इस संबंध में प्रखंड नाजीर मनोज कुमार ने बताया कि प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के सख्त निर्देश पर यह कदम उठाया गया है. उन्होंने बताया कि बीडीओ के आदेशानुसार खराब पड़े नल को तुरंत ठीक कराया गया और प्याऊ के घड़ों में नियमित पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है, ताकि प्रखंड मुख्यालय आने वाले आम जनता को पीने के पानी के लिए परेशान न होना पड़े.

युवक की गला घोंटकर हत्या, दो हिरासत में

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी नगर निगम के 31 नंबर वार्ड अंतर्गत नौकाघाट इलाके में महानंदा नदी के किनारे जंगल से एक युवक का शव बरामद होने के मामले में पुलिस ने दो युवक को हिरासत में लिया. आरोपितों के नाम संजीव दास और विशाल दास है. पूछताछ में दोनों आरोपितों ने अपराध कबूल कर लिया है.दरअसल, 22 मई की सुबह नौकाघाट इलाके में महानंदा नदी के किनारे जंगल से सुकुमार परिदा उर्फ लामा का शव पुलिस ने बरामद किया था. एनजेपी थाने के आईसी रंजन दास के नेतृत्व में सादे कपड़ों में पुलिस टीम ने मामले की जांच आगे बढ़ाई. जिसके बाद बीती रात पुलिस ने उसके दो साथी संजीव दास और विशाल दास संदेह के आधार पर हिरासत में लिया.पूछताछ में दोनों ने बताया कि 21 मई की रात तीनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे. इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया.

इसके बाद दोनों ने मिलकर सुकुमार का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी. हत्या के बाद शव को एक वैन में डालकर नौकाघाट ले गए और महानंदा नदी के किनारे जंगल में फेंककर फरार हो गए. जिसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में दोनों को हिरासत में लिया. पुलिस ने मामले की आगे की जांच के लिए सात दिन की रिमांड की मांग की है.

डंपर में लगी आग, चालक की जलकर मौत

पश्चिम बर्दवान : सालानपुर थाना क्षेत्र के मेलाकला मोड़ के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर गुरुवार की भोर एक भयावह सड़क दुर्घटना में डंपर चालक की जान चली गई. कोयले से भरे डंपर की एक ट्रेलर से टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई, जिससे चालक बाहर नहीं निकल सका और उसकी मौके पर ही मौत हो गई.दमकल विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि भोर 4:00 बजे उनको एक मॉर्निंग वॉकर ने कॉल किया कि एक डंपर और टेलर की टक्कर हो गई है और आग लग गई है. घटना की सूचना पाने के बाद वह लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने आज भी बुझाने को लेकर कार्रवाई शुरू की कुछ देर में आपको बुझा दिया गया. घटना को लेकर उन्होंने बताया कि जोरदार टक्कर के कारण से आग लगा है. दुर्गापुर की तरफ से डंपर धनबाद की ओर जा रहा था. धनबाद की ओर जा रहे कोयला लदे डंपर ने अचानक जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डंपर का आगे का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और चालक केबिन के भीतर फंस गया.दुर्घटना के कुछ ही क्षण बाद डंपर में आग भड़क उठी. आग तेजी से केबिन तक फैल गई और अंदर फंसा चालक खुद को बचाने में असमर्थ रहा. देखते ही देखते पूरा अगला हिस्सा आग की चपेट में आ गया और चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई

.घटना की जानकारी मिलते ही सालानपुर थाना की पुलिस कोश्रदे दी गयी है. पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया है.

शपथ लेकर लौटे राज्यमंत्री

सिलीगुड़ी : राज्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद आनंदमय बर्मन गुरुवार को सिलीगुड़ी लौटे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया. जैसे ही वह ट्रेन से न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन पहुंचे, वहां पहले से मौजूद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया.स्टेशन परिसर में ढोल-नगाड़ों और उत्साह के माहौल के बीच कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया.

मानसून से पहले वार्ड नंबर नौ में जर्जर तार पोल बदलने, उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर निर्बाध बिजली दें : रिफत

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर नौ की वार्ड पार्षद रिफत प्रवीण गुरुवार को कार्यपालक अभियंता विद्युत अवर प्रमंडल से मिलकर अपने वार्ड क्षेत्र के विद्युत समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन के माध्यम से वार्ड पार्षद ने बताया कि नौ नंबर वार्ड पटेल चौक से स्वामी विवेकानंद चौक, बाटा रोड से महाराजा स्वीट्स होते हुए एलसी रोड से बादशाह चौक, बंगाली टोला, दुसाध पाड़ा, सब्जी मंडी क्षेत्र पड़ता है. बंगाली टोला में कई जगह केबल तार सड़क पर झूल रहा है, आने जाने वाले वाहन को छूता है. हमारा वार्ड नंबर नौ क्षेत्र में प्रतिमा विसर्जन जुलूस ओर मुहर्रम जुलूस वाला मार्ग है. झूले हुए तार को नया पोल लगाकर व्यवस्थित किया जाए. वही सब्जी मंडी, बंगाली टोला, तिलकधारी कुआं सहित वार्ड नंबर नौ में सड़क के दोनों किनारा में पोल लगाकर केबल तार लगाया जाए और उपभोक्ताओं को कनेक्शन देकर सड़क के बीच से सभी तरह के तार को हटाया जाए. ताकि कोई भी जुलूस पोर्सेशन को

आने जाने में किसी भी तरह की समस्या न आए. बंगाली टोला दुसाध पाड़ा स्थित विष्णु रजक के घर समीप से गुलाब गुप्ता के घर तक नया पोल तार लगाया जाए, नफीस किराना दुकान गली समीप सहित कई जगह जर्जर पोल है सबको बदला जाए, साथ साथ कुछ गलियों में नया तार पोल लगाकर विद्युत आपूर्ति बहाल किया जाए. पटेल चौक से सब्जी मंडी होते हुए बादशाह चौक ओर बंगाली टोला में 11 हजार तार में सेफ्टी वायर लगाकर सुरक्षित किया जाए. क्षतिग्रस्त पोल ओर नंगा तार को बदलकर केबल तार ओर नया पोल लगाया जाए.सब्जी मंडी नीलिमा होटल समीप 100केवी के जगह 200केवी का नया ट्रांसफार्मर ओर पुराना सदर अस्पताल समीप एक अतिरिक्त 200 केवी का ट्रांसफार्मर लगाकर लोड बांटा जाए. वही हमारे वार्ड में जहां आवश्यकता हो उसके अनुसार उच्च क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया जाए. वही वार्ड पार्षद ने मानसून ओर मुहर्रम जुलूस से पहले ही वार्ड नंबर नौ में सभी कार्य करके निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने का मांग किया है. वही कार्यपालक अभियंता विद्युत अवर प्रमंडल ने आश्वस्त किया कि जल्द ही सभी कार्य समय रहते करा दिया जाएगा.

धन उगाही के आरोप में घिरे तृणमूल नेता, गुस्से से बचने के लिए बिस्तर के नीचे छिपे

कूचबिहार: माथाभांगा इलाके में आवास योजना के नाम पर कथित धन उगाही का मामला गुरुवार को सामने आया है, जिससे नाराज ग्रामीणों के विरोध का सामना एक तृणमूल नेता तथा सिविक वालंटियर को करना पड़ा. हालात ऐसे बन गए कि खुद को बचाने के लिए आरोपित नेता को बिस्तर के नीचे छिपना पड़ा. घटना माथाभांगा के जोरपाटकी ग्राम पंचायत क्षेत्र की है.आरोप है कि तृणमूल नेता शाहिदुल मियां ने आवास योजना में घर दिलाने के नाम पर स्थानीय लोगों से पांच हजार से लेकर 20 हजार रुपये तक वसूले और कुल मिलाकर करीब आठ लाख रुपये इकट्ठा किए. इस मामले को लेकर 25 मई को भी स्थानीय महिलाओं ने उनके घर के सामने विरोध प्रदर्शन किया था और पैसे वापस करने की मांग की थी. एक बार फिर बड़ी संख्या में महिलाएं उसी मांग को लेकर उनके घर पहुंची. ग्रामीणों के बढ़ते गुस्से को देख शाहिदुल मियां ने खुद को बचाने के लिए घर के अंदर खाट के नीचे छिप गए. सूचना पाकर माथाभांगा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें वहां से निकालकर थाने ले गई.इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपितों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है.वार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा. रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा.

राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया

युवा शक्ति न्यूज

गया : प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं की निगरानी को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से गया जिले में जननी पोर्टल पर स्वास्थ्य पदाधिकारियों का गुरुवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम गुरुवार को प्रारंभ किया गया.बोधगया के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी जिलों से एसीएमओ सहित क्षेत्रीय एवं जिला अनुश्रवण एवं मूल्यांकन पदाधिकारी मौजूद रहे.इनके साथ कुछ जिलों से सिविल सर्जन और जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी भी मौजूद रहे.जननी पोर्टल पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन यूनिसेफ तथा राज्य स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वाधान में किया गया.इस मौके पर राज्य स्वास्थ्य समिति से डिप्टी डायरेक्टर डॉ अरविंद कुमार राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ सरिता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से नीलम सिंह, जयश्री दास, मोहम्मद कामिल, डॉ आदित्य कुमार सहित राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ विजय प्रकाश राय, युनिसेफ बिहार की सीएफओ मोनिका नीलसन, हेल्थ स्पेशलिस्ट डॉ अजय टकरू, डॉ एस रेड्डी मौजूद रहे.इस मौके पर सभी जिलों अस्पतालों और आरोग्य दिवस में मौजूद सेवाओं के डाटा पर चर्चा की गयी.

डिजिटल निगरानी से बेहतर होगी स्वास्थ्य सेवाएंकार्यशाला को संबोधित करते हुए यूनिसेफ से मोनिका नीलसन ने कहा कि जननी पोर्टल प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.इसके माध्यम से अस्पताल की स्थिति, चिकित्सक की प्रतिनियुक्ति, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण, प्रसव पूर्व जांच, प्रसव की स्थिति, नवजात शिशुओं की देखभाल तथा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की ऑनलाइन निगरानी की जा सकेगी.डॉ अजय टकरू ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा सकेगी, जिससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान समय रहते संभव होगी और आवश्यक चिकित्सीय हस्तक्षेप किया जा सकेगा.

प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों को जननी पोर्टल के विभिन्न फीचर्स और उपयोग की विस्तार से जानकारी दी गई.

प्रतिभागियों को पोर्टल पर डेटा अपडेट करने, रिपोर्ट तैयार करने, लाभार्थियों की निगरानी करने तथा स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया.स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से मोहम्मद कामिल ने प्रतिभागियों को बताया कि पोर्टल पर दर्ज की जाने वाली प्रत्येक जानकारी पूरी तरह सटीक और अद्यतन होनी चाहिए.गलत या अधूरी जानकारी से योजनाओं की निगरानी प्रभावित हो सकती है.इसलिए सभी कर्मी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और प्रत्येक लाभार्थी का विवरण समय पर पोर्टल पर अपलोड करें.

स्वास्थ्य सेवाओं में आएगी पारदर्शिता.स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जननी पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और मूल्यांकन अधिक प्रभावी होगा.इससे लाभार्थियों को मिलने वाली सेवाओं की स्थिति का वास्तविक समय में आकलन किया जा सकेगा और जरूरत पड़ने पर त्वरित कार्रवाई भी संभव होगी.राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीक से जोड़कर आम लोगों तक बेहतर सुविधाएं पहुंचाना है.

जननी पोर्टल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है. प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी स्वास्थ्यकर्मी अपने-अपने क्षेत्रों में पोर्टल का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करेंगे.

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें पोर्टल के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए.स्वास्थ्य विभाग ने विश्वास जताया कि जननी पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा.

न्यूज कॉर्नर

अपनी-अपनी रचनाऐं जिला उर्दू भाषा कोषांग, गया में उपलब्ध कराएं

युवा शक्ति न्यूज

गया : उर्दू निदेशालय मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, बिहार, पटना एवं जिला प्रशासन, गया के संयुक्त तत्वावधान में उर्दू पत्रिका जिला उर्दू नामा गतब वर्ष की भांति इस वर्ष (2026-27) में भी प्रकाशन से सम्बंधित कार्य प्रारम्भ हो चुका है, जिसमें गजल, नज्म, मजमून, अफसाना आदि प्रकाशित किया जाता है.इस संबंध में गया जिला के समस्त उर्दू साहित्यकारों एवं उर्दू कविगणों से अनुरोध है कि अपनी-अपनी रचनाऐं जिला उर्दू भाषा कोषांग, गया में उपलब्ध कराने की कृपा करें ताकि आपकी रचनाएँ जिला उर्दू नामा पत्रिका में प्रकाशित हो सके.विशेष जानकारी के लिए प्रभारी पदाधिकारी उर्दू भाषा कोषांग, गया एस शकील अहमद (9470485442) एवं उर्दू अनुवादक मो फिरोज आलम (9162556010) पर संपर्क किया जा सकता है.

जुनैद हत्याकांड में फरार चल रहे अभियुक्त के घर पर पुलिस ने किया विधिवत कुर्की की कारवाई

औरंगाबाद: (बिहार) औरंगाबाद पुलिस ने जुनैद हत्याकांड में फरार चल रहे अभियुक्त मोहम्मद गालिब, मोहम्मद दानिश, मोहम्मद सैफ उर्फ मैडी तीनों पिता - जहुर अली साकिम - नावाडीह, थाना नगर, जिला औरंगाबाद के घर विधिवतब किया कुर्की की कार्रवाई! ज्ञात हो कि पूर्व में उक्त कांड में 08 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है, और 01 विधि विरुद्ध किशोर को निरुद्ध किया गया. यह कार्रवाई नगर थाना द्वारा की गई है! जिसका पुलिस - प्रशासन, औरंगाबाद के द्वारा सोशल - मीडिया के माध्यम से विभागीय प्रेस विज्ञप्ति भी जारी किया गया है!

पूर्व तृणमूल विधायक तिलक कुमार गिरफ्तार, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का आरोप

मेदिनीपुर : पूर्व मेदिनीपुर जिले के महिषादल से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक तिलक कुमार चक्रवर्ती को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. उन पर नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से पैसे लेने और ठगी करने का आरोप है. पुलिस ने बुधवार रात उनके तेरपेख्या स्थित आवास से उन्हें हिरासत में लिया.जानकारी के अनुसार, वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में तिलक कुमार चक्रवर्ती तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर महिषादल से विधायक चुने गए थे. विधायक बनने के बाद से ही उनके खिलाफ नौकरी दिलाने के नाम पर कई लोगों से पैसे लेने की शिकायतें सामने आने लगी थीं. उस समय भी इस मामले को लेकर चर्चा हुई थी और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी.वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल ने उन्हें फिर उम्मीदवार बनाया था, लेकिन वे भाजपा उम्मीदवार सुभाष चंद्र पांजा से 25 हजार से अधिक मतों से चुनाव हार गए. राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने पुराने भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से जुड़े मामलों की जांच शुरू की. इसी क्रम में तिलक कुमार चक्रवर्ती के खिलाफ भी जांच तेज की गई.पुलिस सूत्रों के अनुसार, बुधवार रात करीब 10:40 बजे पुलिस की एक टीम ने उनके गांव स्थित घर पर छापेमारी की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.उल्लेखनीय है कि राजनीति में आने से पहले तिलक कुमार चक्रवर्ती महिषादल में साइकिल की दुकान चलाते थे. बाद में वे सक्रिय राजनीति में आए और विधायक बने.

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले में 'सुलह' के नाम पर पैसे लेने का आरोप, पंचायत प्रधान गिरफ्तार

अलीपुरद्वार : जिले में एक गंभीर मामले में पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़े पंचायत प्रधान श्रीबास राय को गिरफ्तार किया है. उन पर आरोप है कि नाबालिग से छेड़छाड़ के मामले को दबाने के लिए आरोपित से पैसे लेकर सुलह बैठक में समझौता कराया गया. यह घटना करीब सात महीने पुरानी बताई जा रही है.आरोप के अनुसार, गांव में एक नाबालिग के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी, लेकिन न्याय दिलाने के बजाय पीड़ित परिवार को एक स्थानीय सुलह बैठक का सामना करना पड़ा. परिवार का आरोप है कि उस सभा में पंचायत प्रधान श्रीबास राय और कुछ स्थानीय नेताओं ने आरोपित से पैसे लेकर मामले को वहीं दबा दिया.पीड़ित पक्ष का कहना है कि उस समय इलाके के प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण वे पुलिस के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके. गुरुवार को सोनापुर चौकी की पुलिस ने आरोपित पंचायत प्रधान को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया. इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस कथित समझौते में और कौन-कौन लोग शामिल थे.

दोमुहान जंगल में फेंकी मिलीं सरकारी दवाएं, स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

लातेहार :जिले के मनिका थाना क्षेत्र अंतर्गत दोमुहान जंगल के पास गुरुवार को सरकारी दवाएं फेंकी हुई अवस्था में मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया. मामले को लेकर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है.मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों द्वारा जंगल में एक पेटी में बंद दवाएं देखे जाने के बाद इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया.इसी वीडियो को टैग करते हुए झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी सोशल मीडिया पर झारखंड के स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए. उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए. वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठने लगे.घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया. सिविल सर्जन के निर्देश पर मनिका प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिव्य क्षितिज कुजूर मौके पर पहुंचे और दवाओं को जब्त कर लिया गया.प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि बरामद दवाएं आयरन और फोलिक एसिड की हैं, जिन्हें आमतौर पर स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों को दिया जाता है. ये दवाएं ब्लॉक रिसोर्स सेंटर के माध्यम से स्कूलों में वितरित की जाती हैं. कुछ दवाएं एक्सपायर भी पाई गई हैं. बैच नंबर के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दवाएं किस स्तर से निकलीं और जंगल तक कैसे पहुँची.

स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थापित जिला स्तरीय तृतीय वर्ग के कर्मियों का स्थानांतरण किया गया

साहिबगंज : गुरुवार को स्थापना समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार जिला के स्वास्थ्य संस्थानों में पदस्थापित जिला स्तरीय तृतीय वर्ग के कर्मियों का स्थानांतरण किया गया है.यह निर्णय सिविल सर्जन के निर्देश में लिया गया. जारी सूची के अनुसार सदर अस्पताल के लिपिक मुकेश कुमार सिन्हा का स्थानांतरण तालझारी सीएचसी,सदर अस्पताल एनआरएचएम लिपिक प्रवीण कुमार सक्सेना का स्थानांतरण बरहरवा, गवालखोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बरहेट सीएचसी लिपिक सुशीत कुमार का स्थानांतरण सदर अस्पताल, स्थापना कार्य, ज़िला यक्ष्मा केंद्र के लिपिक आदित्य कुमार का स्थानांतरण सदर अस्पताल एनएचएम लेखा बनाया गया, मिर्जाचौकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिपिक अमन कुमार भारती का स्थानांतरण बरहेट सीएचसी, बरहेट, फुलभंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लिपिक रेखा कुमारी का स्थानांतरणबरहरवा सीएचसी, बरहेट सीएचसी लिपिक डी मनोरंजन हांसदा का स्थानांतरण मिर्जाचौकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तीनपहाड़ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिपिक गौरव राज को स्थानांतरण बांझी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,ग्वालखोर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लिपिकसुशांतरा मालतो का स्थानांतरण बरहेट सीएचसी, बोरियो सीएचसी के संगणक मगदालिना मुर्मू का स्थानांतरण राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल, बरहरवा सीएचसी संगणक रमेश टुडू का स्थानांतरण तालझारी सीएचसी सह प्रतिनियुक्त जिला आरसीएच किया गया है. वहींसदर सीएचसी के संगणक सत्येंन्द्र प्रसाद का स्थानांतरण सदर सीएचसी, बोरियो सीएचसी बरहरवा सीएचसी व प्रतिनियुक्ति सीएस कार्यालय, बोरियो सीएचसी के आशुतोष कुणाल का स्थानांतरण मंडरो, श्रीरामचौकी, स्वास्थ्य उपकेंद्र, प्रतिनियुक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किया गया है.

आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

दक्षिण दिनाजपुर : जिले के बुनियादपुर में गुरुवार शाम आए अचानक तूफान और आकाशीय बिजली गिरने की घटना ने एक परिवार को उजाड़ दिया. खेत में काम करने गए पति, पत्नी और उनकी नाबालिग बेटी की आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई. इससे पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है.मृतकों की पहचान विश्वनाथ सरकार (38), उनकी पत्नी पुष्पा सरकार (30) और बेटी नंदिता सरकार (11) के रूप में हुई है.बताया जा रहा है कि तीनों गुरुवार शाम अपने खेत में मक्का तोड़ने गए थे, तभी अचानक मौसम बिगड़ गया और तेज आंधी-तूफान के साथ बिजली गिर गई.स्थानीय लोगों के

अनुसार, तेज आवाज के बाद जब लोग खेत की ओर दौड़े तो तीनों को जमीन पर बेहोश हालत में पाया गया. तुरंत उन्हें रशीदपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. इस दर्दनाक घटना के बाद अस्पताल में एक ही बेड के पास रखे तीनों शवों को देखकर लोगों की आंखें नम हो गईं.परिवार का एकमात्र आठ वर्षीय बेटा सुमन घर पर माता-पिता और बहन का इंतजार करता रह गया, जिससे यह हादसा और भी मार्मिक हो गया. स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक दंपति बेहद मेहनती और शांत स्वभाव के थे. एक साथ तीन लोगों की मौत से पूरे इलाके में गहरा शोक छा गया है.

प्रसाद हॉस्पिटल में आग लगने से चार मरीजों की हुई मौत, 20 की हालत गंभीर

मुजफ्फरपुर: (बिहार) मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा श्रेत्र में स्थित प्रसिद्ध अस्पताल, प्रसाद हॉस्पिटल में गुरुवार दिनांक - 04 जून 2026 को सुबह तीन बजे भीषण आग लग गई! आग पांचवें मंजिल मे बनी हुई आई.सी.यू. के वार्ड में लगी! आग इतनी भयानक थी कि चारों तरफ धुआं फैल गया! अस्पताल के कर्मचारी मरीजों को छोड़कर भाग निकले! इलाके में अफरा - तफरी मच गई! सूचना मिलने पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम! चार बजे तक पहुंच चुकी थी टीम! फायर अधिकारी, राम विलास पाण्डेय ने बताया कि सूचना मिलते ही 08 दमकल के साथ पूरी टीम

मौके पर पहुंच गई! धुआं भरे रहने के कारण आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी! करीब 10 लोगों की मौत, एवं 02 दर्जन लोगों को गंभीर रुप से घायल होने की बात फायर ब्रिगेड के अधिकारी बता रहे थे! उन्होंने बताया कि आई.सी.यू. के बाद सी.सी.यू. वार्ड में भी आग पकड़ चुकी थी! घटना के समय अस्पताल में कोई भी उच्च पदाधिकारी या व्यवस्थापक मौजूद नहीं थे! अस्पताल के कर्मचारी आनन-फानन में मरीजों को एम्बुलेंस में कहीं और लेकर जा रहे थे! मौके पर वरिष्ठपुलिस पदाधिकारी और ब्रह्मपुरा थाने की टीम अस्पताल पहुंचकर बचाव कार्य के बाद जांच में जुट गई! पुलिस ने प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट की बात कही है! मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी, सुब्रत कुमार सेन ने बताया है कि मुख्यमंत्री की ओर से मृतक के परीजनों को चार लाख रूपये की मुआवजा देने की घोषणा की गई है! वहीं सिविल सर्जन की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय मेडिकल टीम बनाकर जांच करने को कहा गया है! पुलिस भी अपने स्तर से जांच करेगी!

अस्पताल हेड बनने पर डॉ संजय लाल श्रीवास्तव का अभिनंदन

जमशेदपुर : पटेल समाज के प्रबुद्ध द्वारा टाटा मोटर्स अस्पताल में डॉक्टर संजय लाल श्रीवास्तव के अस्पताल प्रमुख के रूप में पदोन्नति मिलने पर उन्हें शुभकामनाएं दी गई. संस्था की ओर से डॉक्टर श्रीवास्तव को फूलों का गुलदस्ता एवं पौधा भेंटकर बधाई दी है. बधाई देने वालों में विश्वनाथ प्रसाद संजय कुमार सिंह, सुशील सिंहा, सत्येन्द्र चौधरी, धर्मनाथ सिंह शामिल थे.

जुगसलाई से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करते दो गिरफ्तार

जमशेदपुर : जुगसलाई थाना क्षेत्र में अवैध हथियारों की सप्लाई और खरीद-फरोख्त करने वाले एक संगठित गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. वरीय पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में तथा पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था सुमित कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया. सूचना थी कि अवैध हथियार सप्लाई से जुड़े आरोपी जाहिद हुसैन उर्फ विक्की (25) और हथियार खरीदने वाला मो. रेहान हुसैन (19) के बीच हथियार की डिलीवरी होने वाली है. पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गरीब नवाज कॉलोनी, जुगसलाई स्थित रेलवे पुल के नीचे पिलर के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया. उनकी निशानदेही पर नदी किनारे रेलवे पुल के नीचे झाड़ियों से एक लोडेड देसी पिस्टल बरामद की गई.

पूछताछ के दौरान जाहिद हुसैन उर्फ विक्की ने बताया कि अवैध हथियार आपूर्तिकर्ता एक देसी पिस्टल 40 हजार से 60 हजार रुपये तक में उपलब्ध कराते हैं और वह आपूर्तिकर्ता तथा खरीदारों के बीच संपर्क सूत्र का काम करता था.

संयुक्त तत्वावधान में एनईपी-2020 संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

टिकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) तथा लद्दाख विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीपीपी), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की योजना के अंतर्गत 20वें आठ दिवसीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 संवेदीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक गुरुवार को सम्पन्न हो गया.कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह तथा लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो साकेत कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित देश के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों एवं शैक्षणिक संगठनों से 14 राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हुए 120 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई.अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि एनईपी-2020 भारत की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी एवं परिवर्तनकारी पहल है.

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की चुनौतियों, आवश्यकताओं एवं अवसरों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा परिकल्पित आत्मनिर्भर भारत एवं 'विकसित भारत S2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है.

उन्होंने यूजीसी की मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण योजना को शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास के लिए एक सशक्त मंच बताते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ-साथ शिक्षकों को नई शैक्षणिक प्रवृत्तियों एवं नवाचारों से भी परिचित कराते हैं.

विशिष्ट संबोधन में लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. साकेत कुशवाहा ने एनईपी -2020 के सफल कार्यान्वयन हेतु विभिन्न संस्थानों द्वारा अपनाई जा रही उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों को साझा किया.उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. राजीव मोहन पंत, कुलपति, असम विश्वविद्यालय, सिलचर ने एनईपी -2020 के विभिन्न प्रावधानों एवं उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की.

उन्होंने नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक रणनीतियों, प्रशासनिक तैयारियों तथा संस्थागत प्रतिबद्धता के महत्व को रेखांकित किया.साथ ही उन्होंने इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों एवं संभावित समाधानों पर भी विचार साझा किए.उन्होंने कहा कि विकसित भारत S2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में एनईपी -2020 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी तथा यह भारत को ज्ञान-आधारित वैश्विक महाशक्ति बनाने में सहायक सिद्ध होगी.

लेफ्टिडेन्ट डॉ. प्रज्ञा गुप्ता के द्वारा सत्र का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरमब के साथ किया गया.कार्यक्रम के प्रारंभ में सीयूएसबी के शिक्षक-शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष एवं शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रवि कांत ने मुख्य अतिथि, कुलपतियों, विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभासी मंच पर हार्दिक स्वागत किया.मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी), सीयूएसबी के निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. तरुण कुमार त्यागी ने कार्यक्रम का विस्तृत परिचय प्रस्तुत करते हुए एवं इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एनईपी -2020 भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, बहुविषयक, शोधोन्मुख एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.कार्यक्रम के अंत में लद्दाख विश्वविद्यालय से कार्यक्रम समन्वयक डॉ. यांचन डोलमा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी मुख्य अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों, संकाय सदस्यों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया.उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को एनईपी -2020 की गहन समझ प्रदान करने के साथ-साथ उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक विकास में भी सहायक सिद्ध होगा.कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ.

एन.एस.टी.पी.सी. अंकोरहा में सपनों की उड़ान को मिला नया सबल

औरंगाबाद: (बिहार) नवीनगर प्रखंड अंतर्गत पड़ने वाली अंकोरहा रेलवे लाइन के पश्चिम दिशा मे स्थित नबीनगर सुपर थर्मल पावर परियोजना के प्रांगण में केंद्रीय विद्यालय के समीप मंगलवार दिनांक - 02 जून 2026 की रात्रि में सपनों की उड़ान के तहत बालिका सशक्तिकरण अभियान - 2026 की शुरुआत भव्य तरीके से प्रत्येक वर्ष की तरह लगातार चौथे वर्ष भी की गई! जिसमें क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, पूर्वी क्षेत्र - 01 सह परियोजना प्रमुख, एल.के.बहेरा, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पुलिस महानिरीक्षक, प्रबोध चंद्रा ने मिलकर इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया! जिसमें एन.एस.टी.पी.सी. के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अतुल कुमार, भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड, खैरा के परियोजना प्रमुख, दीपक रंजन डीहुरी, अध्यक्षा, श्रीमती आरती बहेरा, स्वरा महिला संघ, राकेश शर्मा, परियोजना के महाप्रबंधक, महाप्रबंधक मेंटेनेंस, मनोरंजन पाणिग्रही, मानव संसाधन के अपर महाप्रबंधक, ओंकार नाथ, बड़ेम थानाध्यक्ष एवं नरारी कला खुर्द थानाध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए! इस आयोजित कार्यक्रम में नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत इस वार्षिक अभियान के तहत नबीनगर एवं बारुण प्रखंड के विद्यालयों से चुनी गई 61 मेधावी छात्राओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान की जाएगी! अगले 4 हफ्तों तक चलने वाले इस कार्यशाला में बालिकाओं को

उच्च - स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा! जिसमें गणित, अंग्रेजी, हिंदी इत्यादि जैसे विषय शामिल है! नियमित शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को कराटे, योग, कंप्यूटर एवं अन्य प्रशिक्षण भी दिया जाएगा! अभियान के दौरान छात्राओं को छात्रावास एवं पौष्टिक आहार की सुविधा भी प्रदान की जाएगी! जिससे बालिकाओं को सर्वांगीण विकास हो सके! साथ ही प्रतिभागियों में से चयनित 06 बालिकाओं को एन.टी.पी.सी. के सहयोग से बाल भारती पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं तक नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी! कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए क्षेत्रीय कार्यकारी निर्देशक सह परियोजना प्रमुख, पूर्वी क्षेत्र - 01, एल.के.बहेरा ने मौके पर उपस्थित संवाददाताओं द्वारा सवाल पूछे जाने पर जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गांवों में छिपी हुई मेधा को निखारना है! यह अभियान बालिकाओं के सर्वांगीण विकास पर बल देता है, और उन्हें सशक्त नागरिक के रूप में तैयार करता है! उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा है कि इस आयोजित कार्यक्रम से प्रशिक्षित बालिकाओं को सपनों की उड़ान भरने की इच्छा शक्ति का नया सबल मिलेगा! अंत में परियोजना प्रमुख, एल.के. बहेरा ने संवाददाता द्वारा पूछे जाने पर कहा कि खासकर यह कार्यक्रम बालिकाओं के लिए ही प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है, क्योंकि जब बेटियां सपनों की उड़ान योजना के तहत यहां से प्रशिक्षित होकर निकलेगी,

तो वो दो घरों का नाम रोशन करेगी! ध्यातव्य हो कि इसी आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच से नन्हे - मुन्ने छात्र-छात्राओं ने सर्वप्रथम गणेश वंदना की प्रस्तुति देकर नाट्य मंचन, शिक्षा पर आधारित कार्यक्रम, बेहतरीन नृत्य भी पेश करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किया,

और मंच पर उपस्थित छात्राओं ने सबसे बड़ी संदेश देते हुए कहा कि लड़कियां क्या नहीं कर सकती है? भारतवर्ष की बेटी राष्ट्रपति, द्रोपदी मुर्मू बनी! कल्पना चावला अंतरिक्ष यात्रा की! लोकसभा स्पीकर, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री बनी! इसलिए भारत की बेटियां हर क्षेत्र में आगे

जनगणना-2027 के तहत डीसी आवास का मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य

जमशेदपुर : जनगणना-2027 के अंतर्गत निर्धारित मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्यक्रम के तहत अधिसूचित प्रगणक एवं सुपरवाइजर द्वारा उपायुक्त आवास पहुंचकर स्वगणना आईडी की सहायता से जनगणना संबंधी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया. इस दौरान जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त राजीव रंजन से जनगणना कार्य के लिए आवश्यक विवरणों का संकलन किया गया तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आंकड़ों का सत्यापन किया गया. उपायुक्त ने सभी नागरिकों से जनगणना-2027 में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है.

अभियुक्त ने पुलिस दबिश के कारण पटना में किया आत्मसमर्पण

औरंगाबाद: (बिहार) औरंगाबाद पुलिस द्वारा कुटुंबा थाना कांड संख्या - 64 / 26 में गोली मारकर हत्या करने के प्रयास में फरार चल रहे अभियुक्त दिलीप कुमार, उम्र - 40 वर्ष, पिता - सहजानंद शर्मा उर्फ भोला सिंह, साकिम - नगर बिहटा, थाना - आई.आई.टी. अमहारा, जिला-पटना, दिनेश कुमार उर्फ जट्टा, पिता -सुखाड़ी यादव, साकिम - चकमुनज़े, थाना- आई.आई.टी. अमहारा, जिला- पटना के घर कुर्की के दौरान दोनों अभियुक्तों ने पुलिस दबिश के कारण आत्मसमर्पण कर दिया. जिसमें दिलीप कुमार ने जक्कनपुर, पटना में एवं दिनेश कुमार ने फुलवारी शरीफ, पटना में आत्मसमर्पण कर दिया है.

आम महोत्सव सह बागवानी मेला के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रथ रवाना

जमशेदपुर : जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त राजीव रंजन द्वारा समाहरणालय परिसर से आम महोत्सव सह बागवानी मेला के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. यह जागरूकता रथ आम महोत्सव के संबंध में लोगों को जानकारी देगा ताकि कार्यक्रम में अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित हो. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आगामी 06 जून को समाहरणालय परिसर में आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन किया जा रहा है. इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले के आम उत्पादक किसानों को अपने उत्पादों के विपणन हेतु बेहतर मंच उपलब्ध कराना तथा उन्हें उचित मूल्य दिलाना है. उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ के माध्यम से कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है ताकि जिले के विभिन्न प्रखंडों से अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम में शामिल हों और किसानों द्वारा लाए गए आम एवं अन्य बागवानी उत्पादों को देखें, खरीदे एवं खुद भी प्रेरित हों. इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, अपर उपायुक्त, एनईपी निदेशक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) जेएसएलपीएस, पणन सचिव बाजार समिति व अन्य उपस्थित थे.

जदयू विधायक सह समाजसेवी ने अपने का पोते जन्मदिन समारोह उत्साह पूर्वक माहौल में मनाया

औरंगाबाद: (बिहार) रफीगंज विधानसभा क्षेत्र संख्या - 224 से नवनिर्वाचित जदयू विधायक सह समाजसेवी, प्रमोद कुमार सिंह ने मदनपुर प्रखंड अंतर्गत पड़ने वाली अपने पैतृक आवास कमात में ही अपने पोते रुद्र कुमार का 12वॉ जन्मदिन समारोह काफी उत्साह पूर्वक माहौल में बुधवार दिनांक - 03 जून 2026 को मनाया! जिसमें इनके समर्थक भी काफी संख्या में जुटे! साथ ही मदनपुर प्रखंड अंतर्गत बेरी पंचायत निवासी, पूर्व जिला परिषद सदस्य, भाजपा नेता, समाजसेवी एवं वर्तमान बेरी पंचायत मुखिया, रीता देवी के प्रतिनिधि, प्रफुल्ल कुमार सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष, धर्मेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, जदयू जिला निर्वाचन पदाधिकारी, रामानुज सिंह, संतोष सिंह, विधायक प्रतिनिधि, सुनील कुमार सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष, बारुण, मुकेश कुमार सिंह, जदयू खेल प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष, संजीव कुमार शर्मा, जदयू के देव प्रखंड अध्यक्ष, ब्रजेश सिंह, औरंगाबाद के जदयू प्रखंड अध्यक्ष, निरंजन सिंह, जदयू के औरंगाबाद नगर अध्यक्ष, विजय चंद्रवंशी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष, संजय कुमार मेहता, शत्रुध्न सिंह, भाजपा नेत्री एवं नगर पंचायत, रफीगंज के पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी, संगीता प्रसाद, घोड़ा डीहरी पंचायत के मुखिया, शोभा देवी के प्रतिनिधि, पवन सिंह, शैलेंद्र कुमार सिंह सहित क्षेत्रवासी भी काफी संख्या में शामिल हुए, और पोते को बहुत - बहुत बधाई दी! ध्यातव्य हो कि यह जो पोते के जन्मदिन समारोह का आयोजन किया गया था! वो माननीय विधायक सह समाजसेवी, प्रमोद कुमार सिंह के भतीजा, कुमार राज उर्फ गुड्डू सिंह का पुत्र हैं!!

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शुक्रवार | 5 जून, 2026

अब असली-नकली तृणमूल

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में बगावत हो गई है, लिहाजा पार्टी में टूट के पुख्ता आसार हैं. ममता ने मंगलवार को जहां 'प्रतीकात्मक धरना' दिया था, वहां तृणमूल के 80 नवनिर्वाचित विधायकों में से सिर्फ 7 ही पहुंचे. शेष 73 विधायक कहां थे? धरने से एक दिन पहले ममता बनर्जी ने विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन उसमें भी 20 विधायक ही पहुंचे. शेष 60 विधायक तब भी गायब थे, नतीजतन बैठक रद्द करनी पड़ी. धरने के वक्त समर्थकों की जो संख्या दिख रही थी, उससे ममता और तृणमूल के प्रति मोहभंग और अस्वीकार्यता स्पष्ट होती है. संसद के दोनों सदनों में तृणमूल कांग्रेस के 42 सांसद हैं, 80 विधायक हालिया चुनाव में जीत कर आए हैं और करारी पराजय के बावजूद 40 फीसदी से अधिक वोट तृणमूल को मिले हैं. इसके मद्देनजर पार्टी के अस्तित्व और समग्र स्वीकृति सरीखे सवाल नहीं उठाए जा सकते. सवाल यह मौजू है कि क्या तृणमूल कांग्रेस की नियति भी शिवसेना और एनसीपी जैसी हो सकती है? आज 'असली शिवसेना' महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है. जिस एनसीपी को शरद पवार ने गठित किया था, सालों तक सींचा भी था, आज वह पार्टी उन्हीं की घरेलू बहू सुनेत्रा पवार (दिवंगत अजित पवार की पत्नी) के कब्जे में है. अजित शरद पवार के सगे भतीजे थे और वह ही अजित की राजनीति के 'चाणक्य' थे. अजित ने भाजपा से गठबंधन कर लिया और 'महायुति' की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गए. एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई. अब उनकी पत्नी सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं और एनसीपी की प्रमुख भी हैं. हालांकि दोनों मामले शीर्ष अदालत के विचाराधीन हैं. ममता बनर्जी ने दो बागी विधायकों–ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा–को पार्टी से निष्कासित कर दिया है. उसके बाद पार्टी के भीतर विद्रोह और असंतोष गहरा गए हैं. चुनाव तक तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे रिजु दत्ता यहां तक दावा कर रहे हैं कि 80 में से 50 से अधिक विधायक टूटने वाले हैं, बल्कि पार्टी पर आधिपत्य और असलीपन का दावा ठोंकने पर आमादा हैं. ऐसे नेताओं की शिकायत है कि अब पार्टी में कोई भी नेतृत्व नहीं रहा. आई-पैक कंपनी पार्टी को धकिया रही है. ये नाराज विधायक स्पीकर (विधानसभा अध्यक्ष) से मिल कर साबित कर सकते हैं कि 65-70 फीसदी विधायक एकजुट हैं और ममता से अलग हैं, लिहाजा वे ही 'असली तृणमूल' हैं. उन्हें ऐसी मान्यता दी जाए. दावे तो यहां तक किए जा रहे हैं कि तृणमूल के 28 लोकसभा सांसदों में से अधिकतर पाला बदलने को तैयार हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक स्वीकृति नहीं दी है. हालांकि असंतुष्ट सांसदों को संकेत दिए गए हैं कि वे दो-तिहाई सांसदों का एक नया गुट तैयार करें, एक प्रस्ताव पर अधिकृत हस्ताक्षर कराएं और लोकसभा स्पीकर को दें. स्पीकर ही अंतिम निर्णय लेंगे. भाजपा उस गुट को समर्थन दे सकती है. प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार भाजपा को अभी दलबदल के लिए 'लालायित' नहीं होना चाहिए, क्योंकि बंगाल में ऐतिहासिक और प्रचंड जनादेश मिला है. बहरहाल बंगाल में तृणमूल के विधायकों में 'नेता प्रतिपक्ष' को लेकर घमासान मचा है, लिहाजा कुछ विधायकों ने स्पीकर से शिकायत की है कि नेता प्रतिपक्ष के लिए जिस शोभनदेव चट्टोपाध्याय का नाम भेजा गया होगा, उस प्रस्ताव पर उनके 'फर्जी हस्ताक्षर' किए गए हैं. सीआईडी इसकी जांच कर रही है और सांसद अभिषेक बनर्जी को भी 8 जून की पेशी का नोटिस भेजा गया है. बहरहाल गंभीर सवाल यह है कि क्या एक चुनाव हारने पर ही पार्टी में इस कदर बगावत हो सकती है कि दोफाड़ की नौबत आ जाए? वैसे ममता बनर्जी से तृणमूल कांग्रेस छीनना इतना आसान नहीं है. सांसद-विधायक की बात छोड़िए, चुनाव आयोग कई स्तरों पर आकलन करता है कि पार्टी में बहुमत का नेतृत्व किसके पक्ष में है? राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों की राय ली जाती है. जिला-प्रदेश इकाइयों के बहुमत भी देखे जाते हैं. दरअसल उन दलों के भीतर ऐसे हालात और विभाजन पैदा होते हैं, जो किसी निश्चित विचारधारा पर आधारित नहीं होते. लिहाजा भाजपा और वामदलों में इतनी व्यापक टूट कभी नहीं हुई, क्योंकि दोनों ही काडर आधारित दल हैं. बहरहाल पूर्व मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी के लिए अत्यंत गंभीर राजनीतिक चुनौती है कि वह अपनी पार्टी को कैसे बांध कर रख पाती हैं?

आग हादसों में जान गंवाते निर्दोष

– रोहित माहेश्वरी

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आग की चपेट में आने से अब तक कम से 21 लोगों की मौत हुई है जबकि 37 से अधिक लोग घायल हैं. भारत की राजधानी में मौजूद इस इमारत के लिए अग्निशमन विभाग से मंजूरी नहीं ली गई थी. मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है. घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्ट हाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. आंकड़े बताते हैं कि हर दिन भारत में 35 लोगों की मौत आग संबंधी हादसे में होती है. दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांडों में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अक्सर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे. एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है. विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था. जिसमें अस्सी से ज्यादा लोगों की मौजूदगी बताई जा रही है. निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है. लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है. जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसकी संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी. यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं है. राजधानी में बीते एक माह में हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है. मई-जून के महीने में दिल्ली में लगातार हादसे हुए हैं, जिनमें आग और बिल्डिंग गिरने की घटनाओं ने कई जिंदगियां छीन लीं. ये घटनाएं दिल्ली में फायर सेफ्टी, बिल्डिंग नियमों और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही हैं. मई की शुरुआत में विवेक विहार में चार मंजिला इमारत में एसी ब्लास्ट से लगी आग में एक बच्चे समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी. वहीं, पालम के साध नगर में भी एक इमारत में भीषण आग लगने से एक परिवार के 9 सदस्यों की जान चली गई थी. 30 मई को साकेत के सैदुलाजाब में 5 मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग के ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए. इस हादसे में अवैध निर्माण और एमसीडी की लापरवाही सामने आई. 2 जून को मुकुंदपुर में एलपीजी सिलिंडर ब्लास्ट से मकान गिरने से 10 लोग घायल हुए. 3 जून को मालवीय नगर में रेस्टोरेंट में लगी आग ने भी कई कीमती जानें लीं. इन सभी हादसों में प्रशासन की ओर से की जाने वाली लापरवाही स्पष्ट प्रतीत हो रही है. पुराने रिकॉर्ड देखें तो मई 2022 को पश्चिमी दिल्ली के मुंडका इलाके में चार मंजिला कारोबारी इमारत में एक कंपनी सिक्योरिटी कैमरे और दूसरे उपकरणों को बनाने और बेचने वाली कंपनी में आग लगने से 27 लोगों की मौत हुई और 12 लोग घायल हुए. जून 2021 में पश्चिमी दिल्ली के ही उद्योग नगर में एक जूता फैक्ट्री में आग लगने से 6 लोगों की मौत हो गई थी. आग लगने के कई हफ्तों बाद फैक्ट्री के फरार मालिक को गिरफ्तार किया गया. जनवरी 2020 में पीरागढ़ी की एक इमारत में लगी आग की चपेट में आकर 1 आदमी की मौत हो गई जबकि 17 लोग घायल हो गये इनमें तीन मजदूर और 14 अग्निशमन विभाग के कर्मचारी थे. इससे पहले 2019 में बिजली के शॉर्ट सर्किट से नई दिल्ली की एक इमारत में आग लग गई और 43 लोग जल कर मर गए. इसमें भी ज्यादातर मजदूर ही थे जो रात में फैक्ट्री की इमारत में ही सो रहे थे. 2019 में ही करोल बाग की एक होटल में आग लगने से 17 लोगों की मौत हुई जिनमें एक महिला और एक बच्चा भी था, जो जान बचाने के लिए खिड़की से कूद पड़े थे. जनवरी 2018 में दिल्ली के बवाना औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में पटाखे में आग लगने से 17 लोगों की जिंदगी खत्म कर दी थी. इसी तरह 1997 के दिल्ली में उपहार सिनेमा कांड को कौन भूल सकता है जब एक साथ 59 लोगों की मौत आग लगने के कारण हुई थी. मालवीय नगर के अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई. धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए. आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है. गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ. आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदने लगे. होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ. जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है. यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई. यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? साफ तौर लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करने इसके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी. क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले-देकर खामोश होकर बैठ गए? स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे. निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए. *(स्वतंत्र पत्रकार)*

बढ़ते तापमान से जीव सृष्टि अलर्ट मोड पर

(विश्व पर्यावरण दिवस विशेष – 05 जून 2026)

– डॉ. प्रितम भि. गेडाम

जीव सृष्टि के लिए केवल एकमात्र आधार पेड़ है, पेड़ खत्म मतलब पृथ्वी से जीवन समाप्त. प्रकृति का एकदम सरल नियम है कि, पेड़ हमें बचाते है, हमें उन्हें बचाना हैं. अगर हम प्रकृति की रक्षा में लिए 1 प्रतिशत भी योगदान देते है तो उसके तुलना में प्रकृति 100 प्रतिशत समृद्धि हमें लौटाती हैं. कोरोना काल में हम सबने देखा की, जब प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप थम गया था, तब प्रकृति तेजी से अपनेआप को समृद्ध कर रही थी. आज विडंबना है कि, जो निस्वार्थ समृद्ध पेड़ दशकों तक माँ की तरह हमें अपने आँचल की छांव में धूप से बचाता था, फल-फूल देता था, पंछियों का रैनबसेरा हुआ करता था, बरसात में भूमि के कटाव को रोकता था, मनुष्य के लिए जहरीली कार्बनडाय ऑक्साइड को खुद अवशोषित करके प्राणवायु ऑक्सीज़न हमें देता था. वातावरण में नमी और तापमान को नियंत्रित कर प्राकृतिक स्त्रोतों को समृद्ध बनाने में मुख्य भूमिका निभाता था. आज उसी पेड़ को काटने पर लोगों को जरा भी दुःख नहीं होता, जबकि हमारे पुरे जीवन और स्वास्थ्य पर इसका गंभीर परिणाम हो रहा है, क्या हम इतने गिरे हुए स्वार्थी लोग है कि, जो हमें जीवन देगा उसकी जान हम ही लेंगे. आज प्रकृति में बदलते वातावरण की चोट हम सबको झेलनी पड़ रही है, स्वार्थी लोगों की गलत नीतियों ने संपूर्ण पर्यावरण में जहर घोल दिया हैं. प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और जंगल कटाई ने पृथ्वी पर तापमान बढ़ाया है, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाओं और बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि हो रही हैं. प्रदूषण लगातार बढ़ रहा, सड़के आग की भट्टी की तरह महसूस हो रही है और भूजल स्तर तेजी से गिर रहा हैं. खाद्यान्नों में लगातार बढ़ती घातक रासायनिक समृद्धता लोगों को मौत के मुंहाने पर धकेल रही हैं. एक दशक पहले तक जब धूप में घूमते थे, बच्चे धूप में खेलते थे, तो सिर्फ गर्मी महसूस होती थी, खेलते-खेलते किसी पेड़ के छांव में भी बैठ जाएं तो बड़ी ठंडक महसूस होती थी. लेकिन अब तो यह धूप जहरीली हो चुकी है, शरीर को तपाने के साथ उबालती, बीमार भी करती हैं. शहरों के कॉन्क्रीट के जंगल में घने छायादार वृक्ष का दिखना भी दुर्लभ होता जा रहा हैं. लू से मरनेवालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है, सबसे ज़्यादा असर गरीबों, बुज़ुर्गों, बच्चों और अनौपचारिक क्षेत्र के मज़दूरों पर पड़ता है, क्योंकि जीवन यापन के लिए उनका संघर्ष अत्यधिक कष्टदायक होता हैं. सीईईडब्ल्यू के अनुसार, निर्माणकार्य मज़दूरों, गिग वर्कर्स और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों जैसे कमज़ोर तबकों को गर्मी के तनाव का सबसे ज़्यादा सामना करना पड़ता हैं. गरीबों को इस गर्मी में भी दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहत करने पर मजबूर होना पड़ता है, उनकी आमदनी और उत्पादकता दोनों गिरती हैं. गर्मी के कारण 2030 तक जीडीपी में 4.5 प्रतिशत तक की संभावित गिरावट आ सकती है, गर्मी के कारण फसलों को नुकसान और खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता हैं. 'द लैंसेट' में 2024 में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, लू के दौरान काम करने की क्षमता कम होने से हर साल लगभग 194 अरब डॉलर की आमदनी का नुकसान होता है, इस सदी के आखिर तक पूरे भारत में गर्मियों में चलने वाली लू की घटनाएं 300 से 400 फीसदी तक बढ़ सकती हैं. गर्मियों में भूजल का स्तर लगातार नीचे गिरने के कारण बहुत से ग्रामीणों और दूर-दराज क्षेत्र के रहवासियों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है, अनेक बार सोशल मीडिया पर इससे संबंधित वीडियो वायरल होते है, जिसमे हम देखते है कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग महिलाओं तक थोडेसे पानी के लिए रोजाना कई किलोमीटर दूर तक पैदल चलते है, जान जोखिम में डालकर 50-60 फीट नीचे गहरे गड्ढे में उतरकर दूषित जल पिने के लिए बर्तनों में भरते हैं. जीवनावश्यक जल के लिए ऐसा संघर्ष, मजबूरी देखकर बहुत दुःख होता हैं. प्रकृति ने हर एक के लिए शुद्ध जल, हवा, पोषक खाद्य की सुविधा की है, परंतु प्रकृति का संतुलन बिगाड़कर स्वार्थी मनुष्य ने समस्त जीवसृष्टि के लिए खतरा पैदा किया हैं. लोगों के ये हाल है तो, इस बढ़ते तापमान में जंगलों में बेजुबान वन्य पशुओं के कितने बुरे हालात होते होंगे. भौगोलिक रूप से हमारा देश उष्ण माना जाता है, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ने से वातावरण में गर्मी बढ़ी है, इससे मूल तापमान लगातार बढ़ता जाता है, प्राकृतिक हरियाली और प्राकृतिक ठंडक देने वाले संसाधन तेजी से खत्म हो रहे हैं. तेज़ी से फैलते शहर प्राकृतिक नज़ारों की जगह कंक्रीट और काँच की इमारतें खड़ी हुयी, ये दिन में गर्मी सोखकर रात में धीरे-धीरे उसे बाहर निकालती हैं, जिससे सूरज डूबने के बाद भी शहरों का तापमान कम नहीं हो पाता. विकास के लिए शहरों के आसपास के सभी गांवों से उपजाऊ भूमि और खेती पर इमारतें बन रही हैं. यूनाइटेड नेशंस के फ़ूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइज़ेशन के अनुसार, दुनिया भर में हर साल लगभग 10 मिलियन हेक्टेयर जंगल खत्म हो जाते है, यह हर 12 महीने में आइसलैंड या पुर्तगाल के बराबर एरिया को साफ़ करने के बराबर हैं. ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार, भारत में हर साल खेती, वनों की कटाई और बुनियादी ढांचे का विकास की वजह से 1,00,000 हेक्टेयर से ज़्यादा प्राकृतिक जंगल और वृक्ष आवरण खत्म हो जाता हैं. मिनिस्ट्री ऑफ़ एनवायरनमेंट, फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज के अनुसार, विकास प्रोजेक्ट्स के लिए सरकार की इजाज़त से हर साल लगभग 20 से 30 लाख पेड़ काटे जाते हैं. 1990 और 2000 के बीच भारत में 384,000 हेक्टेयर जंगल कम हुए, लेकिन 2015 और 2020 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 668,400 हेक्टेयर हो गया. यूनाइटेड किंगडम की एक वेबसाइट, यूटिलिटी बिडर, जो एनर्जी और यूटिलिटी कॉस्ट की तुलना करती है, की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में भारत ब्राज़ील के बाद दूसरे नंबर पर है, जहाँ इन सालों में औसतन 668,400 हेक्टेयर जंगल काटे गए. रिपोर्ट में आगे बताया गया कि जहाँ ब्राज़ील ने 2015 और 2020 के बीच 2,559,100 हेक्टेयर और इंडोनेशिया ने इसी समय में 1,876,000 हेक्टेयर जंगल काटे, वहीं भारत के आंकड़े काफी बढ़ गए है, 'डाउन टू अर्थ' ने भी यह खबर प्रकाशित की थी. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी बॉम्बे और डीम्ड यूनिवर्सिटी सस्त्रा के अनुसंधानकर्ताओं की एक नये अध्ययन से पता चला है कि 2015 और 2019 के बीच भारत के जंगल वनक्षेत्र में काफ़ी गिरावट आयी हैं. इन वर्षों में भारत में 18 वर्ग किलोमीटर जंगल वनक्षेत्र खत्म हुआ, जबकि इसके मुकाबले केवल 1 वर्ग किलोमीटर बढ़ा. यह बेहद चिंताजनक रेश्यो है जो भारत के वन पारिस्थितिकी तंत्र में गंभीर 'विखंडन संकट' को दिखाता हैं. जबकि भारत सरकार के प्रमुख नोडल एजेंसी प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के अनुसार, भारत नेट सालाना वन क्षेत्र लाभ के मामले में दुनिया भर में तीसरा स्थान बनाए हुए है. वन हानि की वार्षिक दर 10.7 मिलियन हेक्टेयर (1990-2000) से गिरकर 4.12 मिलियन हेक्टेयर (2015-2025) हो गई. हमसे अच्छे तो जंगली जीव है, जो अपने प्राकृतिक अधिवास को बचाने और उन्हें समृद्ध बनाने में प्रकृति की सही मायने में रक्षा करते हैं. पेड़ों से जंगल समृद्ध होते है, जंगल से शुद्ध पानी के स्त्रोत समृद्ध, शुद्ध प्राणवायु समृद्ध, तापमान नियत्रण, जंगल में वन्यजीव समृद्ध, जीवों में खाद्यश्रृंखला सुचारु रूप में चलती है, वन्यजीवों और मानवीय संघर्ष में कमी होती है, प्रदुषण में कमी आती है, बीमारियां कम होकर मानवीय स्वास्थ्य मजबूत होता हैं. ऋतुओं का चक्र तय समय पर ठीक ढंग से कार्यान्वित होता है, फसलें लहलहाती है, प्राकृतिक आपदाओं में कमी आती है, प्रत्येक नागरिक तक खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत बनाने में सहयोग मिलता हैं. मानवीय जरूरतों की योग्य मात्रा में पूर्ति होती है, अमीरी-गरीबी के बीच की खाई पाटने में मदद मिलती हैं. महंगाई नियंत्रण में लाने में सहायता मिलती है और तब देश खुशहाल और सही मायने में विकसित होता हैं.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 5 जून

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 5 जून है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का अधिष्ठाता ग्रह बुध है. इस माह का अधिपति ग्रह बुध है. आप शुक्र एवं बुध ग्रह के जीवनपर्यन्त प्रभावी रहेंगे. आप प्रभावशाली व्यक्तित्व के व्यक्ति होंगे. आप विश्वनसीय, निष्ठावान व्यक्ति होंगे. आप लगातार कार्य करना पसन्द करेंगे. किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसको गहराई तक जानलेना आपका प्रमुख गुण होगा. आपके जीवन में आधुनिकता का समावेश रहेगा. कला व संगीत में आप विशेष रुचि लेंगे. आप कुछ जल्दबाजी प्रवृत्ति के होंगे. जिससे बनता हुआ भी कार्य बिगड़ जाएगा. आपका जनसम्पर्क विस्तृत रहेगा. आपके विचार सुलझे हुए होंगे. आप किसी के मन की बात सहज ही जान लेने में सक्षम होंगे. आपको अपने जीवन में मनोरंजन व यात्रा का भरपूर अवसर मिलेगा. सेवा भावना आपमें प्रबल रहेगी. आपमें त्वरित निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता होगी. सुख-समृद्धि हेतु अपने इष्ट देवी देवता की अर्चना करें. तन-मन-कर्म-वचन से पवित्र रहे. अपने दैनिक जीवन में सफेद एवं हरे रंग की वस्तुओं का प्रयोग करना लाभकारी रहेगा. बुधवार के दिन हरे रंग का खड़ा मूँग, हरा ऋतुफल, निकट के देवस्थान में अर्पित करें तथा दान भी करें. हिंसाजनित कार्य न करें. परोपकारी बनें. भाग्योदय के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बुं बुधाय नमः	मास	:	जनवरी, मई एवं दिसम्बर
व्रत	:	बुधवार	वर्ष	:	5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
दिन	:	रविवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	सफेद एवं हरा
दिनांक	:	5, 14, 23	जन्मरत्न	:	पन्ना
उपरत्न	:	एक्वामैरीन	अंक	:	4, 6, 8
जड़ी	:	विधारा की जड़	दिशा	:	उत्तर

यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

वर्ष का महत्वपूर्ण समय – 21 मई से 20 जून, 21 अगस्त से 20 सितम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : बुद्धि विवेक से संकल्प सिद्धि, प्रियजनों-मित्रों से विचार-विमर्श, राजनैतिक लाभ लेने हेतु प्रयत्नशील, व्यापारिक वातावरण मनोनुकूल, महत्वपूर्ण उपलब्धि.

वृषभ : भाग्योन्नति के नवीन आयाम सुलभ, आशा की पूर्ति, पारिवारिक वातावरण मनोनुकूल, नौकरी में पदोन्नति विषयक मसला हल होने को, नवसम्पर्क लाभदायी.

मिथुन : समय प्रतिकूल, धन का अभाव, योजना अधूरी, आपसी सम्बन्धों में तनाव, मानसिक उलझनों में वृद्धि, व्यावसायिक उन्नति में अड़चनें, यात्रा सुखद.

कर्क : दिनचर्या व्यवस्थित, आरोग्य सुख, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु प्रयत्नशील, कठिनाइयों में कमी, मनोविनोद के सुअवसर प्राप्त, जनकल्याण की भावना जागृत.

सिंह : स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार, मनोभिलाषित योजनाओं में सफलता, दूसरों के आश्वासनों से राहत, बुद्धि चातुर्य से संकल्प सिद्धि, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ.

कन्या : ग्रहस्थिति भाग्य के पक्ष में, किसी योजना का श्रीगणेश, समस्या का संतोषजनक हल, शिक्षा व प्रतियोगिता में सफलता, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर.

तुला : कार्य-व्यवसाय में असफलता, जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अहितकर, शंका-कुशंका से मतभेद, मानसिक अशांति, आय की तुलना में व्यय की अधिकता.

वृश्चिक : साहसिक प्रयास प्रगति पर, इच्छित पद की प्राप्ति, किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि, आपसी सम्बन्ध मधुर, बकाए धन की प्राप्ति, सुसमाचार से खुशी.

धनु : कार्य-व्यवसाय में विस्तार, दूसरों के आश्वासनों से राहत, मानसिक शांति, उत्तरदायित्व की पूर्ति, संतानपक्ष का उत्कर्ष, अधीनस्थ सहयोगियों से सहयोग.

मकर : आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, मित्रों-परिजनों से विचार-विमर्श, सामाजिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, बकाए धन की वसूली.

कुम्भ: सफलता में संदेह, लाभ में कमी, मित्रों से मनमुटाव, शत्रु सक्रिय, अकेलेपन की अनुभूति, आर्थिक हानि, आलस्य की अधिकता, आपके व्यवहार से दूसरों को कष्ट.

मीन: समय संतोषजनक, कार्य-व्यवसाय में विस्तार, राज-नीतिक कृत्यों में अभिरुचि, विवाद के समापन में प्रियजन सहायक, जनकल्याण की भावना जागृत, यात्रा.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

त्रिभाषा विवाद के यक्ष प्रश्न व कोर्ट से उम्मीदें

– प्रमोद जोशी

नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में भाषाओं के अध्ययन से जुड़े कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल उच्चतम न्यायालय के सामने उठे हैं. इनके पीछे दक्षिण में हिंदी बनाम विदेशी भाषा के मसले भी हैं. अभिभावकों की व्यावहारिक समस्याएं, विद्यालयों के पास उपलब्ध संसाधनों और अध्यापकों की संख्या जैसे सवालों का पिटारा भी अब खुलेगा. सुप्रीम कोर्ट ने गत 27 मई को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें 1 जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए दो भारतीय मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है. हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया है, पर उन्होंने केंद्र सरकार, सीबीएसई और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करके दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है. अदालत ने अलबत्ता यह कहा है कि बोर्ड का तीसरी भाषा को शामिल करने का निर्णय सिद्धांत रूप में 'प्रशंसनीय' हो सकता है, लेकिन इसे वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से लागू करने में कुछ व्यावहारिक प्रश्न उठेंगे. शिक्षकों और पुस्तकों की कमी के मद्देनजर इस नीति को लागू करने की तार्किक और तथ्यात्मक चुनौतियों को लेकर अदालत अधिक चिंतित है. बहरहाल, न्यायालय 15 और 16 जुलाई को दलीलें सुनेगा. उसी समय इस आदेश को लागू किया जा रहा होगा. शैक्षिक-प्रश्न के अलावा यह राजनीतिक प्रश्न भी है. अपनी भाषा-नीति के अनुरूप डीएमके ने इस कदम का विरोध किया है, वहीं कांग्रेस ने बिना परामर्श के अधिसूचना जारी होने की आलोचना की है. दक्षिण भारत, खासतौर से तमिलनाडु में कहा जा रहा है कि सीबीएसई का यह आदेश हिंदी थोपने का प्रयास है. कुछ समय पहले, सीबीएसई ने घोषणा की थी कि तीसरी भाषा की अनिवार्यता को 2029-30 शैक्षणिक वर्ष तक स्थगित कर दिया जाएगा. यह अचानक बदलाव क्यों? एनईपी 2020, जिसके तहत यह आदेश लागू किया जा रहा है, लचीलेपन का वादा करती है. वह गारंटी देती है कि किसी भी छात्र या राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी. दूसरी तरफ अभिभावक और शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले छात्रों पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंतित हैं. प्रशिक्षित भाषा शिक्षकों की कमी और उपयुक्त पाठ्य-पुस्तकों की अनुपलब्धता भी चुनौतियां हैं. इस आदेश के विरोधी यह भी कहते हैं कि इससे विदेशी भाषा की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों का अहित होगा. कुछ छात्र पहले से ही फ्रेंच, जर्मन या जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं. वहीं इस नीति के समर्थक कहते हैं कि स्कूली शिक्षा भारतीय भाषाओं से ऊपर विदेशी भाषाओं को रखना न तो तार्किक है और न ही लाभकारी. विदेशी भाषाओं को वैकल्पिक विषयों के रूप में पढ़ाया जा सकता है. भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना, विदेशी भाषाओं को हतोत्साहित करना नहीं है. याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में कहा कि यह मुद्दा संघवाद और भाषा के चयन से जुड़े संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है. भाषा व्यक्तिगत पसंद का विषय है और इसे थोपा नहीं जा सकता. इस पर पीठ ने कहा कि इस तर्क को उलट कर यह कहा जा सकता है कि अधिक भाषाएं सीखना संघवाद की भावना को लाभ पहुंचाने का काम करेगा. 15 मई को जारी परिपत्र के अनुसार, विदेशी भाषा का चयन करने वाले छात्र दो भारतीय मूल भाषाओं का अध्ययन करने के बाद केवल तीसरी भाषा के रूप में या एक अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में ही ऐसा कर सकेंगे. यह नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 का हिस्सा है. परिपत्र के अनुसार कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी. 'आर3 (तीसरी भाषा) के सभी मूल्यांकन पूरी तरह से विद्यालय-आधारित और आंतरिक होंगे. इसका विवरण सीबीएसई प्रमाणपत्र में परिलक्षित होगा. इस नीति के आलोचक मानते हैं कि हिंदी भाषी राज्यों ने तीन-भाषा नीति के प्रति उदासीन रुख अपनाया है, जिनमें से ज्यादातर ने क्षेत्रीय भाषा के बजाय संस्कृत को चुना है. उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में पहली भाषा अंग्रेजी, दूसरी हिंदी और तीसरी भाषा संस्कृत है. मध्य प्रदेश में अभी दो-भाषा नीति लागू है, जिसमें अंग्रेजी पहली भाषा और हिंदी दूसरी भाषा है. झारखंड में तीसरी भाषा मुख्य रूप से संस्कृत है, हालांकि कुछ स्कूलों में संथाली जैसी क्षेत्रीय भाषाएं भी पढ़ाई जाती हैं. इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में संस्कृत के साथ-साथ गोंडी जैसी क्षेत्रीय भाषा भी पढ़ाई जाती है. परेशानी उन अभिभावकों को होती है, जो एक शहर से दूसरे शहर में जाते हैं और उन्हें अपनी मन-पसंद की विदेशी भाषा पढ़ाने वाला स्कूल नहीं मिलता. मोटे तौर पर बहुसंख्यक गैर-हिंदी राज्यों में बच्चे अंग्रेजी और हिंदी के साथ तीसरी भाषा के रूप में अपनी मातृभाषा सीखते हैं. राज्यों के बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रमों में टकराव होता है. यह दिक्कत केवल हिंदी क्षेत्रों में ही नहीं है. दक्षिण में भी है, जहां बच्चों को तीसरी भाषा के रूप में तमिल, कन्नड़, मलयालम या तेलुगु पढ़नी पड़ती है. इससे उन्हें दिक्कत होती है, जो कक्षा पांच से जिस तीसरी भाषा को पढ़ रहे होते हैं, उसे छोड़ना पड़ता है. यों पांचवीं कक्षा तक भाषा का मूल्यांकन भी नहीं होता. कुछ लोगों को लगता है कि संस्कृत या उर्दू पढ़ने से उनके बच्चों का करिअर अच्छा नहीं होगा, विदेशी भाषा पढ़ने से होगा. भाषा संबंधी प्राथमिकताएं भी राज्यों के अनुसार भिन्न होती हैं. मध्य प्रदेश में अब तक केवल दो-भाषा प्रणाली ही लागू है, जिसका पालन राज्य बोर्ड और सीबीएसई दोनों स्कूलों द्वारा किया जाता है. अभिभावक इंतज़ार कर रहे हैं कि क्या इस साल कोई बदलाव होगा. देश के बाहर सीबीएसई स्कूलों के साथ भी ऐसा ही है. तीसरी भाषा के रूप में विदेशी भाषा का चयन किया जा सकता है, पर सभी स्कूलों में सभी भाषाएं उपलब्ध नहीं होतीं. कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि भाषाओं का बोझ गरीब तबके के बच्चों को पढ़ाई से विमुख करता है. उच्च-मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे को मिलने वाले विशेषाधिकार सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से बिलकुल अलग होते हैं. पोषण संबंधी अंतर ही चौंकाने वाला है. और यह असमानता केवल शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में भी स्पष्ट है. मिड डे मील के कारण बच्चों को स्कूल आने की प्रेरणा मिलती है, लेकिन विषयों का बोझ उन्हें हतोत्साहित करता है. उनके अभिभावक अपने बच्चों के लिए ट्यूशन भी नहीं लगा सकते. पर भाषा के सवाल अलग-अलग उम्र के बच्चों के लिए अलग होते हैं. पांच-छह साल के बच्चे और बारह-चौदह साल के बच्चे की सीखने की प्रवृत्ति अलग होती है. इसलिए यह शिक्षा-मनोविज्ञान से जुड़ा विषय भी है. सवाल है कि जो बच्चे पहले से फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश भाषा पढ़ रहे हैं, वे एक नई भारतीय भाषा को बिल्कुल नए सिरे से किस तरह से सीखेंगे? पर उन्हें विदेशी भाषा पढ़ने की हड़बड़ी क्यों है? वह तो पढ़ाई पूरी होने के बाद भी सीखी जा सकती है. उन्हें पढ़ाने वाले अध्यापकों को अपनी नौकरी जाने का डर है, वहीं बहुत से स्कूलों में इन भाषाओं को पढ़ने के इच्छुक छात्र हैं, पर अध्यापक नहीं हैं. ये समस्याएं शिक्षा की सामान्य समस्याओं से अलग नहीं हैं. अदालत के सामने इसके तमाम पक्ष खुलकर सामने आएंगे. ***(लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं)***

भारत-वेनेजुएला के बीच ऊर्जा साझेदारी पर जोर

आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों पर भी चर्चा

नई दिल्ली: वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता के दौरान दोनों देशों ने खनन क्षेत्र में संभावित सहयोग और संसाधनों के आकलन को लेकर भी चर्चा की. विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देशों में से एक है, जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के कारण तेल का बड़ा उपभोक्ता है. ऐसे में हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में बेहतरीन तालमेल देखते हैं.

टंडन ने बताया कि भारत की स्पॉट खरीद में वेनेजुएला इस महीने तीसरे सबसे बड़े तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है. इसी कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में ऊर्जा साझेदारी प्रमुख विषय रही. वेनेजुएला का ऊर्जा क्षेत्र व्यापक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और वह भारत को आने वाले वर्षों के लिए एक स्थिर मांग वाले साझेदार के रूप में देखता है. दोनों देशों के बीच अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों स्तरों पर सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं.

विदेश मंत्रालय के सचिव ने कहा कि वेनेजुएला केवल ऊर्जा संसाधनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोना, हीरे और अन्य खनिज संपदाओं से भी समृद्ध देश है. दोनों पक्षों के बीच खनन क्षेत्र में संभावित सहयोग और संसाधनों के आकलन को लेकर भी चर्चा हुई, जिस पर आगे कार्य किया जाएगा. उन्होंने बताया कि वेनेजुएला अब सतत आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ने के संकेत दे रहा है. ऐसे में ऊर्जा क्षेत्र के अलावा खनन, पशुपालन, परिवहन, कृषि उपकरण निर्माण, ऑटोमोबाइल और फार्मास्युटिकल क्षेत्रों में भी भारतीय कंपनियों के लिए व्यापक अवसर मौजूद हैं. दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में नए आर्थिक सहयोग और भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया.

टंडन के अनुसार कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिग्ज 3 जून से भारत यात्रा पर हैं. उनके साथ विदेश, संचार एवं सूचना, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा परिवहन मंत्रियों सहित एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है. उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ आधिकारिक वार्ता की, जो कार्यकारी भोज तक चली. इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उनसे मुलाकात की, जबकि पेट्रोलियम मंत्री भी उनसे मुलाकात करने वाले हैं.

ब्रिक्स के मुद्दे पर टंडन ने कहा कि बातचीत में इसका उल्लेख हुआ, लेकिन मुख्य रूप से भारत और प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिक्स अध्यक्षता की सराहना की गई. उन्होंने कहा कि दोनों प्रतिनिधिमंडलों के बीच बातचीत सकारात्मक, व्यावहारिक और सार्थक रही. वेनेजुएला ने कठिन और अच्छे दोनों समय में भारत के समर्थन की सराहना की तथा भविष्य में भारत को अपने पसंदीदा साझेदारों में से एक बताया. रोड्रिग्ज बुधवार को भारत और वेनेजुएला के बीच संबंधों को और गहरा करने के उद्देश्य से पांच दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचीं. उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने विगत चार जनवरी को वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट कर दिया था. इसके बाद से रोड्रिग्ज कार्यवाहक राष्ट्रपति बनी हैं. उनकी यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है. होर्मुज जलडमरूमध्य संकट की वजह से भारत वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहा है.

गाजा पट्टी में हवाई हमलों में नौ फलस्तीनियों की मौत

दीर अल बलाह: गाजा पट्टी में बुधवार को अलग-अलग जगहों पर रात भर किए गए हवाई हमलों में कम से कम नौ फलस्तीनियों की मौत हो गई. स्थानीय अस्पताल के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. शिफा अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि गाजा सिटी में चार अलग-अलग हवाई हमलों में मारे गए कम से कम नौ लोगों के शव अस्पताल लाए गए. इजराइली सेना ने फिलहाल इन हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है. पिछले हफ्ते इजराइल ने चरमपंथी समूह हमास के एक प्रमुख सैन्य पदाधिकारी को मार गिराया था. इससे दो हफ्ते पहले हमास का एक और शीर्ष सैन्य कमांडर इजराइली हमले में मारा गया था. इजराइल और हमास के बीच 2023 में शुरू हुए युद्ध को रोकने के लिए दोनों पक्षों में पिछले साल अक्टूबर में संघर्ष-विराम समझौता हुआ था. हालांकि, दोनों पक्ष समय-समय पर एक-दूसरे को निशाना बनाते रहे हैं. गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, संघर्ष-विराम लागू होने के बाद से इजराइल की ओर से किए गए हमलों में 936 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं. वहीं, गाजा में इस अवधि में चार इजराइली सैनिकों की मौत होने की खबरें हैं.

सेनाओं को सालाना खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की वित्तीय शक्तियां मिलीं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दी

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेनाओं की परिचालन दक्षता मजबूत करने के लिए फील्ड कमांडरों की वित्तीय सीमा दोगुनी करने को मंजूरी दे दी है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज 'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी किया. इसके तहत राजस्व से जुड़ी खरीद के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की सालाना कीमत वाली वित्तीय शक्तियां दी गई हैं. इस फैसले से फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार मिलेंगे, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा.

रक्षा मंत्रालय के अनुसार रक्षा विभाग में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए स्वदेशीकरण, अनुसंधान और विकास के लिए संशोधित वित्तीय शक्तियां दोगुनी कर दी गई हैं. सशस्त्र सेनाओं के लिए संयुक्त खरीद को तेज करने के लिए बढ़ी हुई शक्तियों के साथ नए प्रावधान पेश किए गए हैं. राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार की यह पहल फील्ड कमांडरों को और ज्यादा अधिकार देगी, जिससे फैसले लेने की प्रक्रिया तेज होगी और आखिरकार हमारी ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ावा मिलेगा.

'रक्षा सेवाओं को वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन' जारी करते हुए उन्होंने कहा कि इस नए दस्तावेज का मकसद रक्षा क्षेत्र में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ावा देना और विदेशी निर्भरता को कम करना है. उन्होंने कहा कि यह रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने में बहुत मददगार साबित होगा, जिसमें लघु उद्योग और स्टार्टअप्स समेत निजी कंपनियों की भी भागीदारी होगी. काम से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए दी गई वित्तीय शक्ति को दोगुना करने से काम तेजी के साथ समय पर पूरा हो सकेगा.

वित्तीय शक्तियों के दोगुना करने से मौजूदा साल के बजट आवंटन के अनुसार 1.25 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीद आसान हो जाएगी. वस्तुओं और सेवाओं की खरीद का विकेंद्रीकरण करने के लिए कई नए सक्षम वित्तीय अधिकारियों को पेश किया गया है.

मंत्रालय के अनुसार फील्ड कमांडरों की वित्तीय शक्तियों को आखिरी बार 2021 में अधिसूचित किया गया था. सशस्त्र बलों में ऑपरेशन्स पर बढ़े हुए खर्च को पूरा करने के कारण यह बदलाव जरूरी हो गया था. वित्तीय शक्तियों में यह बदलाव अक्टूबर 2025 में अधिसूचित किए गए संशोधित रक्षा खरीद मैनुअल के साथ तेजी से फैसले लेने के साथ रक्षा खरीद को बढ़ावा देगा.

न्यूज कॉर्नर

इबोला प्रभावित देशों से लौटे तीन लोगों को घर पर ही पृथकवास में रखा गया

दुर्ग : अफ्रीका के इबोला प्रभावित देशों से हाल में छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले लौटे तीन लोगों को एहतियात के तौर पर 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा गया है. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, तीनों यात्रियों में बीमारी का कोई लक्षण नहीं पाया गया है और न ही उनके इबोला संक्रमित व्यक्तियों के संपर्क में आने का कोई इतिहास है. दुर्ग के जिलाधिकारी अभिजीत सिंह ने बताया कि एक महिला 31 मई को कांगो से दुर्ग पहुंची थी, जबकि दो अन्य व्यक्ति दो जून को इथियोपिया और युगांडा से भिलाई लौटे थे. उन्होंने बताया कि इन तीन यात्रियों में दो भारतीय नागरिक हैं, जबकि एक युगांडा का नागरिक है. सिंह ने कहा, चूंकि इनमें से किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं हैं और न ही संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का कोई इतिहास है, इसलिए तीनों को 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा गया है. वे फिलहाल पूरी तरह स्वस्थ हैं. उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी दिन में दो बार फोन के माध्यम से उनसे संपर्क कर उनकी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं तथा सुबह और शाम उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ले रहे हैं. जिलाधिकारी ने बताया कि यात्रियों को सलाह दी गई है कि यदि इस अवधि के दौरान उन्हें कोई असुविधा या बीमारी का कोई लक्षण महसूस हो, तो वे तुरंत जांच दल, स्वास्थ्य विभाग, नियंत्रण कक्ष या मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को सूचित करें. दुर्ग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने बताया कि इबोला प्रभावित देशों, विशेषकर अफ्रीकी देशों से आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को 21 दिन के लिए घर पर ही पृथकवास में रखा जा रहा है और उन पर नियमित स्वास्थ्य निगरानी रखी जा रही है तथा चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है. उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की हवाई अड्डों पर चिकित्सकीय जांच की जा रही है तथा लक्षणों व संपर्क इतिहास के आधार पर उन्हें विभिन्न जोखिम श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है. दानी ने बताया कि श्रेणी-एक में ऐसे यात्री शामिल हैं, जिनमें कोई लक्षण नहीं हैं और न ही संक्रमित व्यक्ति के संपर्क का कोई इतिहास है. श्रेणी-दो में ऐसे लोग रखे जाते हैं, जिनमें लक्षण नहीं हैं, लेकिन किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का इतिहास है.

पंजाब के पांच प्रमुख मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद चौकसी बढ़ाई

जालंधर: पंजाब के पांच प्रमुख मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल गुरुवार को मिलने के बाद सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है. ईमेल में कुछ सरकारी प्रतिष्ठानों में भी विस्फोट की धमकी दी गई है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की बरसी से दो दिन पहले आए इस धमकी भरे ईमेल में जून 1984 में स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए चलाए गए विवादास्पद सैन्य अभियान के बारे में टिप्पणियां की गई हैं. पुलिस के मुताबिक, जालंधर में पुलिस टीम ने देवी तालाब मंदिर में तलाशी अभियान चलाया, हालांकि वहां कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली. पुलिस ने बताया कि यह धमकी दहशत फैलाने के इरादे से दी गई प्रतीत होती है, लेकिन कोई जोखिम नहीं लिया जा सकता और सुरक्षा बढ़ा दी गई है. पुलिस ने बताया कि साइबर टीम ईमेल के स्रोत का पता लगा रही है. यह ताजा घटना पिछले कुछ हफ्तों में पंजाब और हरियाणा के कई स्थानों पर इसी तरह की धमकियों के बाद सामने आई है, जो बाद में फर्जी साबित हुईं.

विदेशी आतंकी सरगना के दो साथियों को पंजाब के मोहाली से पकड़ा गया

चंडीगढ़ : विदेश से गतिविधियां चलाने वाले एक आतंकी सरगना के दो गुर्गों को मोहाली में गिरफ्तार किया गया है जिससे क्षेत्र में महत्वपूर्ण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की साजिश विफल हो गई. पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को कहा कि सीमा पार आतंकी तंत्र के खिलाफ एक बड़ी सफलता प्राप्त करते हुऐ राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ ने एस.ए.एस. नगर मोहाली से एक विदेशी आतंकी सरगना के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है. उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि इस अभियान के तहत एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईइडी) बरामद किया गया, जिससे एस.ए.एस. नगर (मोहाली) में महत्वपूर्ण सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की साजिश को नाकाम कर दिया गया. डीजीपी ने कहा कि इस कार्रवाई ने सार्वजनिक सुरक्षा और सलामती के लिए संभावित रूप से विनाशकारी खतरे को टाल दिया है. उन्होंने कहा कि सरगना, सहयोगी और इस साजिश में शामिल सभी कड़ियों का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है.

मुकदमों के तय समयसीमा में निपटारे के लिए दिशानिर्देश बनाने संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुकदमों के तय समयसीमा में निपटारे के लिए दिशानिर्देश बनाने संबंधी अनुरोध करने वाली एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने एक अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया. याचिका में देशभर की सभी अदालतों में सुनवाई टालने (स्थगन) की प्रक्रिया को विनियमित करने के लिए एक समान, सुव्यवस्थित और बाध्यकारी दिशानिर्देश बनाने का अनुरोध किया गया था. याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि देश की सभी अदालतों पर लागू होने वाली एक समान राष्ट्रीय मामला प्रबंधन नीति तैयार कर उसे लागू किया जाए, यानी सभी अदालतों में मामलों के निपटारे की एक जैसी प्रणाली हो.

हेलीकॉप्टर के सामने गर्लफ्रेंड को प्रपोज करने पर कैप्टन से सेना ने मांगी सफाई

पासिंग आउट परेड के बाद इस कृत्य को सेना ने सैन्य प्रोटोकॉल व नियमों का उल्लंघन माना

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के नासिक में पासिंग आउट परेड के बाद सेना की वर्दी में हेलीकॉप्टर के सामने अपनी गर्लफ्रेंड के समक्ष शादी का प्रस्ताव रखने वाले कैप्टन भारत भारद्वाज पर सेना ने नाराजगी जताई है. सैन्य हेलीकॉप्टर के ठीक सामने घुटनों के बल बैठकर आरुषि को सगाई की अंगूठी पहनाने को सेना ने सैन्य प्रोटोकॉल एवं नियमों का उल्लंघन माना है. सख्त रुख अपनाते हुए सेना ने इस युवा अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है.

नासिक के कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल से कैप्टन भारत भारद्वाज ने अपनी फ्लाइट ट्रेनिंग पूरी की और आधिकारिक तौर पर आर्मी एविएशन पायलट के रूप में ग्रेजुएट हुए. पासिंग आउट परेड के दौरान 02 जून को सेना की वर्दी पहने इस युवा अधिकारी ने वहां खड़े एक सैन्य हेलीकॉप्टर के ठीक सामने घुटनों के बल बैठकर आरुषि को सगाई की अंगूठी पहनाई. इस बेहद भावुक पल का यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, तो लोगों ने सैन्य उपलब्धि और व्यक्तिगत जीवन के इस खूबसूरत मिलाप की जमकर तारीफ की. वीडियो में आरुषि इस प्रपोजल को स्वीकार करती नजर आ रही हैं और आसपास मौजूद लोग तालियां बजाकर दोनों का उत्साह बढ़ा रहे हैं.

रक्षा सूत्रों के अनुसार सेना ने सैन्य वर्दी और सैन्य हेलीकॉप्टर के इस इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है, क्योंकि इस तरह सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत प्रदर्शन करना उचित नहीं है. भारतीय सेना ने इस वायरल वीडियो को बेहद गंभीरता से लेते हुए नए-नवेले कैप्टन से जवाब देने को कहा है. वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि इस आचरण से सैन्य परिसर के उपयोग और सैन्य संपत्तियों के प्रदर्शन से जुड़े सेना के कुछ तय नियमों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ है. अधिकारियों को युवा अधिकारी की व्यक्तिगत खुशी से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन खुशी का इजहार करने के लिए जिस जगह का चुनाव किया गया, उस पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं.

कैप्टन भारत भारद्वाज ने बाद में अपनी मंगेतर के साथ एक सैन्य हेलीकॉप्टर पर बैठकर फोटो भी खिंचवाई, जिसको लेकर सेना विशेष रूप से इस बात को लेकर बेहद सतर्क है कि आधिकारिक समारोहों या सैन्य उपकरणों का उपयोग ऐसे कंटेंट के लिए न किया जाए, जो बाद में सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो. वर्दी बहुत सम्मान का प्रतीक होती है और इसकी गरिमा बनाए रखना हर अधिकारी व जवान का कर्तव्य है.

पहाड़ी ज़िलों में गांवों की संख्या में असमान वृद्धि चौंकाने वाली है: पूर्व मुख्यमंत्री बीरेन सिंह

इंफाल: मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा है कि उखरुल और सेनापति जिलों की तुलना में कांगपोकपी और चुराचांदपुर जिलों में गांवों की संख्या में हुई बढ़ोतरी में जो असमानता है, उसे नजरअंदाज करना बहुत मुश्किल है. उन्होंने कहा कि कांगपोकपी और चुराचांदपुर कुकी-जो बहुल जिले हैं, जबकि उखरुल और सेनापति नगा बहुल जिले हैं. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वर्ष 1972 में राज्य का दर्जा मिलने के समय कांगपोकपी में 193 गांव थे, जबकि उखरुल में 93 गांव थे. वर्ष 2023 तक कांगपोकपी में गांवों की संख्या बढ़कर 713 हो गई. इसके विपरीत, इन्हीं 51 वर्षों की अवधि के दौरान उखरुल में गांवों की संख्या 93 से बढ़कर केवल 112 हुई. सिंह ने चुराचांदपुर ज़िले को लेकर कहा कि 1972 में यहां 339 गांव थे, जिनकी संख्या 2023 में बढ़कर 535 हो गई है, जबकि इसी दौरान सेनापति में गांवों की संख्या 129 से बढ़कर केवल 166 हुई है.

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, यह असमानता इतनी ज़्यादा है कि इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता. सिंह मणिपुर के पहाड़ी ज़िलों में म्यांमा से आने वाले अवैध प्रवासियों की आमद के बारे में बहुत मुखर रहे हैं. उन्होंने कहा कि गांवों की संख्या में बढ़ोतरी का मकसद 'किसी समुदाय को निशाना बनाना या उन पर दोष मढ़ना नहीं है.' उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मकसद जनसांख्यिकीय बदलावों और मणिपुर तथा देश के दीर्घकालिक हितों पर उनके प्रभावों को समझना है.

सीबीएसई का तीन भाषाओं का फॉर्मूला मोदी सरकार का राजनीतिक एजेंडा : कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा नौ और 10 में तीन भाषाओं के फार्मूले को लेकर बृहस्पतिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह सिर्फ राजनीतिक एजेंडा है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश रमेश ने यह मांग दोहराई कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए. रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'ओएसएम प्रणाली के अक्षम तरीके से जल्दबाजी में कार्यान्वयन और इसकी निविदा प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के अलावा, सीबीएसई 9वीं और 10वीं कक्षा में तीन-भाषा फार्मूले के मनमाने ढंग से कार्यान्वयन के लिए भी खबरों में रहा है.' उन्होंने कहा, 'दिसंबर 2025 में सीबीएसई की संचालन इकाई की अर्ध-वार्षिक बैठक हुई. उसने विशेष रूप से और स्पष्ट रूप से अपनी पाठ्यचर्या समिति की सिफारिश की पुष्टि की कि सीबीएसई को एनसीईआरटी द्वारा भाषाओं की वर्गीकृत पाठ्यपुस्तकों के जारी होने तक 'विशेष रूप से भाषा के संबंध में' अध्ययन की अपनी मौजूदा योजना जारी रखनी चाहिए.' उनका कहना है कि सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव, जो अब स्थानांतरित हो चुके हैं, ने इस निर्णय पर अपने हस्ताक्षर संलग्न किए.

रमेश ने कहा, मई 2026 में, सीबीएसई ने एक परिपत्र जारी कर स्कूलों से एक जुलाई, 2026 से 9वीं और 10वीं के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा जोड़ने के लिए कहा. इसने स्कूलों से अपने 9वीं कक्षा के छात्रों को तीसरी भाषा सिखाने के लिए एनसीईआरटी की छठी कक्षा की पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करने के लिए कहा. उनके मुताबिक, सीबीएसई ने अपने स्वयं के शासी निकाय द्वारा अनुमोदित होने के बाद भी अपनी पाठ्यचर्या समिति की सिफारिश को प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया. रमेश ने सवाल किया कि सीबीएसई ने यह यू-टर्न क्यों और किसके आदेश पर लिया? उन्होंने कहा , इस कदम का कोई शैक्षणिक औचित्य नहीं है, जो शैक्षणिक कैलेंडर और स्कूल की योजना को अव्यवस्था में डाल रहा है और लाखों छात्रों के शैक्षणिक भविष्य को बाधित कर रहा है. उन्होंने दावा किया, यहां एकमात्र एजेंडा स्पष्ट रूप से राजनीतिक है.

अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खोलने से देश का किसान होगा बर्बाद: राहुल गांधी

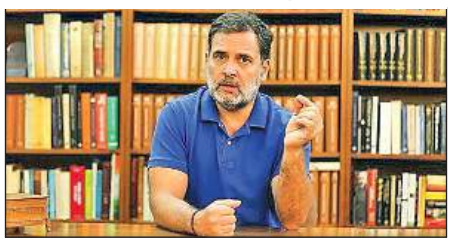

देहरादून: लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अल्मोड़ा और पौड़ी की जनसभाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा सरकार की नीतियों पर करारा प्रहार किया. वर्चुअल संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि देश में आर्थिक तूफान आने वाला है. यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो सत्ता में आते ही सबसे पहले अग्निवीर योजना को समाप्त कर देंगे. अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खोलने से देश केकिसान बर्बाद हो जाएंगे.

गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अल्मोड़ा के सिमकनी स्थित एसएसजे विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर परिवर्तन का शंखनाद और पौड़ी में कंडोलिया मैदान पर आयोजित जनसभाओं को संबोधित करना था. पंतनगर से राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर ने अल्मोड़ा की ओर उड़ान तो भरी, लेकिन मौसम खराब होने के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा. इसके बाद पंतनगर एयर पोर्ट से फोन के माध्यम राहुल गांधी ने सभा को संबोधित किया. इस बीच पौड़ी कंडोलिया मैदान पर आयोजित पूर्व सैनिक सम्मेलन को भी राहुल गांधी ने वर्चुअली ही संबोधित किया. उन्होंने अपने वर्चुअली संबोधन में अल्मोड़ा व पौड़ी की जनसभा में शामिल न होने पर माफी मांगी और विश्वास दिया कि जल्द वे उत्तराखंड का दौरा करेंगे.

कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिन पहले अमेरिका के साथ डील साइन की. इसमें मोदी ने चार चीजें अमेरिका को सौंपी दीं. इससे एनर्जी सुरक्षा खत्म कर दी. अमेरिका के कहने पर ही हम ईंधन खरीद सकते हैं. प्रधानमंत्री ने फूड सुरक्षा को कमजोर किया. अमेरिका के किसानों के लिए भारत का बाजार खुलेगा. अब अमेरिका का किसान अपने उत्पाद भारत में बेच पाएगा. इससे हिन्दुस्तान का किसान बर्बाद हो जाएगा. तीसरी चीज हिन्दुस्तान का मेडिकल, व्यवसायिक का डाटा भी मोदी ने अमेरिका का दे दिया. इससे देश पर बड़ा संकट आएगा ही. इसके अलावा मोदी ने लघु उद्योगों को भी समाप्त कर दिया. यह एक सुरक्षा थी, लेकिन मोदी ने यह भी खत्म कर दिया. उन्होंने कहा कि देश में आर्थिक तूफानआने वाला है.

मालवीय नगर अग्निकांड : अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ 'सीलिंग' अभियान शुरू करेगी एमसीडी

नई दिल्ली: दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) दक्षिण दिल्ली में अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ जल्द कार्रवाई शुरू करेगा. इसके तहत भवन उपविधियों और लाइसेंस संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतों को सील करने का अभियान चलाया जाएगा. अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. यह कदम मालवीय नगर स्थित एक 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' (बी एंड बी) होटल में भीषण आग लगने की घटना के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें कई लोगों की मौत हुई. इस हादसे ने क्षमता से अधिक संचालन तथा भवन के स्वीकृत नक्शे के बिना बड़े पैमाने पर नियमों के उल्लंघनों को उजागर कर दिया है. एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस इमारत में यह घटना हुई, उसके खिलाफ पहले कभी किसी उल्लंघन का मामला दर्ज नहीं किया गया था. उन्होंने नाम न उजगार करने की शर्त पर कहा, इस इमारत पर कभी किसी उल्लंघन के लिए मामला दर्ज नही किया गया. इसका भवन नक्शा भी कभी स्वीकृत नहीं हुआ था.

अधिकारियों ने इसी इमारत के भूतल पर संचालित एक रेस्तरां में भी अनियमितताओं की ओर इशारा किया. एक अन्य अधिकारी ने कहा, बी एंड बी योजना के तहत व्यावसायिक रसोईघर या पूर्ण रूप से संचालित रेस्तरां की अनुमति नहीं होती. केवल सीमित आतिथ्य सेवाओं की अनुमति दी जाती है. वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, 'स्नैक्स एंड बाइट्स' नाम से संचालित इस प्रतिष्ठान को पहले केवल चाय और हल्के-फुल्के नाश्ते की दुकान चलाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन उसका लाइसेंस अप्रैल में समाप्त हो गया था. उन्होंने कहा, जिसे स्नैक्स आउटलेट के रूप में दिखाया गया था, वह वास्तव में एक पूर्ण रेस्तरां की तरह संचालित हो रहा था.

अधिकारियों के मुताबिक, यह इमारत लाल डोरा क्षेत्र में स्थित है, जहां स्वीकृत लेआउट योजनाओं के अभाव में भवन निर्माण नियमों का पालन करवाना ऐतिहासिक रूप से कमजोर रहा है. उन्होंने बताया कि इमारत का पुनर्निर्माण 2012-13 के आसपास किया गया था और यह मुख्य रूप से आवासीय क्षेत्र में स्थित होने के बावजूद व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल की जा रही थी. अधिकारियों ने कहा कि ऐसे परिसरों में बी एंड बी संचालन की अनुमति भी सीमित होती है. इस मामले में छह कमरों के संचालन की अनुमति दी गई थी, लेकिन वास्तविकता में इसका उपयोग कहीं बड़े पैमाने पर किया जा रहा था.

अब एमसीडी ने दक्षिणी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण शुरू कर दिया है. अधिकारियों ने संकेत दिया कि आने वाले दिनों में अवैध व्यावसायिक संपत्तियों की पहचान कर चरणबद्ध तरीके से उन्हें सील किया जाएगा. एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गुरुवार से दक्षिणी क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ सीलिंग अभियान शुरू किया जाएगा. अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण दिल्ली के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की कार्रवाई की योजना बनाई जा रही है. हालिया निरीक्षणों में कई अवैध निर्माण और अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियां सामने आई हैं.

यह निरीक्षण इस सप्ताह साकेत में एक इमारत ढहने की घटना के बाद तेज किए गए थे. इस हादसे के बाद नियम उल्लंघनों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया गया. मालवीय नगर अग्निकांड से कुछ दिन पहले साकेत मेट्रो स्टेशन के पास एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत ढह गई थी, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी.

सौतेली बेटी की हत्या कर शव दफनाया, आरोपी पिता समेत दो गिरफ्तार

शाहजहांपुर : शाहजहांपुर जिले में चार साल की सौतेली बेटी की कथित रूप से पीट-पीट कर हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी पिता समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक एक माह पूर्व दफनाया गया बच्ची का शव बृहस्पतिवार को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. पुलिस अधीक्षक (एसपी) सौरभ दीक्षित ने बताया कि रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने उनसे मिलकर शिकायत की थी कि 10 साल पहले अपने पूर्व पति से तलाक के बाद उसने चार माह पहले अखिलेश नामक व्यक्ति से शादी की थी. उन्होंने बताया कि उसके बाद से उसका पति अखिलेश पहले पति से हुई उसकी चार साल की बेटी प्रिया को बहुत मारता-पीटता था. दीक्षित ने बताया कि महिला का यह भी आरोप है कि अखिलेश उस पर दूसरे मर्दों से संबंध बनाने का दबाव भी डालता था. महिला ने शिकायत में कहा है कि उसके पति अखिलेश ने गत चार मई को उसकी बेटी प्रिया को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई और इलाज करने के बहाने वह बच्ची को कार में डालकर कांट थाना क्षेत्र में ले गया जहां अपने खेत में उसके शव को दफन कर दिया. दीक्षित ने बताया कि महिला का कहना था कि गत 30 मई को वह शिकायत लेकर थाने गई थी लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर वह उनके पास आई थी.

खुद फंसते दिख रहे खान सर

फायरिंग वीडियो सामने आते ही हिरासत में दो बॉडीगार्ड

पटना : राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक खान सर के कोचिंग सेंटर पर हुए हमले के मामले में गुरुवार को नया मोड़ आ गया. ज्ञान बिंदु कोचिंग की ओर से एक वीडियो जारी कर दावा किया गया है कि घटना की रात हुई कथित फायरिंग खान सर के गार्ड की ओर से की गई थी. वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है और खान सर के कोचिंग सेंटर से जुड़े दो गार्डों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में ज्ञान बिंदु टीम के सदस्य आदर्श कुमार ने वीडियो जारी करते हुए पूरी घटना को एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा बताया. खान सर ने खुद फायरिंग करवाकर मामले को अलग दिशा देने की कोशिश की. ज्ञान बिन्दु कोचिंग सेंटर की तरफ से सवाल खड़े किए गए कि जब रौशन आनंद वीडियो में नहीं हैं तो किस आधार पर उनकी गिरफ्तारी हुई. साथ ही उन्होंने खान सर की भी गिरफ्तारी की मांग की.

वीडियो सामने आने के बाद खान सर अब खुद उल्टा फंसते दिख रहे हैं. ऐसे में पुलिस ने अपनी जांच का घेरा बढ़ा दिया है. एक ओर ज्ञान बिन्दु कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तो वहीं अब, फायरिंग का वीडियो सामने आने के बाद खान सर के दो बॉडीगार्ड को पुलिस ने हिरासत में लिया है.

ज्ञान बिन्दु कोचिंग सेंटर की ओर से जारी किए गए 38 सेकंड के वीडियो में 2 सख्श फायर करते हुए दिख रहे हैं. एक व्यक्ति हथियार लोड कर फायरिंग करते हुए देखा जा सकता है. दावा किया जा रहा है कि फायरिंग करने वाले खान सर का बॉडीगार्ड हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है.

दरअसल, 2 मई की रात करीब 10 बजे कदमकुआं थाना क्षेत्र स्थित खान सर के कोचिंग सेंटर पर हमला हुआ था. आरोप है कि कुछ लोगों ने कोचिंग परिसर में घुसकर सुरक्षा गार्ड के साथ मारपीट की, पोस्टर-बैनर फाड़ दिए और पत्थरबाजी की. घटना के बाद मौके पर पहुंचे खान सर ने दावा किया था कि हमलावरों की ओर से 8 से 10 राउंड फायरिंग भी की गई. हालांकि बाद में खान सर अपने बयान से पलट गए और कहा कि घटनास्थल पर अफरा-तफरी और तनाव का माहौल था, जिसके कारण उन्हें स्थिति स्पष्ट रूप से समझ नहीं आई.

खान सर की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में भी गोलीबारी का कोई उल्लेख नहीं किया गया था. वहीं पटना पुलिस ने भी शुरुआती जांच में फायरिंग की पुष्टि नहीं की थी. इसके बावजूद हमले और तोड़फोड़ के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई की और ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद समेत उनके सहयोगी अभिषेक और गौरव को गिरफ्तार कर लिया. बुधवार को तीनों आरोपियों को पटना सिविल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में बेऊर जेल भेज दिया गया. इससे पहले उनका एलएनजेपी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया था.

गिरफ्तारी के बाद रौशन आनंद ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा था कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि पुलिस स्वयं स्पष्ट कर चुकी है कि गोली चलने की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी उनके खिलाफ कार्रवाई की गई. रौशन आनंद ने दावा किया कि उनकी संस्था की बढ़ती लोकप्रियता और बेहतर परिणामों के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि वह गंभीर रूप से बीमार हैं और किडनी के मरीज हैं. पिछले वर्ष उनका ऑपरेशन भी हुआ था. रौशन आनंद ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और सच्चाई अंततः सामने आएगी. उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी संस्था को बदनाम करने और नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से यह पूरा मामला खड़ा किया गया है.

इधर, नए वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच के विभिन्न पहलुओं को फिर से खंगालना शुरू कर दिया है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता और उसमें दिखाई दे रहे घटनाक्रम की तकनीकी जांच कराई जाएगी.

नहीं चलेगी कोचिंग संस्थानों की मनमानी: शिक्षा मंत्री

पटना: पटना के चर्चित खान सर की कोचिंग सेंटर पर हमले के बाद बिहार सरकार गंभीर हो गई है. शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने नए गाइडलाइन लाने का ऐलान कर दिया है. गुरुवार को मिथिलेश तिवारी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, बिहार राज्य कोचिंग नियमावली बनायेंगे और किस तरह से कोचिंग का संचालन किया जाएगा, इसे लेकर नियम लाए जायेंगे. साथ ही उन्होंने यह भी कहा, एक बात स्पष्ट है कि स्कूल की टाइमिंग के समय कोचिंग का संचालन नहीं किया जाएगा. जो घटना हुई है, वह आपस में प्रतिस्पर्धा की बात है. जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है, वो बचेगा नहीं. साथ ही आगे भविष्य में ऐसी घटना ना हो, इसका पूरा इंतजाम सरकार की ओर से किया जाएगा.शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने बातचीत के दौरान यह भी कहा, कोचिंग संस्थानों की मनमानी नहीं चलेगी. सरकार जो दिशा-निर्देश जारी करेगी, उसी पर काम करना होगा. साथ ही दो टॉल फ्री नंबर जारी किए गए हैं. इसे राज्य के तमाम स्कूलों में लिखे जा रहे हैं ताकि लोगों को नंबर याद रहे. उस नंबर से जितने भी कंपलेन आ रहे हैं, उसकी सचिवालय स्तर से मॉनिटरिंग की जा रही है.

पर्यटन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण और रोजगार सृजन से जोड़कर आगे बढ़ाएं : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखकर उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया जाना चाहिए. राज्य सरकार की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नयी गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने कहा कि पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे. आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी होनी चाहिए जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार के अवसर बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे. उन्होंने पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा करते हुए उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव-आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाने पर जोर दिया.

मुख्यमंत्री ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े 'ज्ञान भारतम् मिशन' की समीक्षा करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं. उन्होंने कहा कि इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम है. बयान के अनुसार, बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए पर्यटन क्षेत्रों के विकास पर भी चर्चा की गई. मुख्यमंत्री ने आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय, लखनऊ में नव-लोकार्पित 'नौसेना शौर्य वाटिका' और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय, नैमिषारण्य के समग्र विकास, मिर्जापुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार किए जा रहे एकीकृत मास्टर प्लान तथा चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की भी समीक्षा की.

सूर्या हत्याकांड : पुलिस सत्यापन से घबराए 524 संदिग्धों ने रातों-रात खोड़ा कॉलोनी से किया पलायन

- **सूर्या हत्याकांड में शामिल 5 वें और 25 हजार रुपए के इनामी शारिक गिरफ्तार**

गाजियाबादः उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में स्थित खोड़ा कॉलोनी में सूर्या हत्याकांड के बाद तीन दिन तक चले अपराधियों का सत्यापन अभियान आज पूरा हो गया. तीन दिन में 1200 अपराधियों के घर तक पुलिस पहुंची है. हालांकि पुलिस ने 1600 से ज्यादा अपराधी चिंहित किए हैं. इनमें 620 अपराधी घरों से गायब मिले. अभियान के दौरान 524 संदिग्ध परिवार पलायन कर गए और कई के परिजन ने दरवाजे तक नहीं खोले. इस दौरान एक हिस्ट्रीशीटर को भी हिरासत में लिया गया.

कमिश्नरेट पुलिस ने सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद खोड़ा कालोनी में सर्च अभियान चलाया तो करीब आठ लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र में करीब 1600 अपराधियों को चिंहित किया गया. 75 हिस्ट्रीशीटर और 37 गैंगस्टर परिवार सहित रातोंरात घर छोड़कर भाग गए. इनमें केवल 42 का सत्यापन हो सका, बाकी के घरों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं.

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड : वांछित गैंगस्टर ने बलिया की अदालत में किया आत्मसमर्पण

बलियाः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा आरोपियों की तलाश के लिए चलाये गये अभियान के बीच एक वांछित गैंगस्टर ने बृहस्पतिवार को एक स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया. पुलिस ने बताया कि ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोनू ने बलिया की एक अदालत के सामने एक पुराने मामले में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजते हुए मऊ जिला कारागार में स्थानांतरित कर दिया गया. बांसडीह रोड थानाध्यक्ष वंश बहादुर सिंह ने बताया कि सिंह पर 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में भी वांछित था. उन्होंने बताया कि साल 2023 में बांसडीह रोड थाने में सिंह के खिलाफ गैंगस्टर अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया था. सिंह के वकील कैश सिंह ने बताया कि गैंगस्टर अदालत के न्यायाधीश हरीश कुमार ने ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया. उन्होंने बताया कि अदालत ने 25 मई को सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया था क्योंकि वह इस मामले में अदालत के सामने पेश नहीं हुआ था. अधिवक्ता ने यह भी दावा किया कि सीबीआई के अधिकारी सिंह पर आत्मसमर्पण करने के लिए लगातार दबाव बना रहे थे और जांच के सिलसिले में हाल ही में उन्होंने सिंह के घर से सीसीटीवी फुटेज भी जब्त की थी. इस बीच, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह की पत्नी महिमा सिंह ने कहा कि उसका पति निर्दोष है.

सड़कों एवं पुलों के निर्माण की गुणवत्ता और रख-रखाव में किसी प्रकार की कोताही नहीं की जाएगी बर्दाश्त : सम्राट चौधरी

पटनाः मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में पथ निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की. बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़कों एवं पुलों के निर्माण की गुणवत्ता तथा उनके रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो यह सुनिश्चित करें. जनता को सुरक्षित, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण सड़क संपर्क उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. उन्होंने कहा कि सड़कों एवं पुलों के निर्माण तथा अनुरक्षण कार्यों के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता तथा प्रबंधन बेहतर ढंग से करें ताकि परियोजनायें ससमय एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो सकें. राज्य के सभी पुलों का विशेषज्ञों से नियमित निरीक्षण तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा ऑडिट सुनिश्चित करायें. मुख्यमंत्री ने मुंगेर (सफियाबाद) बरियारपुर-घोरघट-सुल्तानगंज-भागलपुर-सबौर फोरलेन गंगा पथ परियोजना की प्रगति की समीक्षा के क्रम में में कहा कि हाइब्रिड एन्यूटी मोड के तहत इस परियोजना पर काम करें. इस महत्वपूर्ण परियोजना के कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से आगे बढ़ायें ताकि पूर्वी बिहार की कनेक्टिविटी को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं पर्यटन विकास को गति मिले.

स्मार्ट सिटी में 3.40 करोड़ के ई-टॉयलेट घोटाला, ठेकेदार रिशुश्री पर शिकंजा

भागलपुरः मनी लांड्रिंग और टेंडर घोटाले में फंसे रिशु श्री की जांच की आंच भागलपुर तक पहुंच गई है. रिशु श्री की रिलायबल कंपनी ने भागलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड से लाखों-करोड़ों की डील की है. स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में 3.40 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत वाली 25 यूनिट ई-टायलेट निर्माण का ठेका रिशु श्री की कंपनी रिलायबल इंटरप्राइजेज-रिलायबल इंफ्रा सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया.

इसमें महज एक टायलेट की लागत 13 लाख रुपये से अधिक बताई गई. हालांकि, स्मार्ट सिटी का सबसे असफल कार्य ई-टायलेट ही रहा. चालू होने के कुछ दिनों में सभी ई-टायलेट कबाड़-ध्वस्त हो गए. जिस समय यह कार्य हुआ उस दौर में उसके नजदीकी डॉ. योगेश सागर नगर निगम के नगर आयुक्त थे. जिनकी भूमिका की जांच कराने पर बड़ा मामला सामने आ सकता है.

करीब साढ़े तीन करोड़ में सिर्फ 50

लाख रुपये का भुगतान लंबित है. जिसे स्मार्ट सिटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के आदेश से जब्त कर लिया गया है. उक्त बकाया राशि जब्त करते हुए रिशु श्री की कंपनी का एकरारनामा भी रद्द किया गया है. इस बीच स्मार्ट सिटी द्वारा कई बार पत्राचार भी किया गया. जिसके बाद भी कबाड़ बने ई-टायलेट का रखरखाव नहीं किया गया. राशि जब्त करने के बाद इस वर्ष नौ फरवरी को इशाकचक थाने में रिलायबल इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर रिशु श्री पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई.

भागलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अत्याधुनिक ई-टॉयलेट स्थापित करने की योजना बनाई थी. लाजपत पार्क, तिलकामांझी, कचहरी चौक, घंटाघर, कोतवाली चौक, आदमपुर चौक, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड सहित 12 स्थानों पर कुल 25 ई-टॉयलेट लगाए गए थे.

परियोजना के तहत ऑटोमैटिक दरवाजे, सेंसर आधारित फ्लशिंग सिस्टम, ऑटो क्लीनिंग तकनीक, स्मार्ट वाटर मीटर और आधुनिक इलेक्ट्रिकल सिस्टम जैसी सुविधाओं का दावा किया गया था. उद्देश्य था कि शहरवासियों और बाहर से आने वाले यात्रियों को स्वच्छ और आधुनिक शौचालय सुविधा उपलब्ध कराई जाए. लेकिन कुछ ही वर्षों में यह महत्वाकांक्षी योजना दम तोड़ती नजर आ रही है.

बदायूं में फांसी पर लटकता पाया गया दारोगा का शव

बदायूं (उप्र): बदायूं जिले में अदालत की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात एक दारोगा का शव उसके किराये के मकान में फांसी पर लटकता पाया गया. पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस उपनिरीक्षक मेघ श्याम गौतम (55) का शव सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के मधुबन कॉलोनी में उनके कमरे के दरवाजे के ऊपर लगी खिड़की की ग्रिल से लटकता पाया गया. मथुरा जिले के गोविंद नगर थाना क्षेत्र के सकना गांव के रहने गौतम अदालत की सुरक्षा में तैनात थे और किराये के कमरे में अकेले रहते थे. सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े 10 बजे तक उनके कमरे का दरवाजा नहीं खुला, तो मकान मालिक की बेटी ने उन्हें फोन पर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद मकान मालिक और पड़ोसियों ने खिड़की से अंदर झांका तो उनका शव फांसी पर लटकता पाया गया. सूत्रों के अनुसार, सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा.

संभल में दंगा पीड़ित परिवार को 48 साल बाद मिला जमीन का पहला पट्टा

संभल : संभल जिले में साल 1978 में हुए दंगों के एक पीड़ित परिवार को बृहस्पतिवार को जिला प्रशासन से जमीन के पट्टे का पहला प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ. यह उन परिवारों को फिर से बसाने की कोशिशों का हिस्सा है, जो वर्ष 1978 में हुए दंगे के बाद जिला छोड़कर चले गये थे. अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के सहकारिता मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने राम शरण दास रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन के पट्टे का प्रमाण पत्र सौंपा. उन्होंने बताया कि रस्तोगी दंगों के बाद भयवश साल 1979 में संभल छोड़कर चले गए थे.

अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन संभल के आलम सराय देहात गांव में एक समारोह के दौरान किया गया, जिसमें प्रार्थनाएँ और वैदिक अनुष्ठान भी किये गये. उन्होंने बताया कि इस अवसर पर मुरादाबाद के मंडल आयुक्त आंजनेय कुमार, जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई

भी मौजूद थे. स्थानीय लोगों के मुताबिक, संभल में 29 मार्च 1978 को शुरू हुए सांप्रदायिक दंगे में अनेक लोग मारे गए थे और रामशरण दास रस्तोगी भी उन्हीं में शामिल थे. दंगाइयों ने उनकी किराने की दुकान लूटने के बाद उसमें आग लगा दी थी और रस्तोगी की चाकू से ताबड़तोड़ प्रहार करके हत्या करने के बाद उनके शव को कुएं में फेंक दिया था. पट्टा आवंटन प्रमाण पत्र वितरित करने के बाद मंत्री राठौर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस कदम का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को अपनी जिंदगी फिर से शुरू करने में मदद करना है. उन्होंने कहा, यह दुखद है कि 1978 के दंगों के दौरान 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, उनके घर जला दिए गए और लोगों पर जुल्म किये गये. कई परिवारों को मजबूरन पलायन करना पड़ा. सरकार ने ऐसे परिवारों को 100 वर्ग मीटर की जमीन देने का फैसला किया है, ताकि वे वापस आकर अपना घर फिर से बना सकें. इस समय दिल्ली में रह रहे रस्तोगी के पौत्र कपिल रस्तोगी ने बताया कि 29 मार्च 1978 को उनके दादा नखासा इलाके में अपनी दुकान पर बैठे थे, तभी वहां भीड़ आ गई. जब मेरे दादा ने दुकान लूटे जाने का विरोध किया, तो भीड़ ने उन पर हमला कर दिया. उन पर बार-बार चाकुओं से वार किए गए और बाद में उनका शव एक कुएं में पाया गया. धमकियों की वजह से उनका परिवार 1979 में संभल छोड़कर चला गया था और दशकों से बाहर ही रह रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य विधानसभा में 1978 के दंगों का मुद्दा उठाए जाने के बाद परिवार ने उनसे संपर्क किया और प्रशासन ने उनके पुनर्वास के लिए कदम उठाने शुरू किये.

तालाब में डूबने से तीन सगे भाई-बहनों की मौत

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के बिंवार क्षेत्र में गुरुवार को तालाब में नहाते समय डूबने से तीन सगे भाई-बहनों की मौत हो गई. पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बिंवार थाना क्षेत्र के छानी गांव में पूर्वाह्न लगभग 11 बजे पार्वती नामक महिला अपने बेटों शिवेंद्र (10), रुद्रांश (08) और बेटी मांडवी (05) को साथ लेकर गांव के अमृत सरोवर में नहाने और कपड़े धोने के लिये आयी थी. उन्होंने बताया कि पार्वती जब कपड़े धो रही थी, तभी उसके तीनों बच्चे तालाब में नहाने लगे और इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से वे डूब गये. सूत्रों ने बताया कि अपने बच्चों को डूबता देख पार्वती ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे और तीनों बच्चों को बाहर निकालकर पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. सूत्रों ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिये गये हैं.

सहरसा मिड डे मील कांड में पटना हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

जहरीले कीड़े वाला खाना खाने से 189 बच्चे हुए थे बीमार

पटना: बिहार के सहरसा जिले में मिड डे मील खाने के बाद 189 स्कूली बच्चों के बीमार पड़ने के मामले में पटना हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है. मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट में हो रही देरी पर गंभीर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है. न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद की पीठ ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चों की सेहत खतरे में पड़ने के बावजूद खाद्य नमूनों की समय पर जांच नहीं होना बेहद गंभीर मामला है. कोर्ट ने राज्य सरकार और संबंधित विभागों को मामले में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बिहार सरकार के एमडीएम/पीएम पोषण निदेशालय द्वारा दाखिल हलफनामे पर असंतोष जताया. अदालत ने सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श कर नया और विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं पर तथ्यात्मक और

अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाए. अदालत ने मामले में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल), भागलपुर के निदेशक को पक्षकार बनाने का आदेश दिया है. साथ ही उन्हें अगली सुनवाई में ऑनलाइन उपस्थित रहने का निर्देश भी दिया गया है. कोर्ट ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि घटना के कई दिन बाद भी खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जा सकी है. राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की जांच के दौरान नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने में देरी हुई थी. सहरसा के पुलिस अधीक्षक ने कोर्ट को जानकारी दी कि इस लापरवाही के लिए संबंधित अनुसंधान पदाधिकारी (आईओ) को निलंबित कर दिया गया है. अदालत ने इस कार्रवाई से संबंधित पूरी रिपोर्ट अगली सुनवाई में पेश करने का निर्देश दिया है. सुनवाई के दौरान यह जानकारी दी गई कि महिषी प्रखंड के 68 विद्यालयों में विद्यालय शिक्षा समिति के माध्यम से भोजन तैयार कराया जाता है, जबकि 58 विद्यालयों में एजेंसियों के जरिए मिड डे मील संचालित किया जाता है. कोर्ट ने खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी, खाद्य विश्लेषक और संबंधित गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से भी रिपोर्ट तलब की है.

सहरसा जिले के महिषी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, बलुआहा में मिड डे मील खाने के बाद 150 से अधिक बच्चे अचानक बीमार पड़ गए थे. बच्चों ने पेट दर्द, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत की थी. घटना के बाद सभी बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 100 से अधिक बच्चों को सहरसा सदर अस्पताल रेफर किया गया था. बाद में कुल 189 बच्चों के प्रभावित होने की पुष्टि हुई.

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आशंका जताई थी कि भोजन में सांप का बच्चा या कोई जहरीला कीड़ा गिर गया था, जिसके कारण बच्चों की तबीयत बिगड़ी. प्रशासन ने मामले की जांच शुरू करते हुए भोजन के नमूने फॉरेंसिक जांच के लिए भेजे थे. साथ ही संबंधित प्रधानाध्यापक को निलंबित कर प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी. सहरसा के जिलाधिकारी ने अदालत को बताया कि प्रभावित सभी 189 बच्चों का इलाज कराया गया और स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई.

ओबीसी अभ्यर्थियों की भर्ती आयु सीमा में छूट मामले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराजः इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ओबीसी अभ्यर्थियों सतेंद्र कुमार व एक अन्य की याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है. याचियों की शिकायत है कि 18 जून 2026 को सम्बंधित भर्ती प्रक्रिया का पोर्टल बंद हो जाएगा और वे आवेदन करने से वंचित रह जाएंगे. ओबीसी वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष निर्धारित है, जबकि याची क्रमशः 2024 और 2021 में यह आयु सीमा पार कर चुके हैं. याचियों का तर्क है कि पुराने विनियम 9(ii) में प्रावधान था कि यदि किसी वर्ष चयन प्रक्रिया नहीं हुई तो अभ्यर्थी अगली भर्ती में भी आयु के आधार पर पात्र माने जाएंगे. यह प्रावधान 30 सितम्बर 2025 से हटा दिया गया. अंतिम विज्ञापन 2019 में जारी हुआ था और सात साल बाद 2026 में नई भर्ती आई है, जिसके कारण याची अब अधिक आयु की श्रेणी में आ गए. विनियम 9(iii) के तहत राज्य सरकार को किसी भी अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों के वर्ग के पक्ष में आयु सीमा में छूट देने का अधिकार है.

5 शिक्षकों पर निगरानी विभाग ने कराया एफआईआर, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी करना पड़ा महंगा

नालंदा: बिहार के नालंदा जिले में नियोजित शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाणपत्रों की जांच में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. निगरानी विभाग की टीम ने पटना हाईकोर्ट के आदेश पर चल रही जांच के दौरान हिलसा, राजगीर और सिलाव प्रखंडों के पांच शिक्षकों के खिलाफ अलग-अलग थानों में मुकदमा दर्ज कराया है. इन शिक्षकों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने का आरोप है. हिलसा प्रखंड के पचरुखिया उत्क्रमित मध्य विद्यालय की शिक्षिका पर सबसे पहले शिकंजा कसा गया. वर्ष 2013 में नियोजित शारदा रानी ने उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (ओडिशा) का बीएड प्रमाणपत्र पेश किया था.

निगरानी विभाग द्वारा रोल नंबर, नाम और पंजीयन संख्या की जांच कराए जाने पर विश्वविद्यालय ने प्रमाणपत्र को फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया. हिलसा थाना कांड संख्या 447/2026 में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया

गया है. राजगीर प्रखंड के अंडवस मध्य विद्यालय के मो. जाहिद परवेज (राजगीर थाना कांड संख्या 362/2026), सिलाव प्रखंड के धामर उत्क्रमित मध्य विद्यालय के सुबोध कुमार (सिलाव थाना कांड संख्या 114/2026), पचवारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के नीरज कुमार (सिलाव थाना कांड संख्या 115/2026) और नानंद मध्य विद्यालय के मणि शंकर शर्मा (सिलाव थाना कांड संख्या 116/2026) पर भी फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नौकरी करने का आरोप है. सभी मामलों में जांच जारी है.

नालंदा जिले में अब तक कुल 80 शिक्षकों के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों के मामले दर्ज हो चुके हैं. जांच में पाया गया कि इन शिक्षकों के प्रमाणपत्र संबंधित विश्वविद्यालयों के रिकॉर्ड से मैच नहीं कर रहे हैं. इस खुलासे से जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है. राजगीर अनुमंडलीय डीएसपी संजित कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी थानों में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस मुख्य रूप से फर्जी प्रमाणपत्र बनाने वाले गिरोह और बिचौलियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हुई है.

संबंधित विभाग को शिक्षकों की सेवा समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सूचना भेज दी गई है. इस घोटाले ने बिहार की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. पटना हाईकोर्ट के आदेश पर चल रही व्यापक जांच में और कई नाम सामने आने की आशंका है. जिला प्रशासन ने सभी नियोजित शिक्षकों के दस्तावेजों की सत्यापन प्रक्रिया को तेज कर दिया है.

न्यूज कॉर्नर

फिजिक्सवाला छात्र वित्तपोषण कारोबार से बाहर निकलेगा, अब एनबीएफसी के साथ करेगा साझेदारी

नयी दिल्लीः शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी फिजिक्सवाला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह छात्रों को सीधे वित्तपोषण (ऋण देने) के कारोबार से बाहर निकलने की योजना बना रही है और अब शिक्षा ऋण के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ साझेदारी करेगी.यह कदम कंपनी की उस हालिया घोषणा के बाद आया है, जिसमें उसने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी फिनज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में 120 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश की बात कही थी.कंपनी ने कहा, '' फिजिक्सवाला लिमिटेड अपनी ऋण रणनीति का पुनर्गठन कर रही है और छात्र ऋण की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई प्रमुख विनियमित तृतीय-पक्ष एनबीएफसी के साथ उसने समझौता किया है. यह निर्णय कंपनी के पहले के दृष्टिकोण को उलटता है और इसका उद्देश्य बही-खाते और ऋण से जुड़े जोखिमों को काफी कम करना है.'' फिजिक्सवाला के अनुसार, फिनज फाइनेंस की रणनीतिक दिशा का निर्णय निदेशक मंडल और अन्य नियामकीय मंजूरियों के बाद निकट भविष्य में किया जाएगा.पीडब्ल्यू के सह-संस्थापक प्रतीक माहेश्वरी ने कहा, '' हमें अपने साझेदारों से यह प्रतिक्रिया मिली कि हमारी मुख्य ताकत समुदाय बनाना और ऑनलाइन कारोबार है. ऋण कारोबार को उन विनियमित एनबीएफसी के पास ही रहना चाहिए जिनकी 'अंडरराइटिंग' क्षमता मजबूत है.''उन्होंने कहा, '' हम मानते हैं कि विवेकपूर्ण पूंजी आवंटन और शेयरधारक मूल्य हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और साझेदारों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर हमने अपने इस निर्णय की पुनर्समीक्षा की है तथा अब छात्र ऋण के लिए एनबीएफसी के माध्यम का विकल्प चुना है.''सूत्रों के अनुसार, कंपनी फिनज फाइनेंस को लेकर कई विकल्पों पर विचार कर रही है, जिसमें उसकी बिक्री या लाइसेंस 'सरेंडर' करना भी शामिल है.

वेदांता ने पांच साल में घटाया 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन

नयी दिल्लीः वेदांता समूह के लौह अयस्क खनन और इस्पात कारोबार ने पिछले पांच वर्षों में विभिन्न स्थिरता पहलों के माध्यम से लगभग 25 लाख टन कार्बन उत्सर्जन को कम या अवशोषित किया है.कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन, नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने तथा स्वच्छ औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे प्रयास उसके भारी उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में कमी (डीकार्बोनाइजेशन) और राष्ट्रीय व वैश्विक जलवायु लक्ष्यों के अनुरूप प्रयासों का हिस्सा हैं.वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड ने 'विश्व पर्यावरण दिवस' पर कम-कार्बन भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि पारंपरिक खनन व धातु कंपनी भी टिकाऊ प्रथाओं में अग्रणी बन सकती है.कंपनी के कार्बन उत्सर्जन में कमी के प्रयासों में स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उपयोग प्रमुख है. विद्युत चालित यात्री वाहन, पहिया लोडर व फोर्कलिफ्ट के इस्तेमाल से हर साल करीब 800 किलोलीटर डीजल की बचत हो रही है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है.सतत परिवहन व्यवस्था के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी के जलमार्ग पोत संचालन से लगभग 2.1 लाख ट्रक यात्राओं के बराबर परिवहन कम हुआ, जिससे 1.08 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई और करीब 28,900 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन घटा.कंपनी ने गोवा के अमोना स्थित पिग आयरन संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र में अपशिष्ट ऊष्मा पुनर्प्राप्ति के जरिये कुल 100 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित की है जिससे 2.4 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन से बचाव हुआ.पर्यावरण संरक्षण के तहत गोवा की संकेलिम पुनर्वास खदान (100 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र) में 7.5 लाख पेड़ लगाए गए हैं, जो हर साल 16,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं. तीन दशकों में यह क्षेत्र लगभग 4.8 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर चुका है.

केरल पर कर्ज का बोझ बढ़ा, देनदारिया 5.07 लाख करोड़ के पार

तिरुवनंतपुरमः केरल की कुल बकाया देनदारियां 5.07 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई हैं, जबकि बकाया राशि एवं स्थगित भुगतान लगभग 49,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं.मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन द्वारा बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश वित्तीय स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. यह रिपोर्ट पूर्व कैबिनेट सचिव के. एम. चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय समिति ने तैयार की है. संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की सरकार ने सत्ता में आने के बाद राज्य की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र लाने की घोषणा की थी और इसी उद्देश्य से इस समिति का गठन किया गया था.'केरल की वित्तीय हालत: एक स्थिति रिपोर्ट' शीर्षक वाला यह श्वेत पत्र राज्य की वित्तीय स्थिति का गंभीर आकलन प्रस्तुत करता है. इसमें आगाह किया गया कि बढ़ता कर्ज, बढ़ती देनदारियां और भारी अनिवार्य खर्च के कारण विकास और बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो गई है.रिपोर्ट के अनुसार वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान राज्य की कुल राजस्व प्राप्तियों का 77 प्रतिशत हिस्सा खर्च कर देते हैं जबकि केवल ब्याज भुगतान 20.9 प्रतिशत है. वहीं पूंजीगत व्यय राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का केवल 1.3 प्रतिशत है जो देश में सबसे कम स्तरों में से एक है.श्वेत पत्र के अनुसार, राज्य पर 5.07 लाख करोड़ रुपये की बकाया देनदारियां हैं. इसके अलावा नई सरकार को 21,670 करोड़ रुपये महंगाई भत्ता बकाया, 14,387 करोड़ रुपये महंगाई राहत बकाया और 3,431 करोड़ रुपये 'बिल डिस्काउंटिंग' व्यवस्था के तहत देनदारियां विरासत में मिली हैं. अन्य स्थगित भुगतानों सहित कुल लंबित देनदारियां कम से कम 48,733 करोड़ रुपये हैं.रिपोर्ट में इसे गंभीर वित्तीय चुनौती बताते हुए कहा गया कि लंबित भुगतान का मूल्य राज्य के वार्षिक शुद्ध उधार के लगभग बराबर है.श्वेत पत्र में कोषागार संचालन को लेकर भी चिंता जताई गई और कहा गया कि राज्य दैनिक नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आपात उधारी सुविधाओं पर अधिक निर्भर होता जा रहा है.केरल साल 2025 में 262 दिन तक 'वेज एंड मीन्स एडवांस' के तहत रहा और 84 दिन तक 'ओवरड्राफ्ट' स्थिति में संचालित हुआ.रिपोर्ट में केरल अवसंरचना निवेश कोष बोर्ड (केआईआईएफबी) की कार्यप्रणाली का भी विस्तृत विश्लेषण किया गया है जिसे परियोजना बजट ढांचे से बाहर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाने के लिए बनाया गया था.श्वेत पत्र के अनुसार, इस बोर्ड पर लगभग 21,000 करोड़ रुपये का ऋण है जिसे अंततः राज्य सरकार को ही चुकाना होगा, जबकि करीब 35,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए अभी वित्तपोषण होना बाकी है.

घरेलू विनिर्माण बढ़ाने, आयात घटाने के लिए सरकार ने बनाए छह क्षेत्रीय समूह

नयी दिल्लीः सरकार ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए कम से कम 100 उत्पादों की पहचान करने हेतु छह क्षेत्र-विशेष कार्य समूहों का गठन किया है. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी.अधिकारी ने कहा, '' इसका उद्देश्य इन उत्पादों के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना है.'' ये समूह संबंधित वस्तुओं की सूची पर चर्चा करेंगे और उनके द्वारा तैयार अंतिम सूची तीन सप्ताह के भीतर मंत्रिमंडल सचिवालय को सौंपी जाएगी.ये छह समूह औषधि, जैव-प्रौद्योगिकी एवं चिकित्सा उपकरण, रसायन व पेट्रो-रसायन, वस्त्र व जूते चप्पल, पूंजीगत वस्तुएं, मोटर वाहन व इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत पूंजीगत वस्तुएं, ऊर्जा, निर्माण उपकरण व अवसंरचना तथा रक्षा व वैमानिकी (केवल नागरिक उपयोग वाले उत्पादों के लिए) और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों पर केंद्रित हैं.इन समूहों में वाणिज्य, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), नीति आयोग, औषधि, आर्थिक मामलों, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रसायन, वस्त्र, भारी उद्योग, बंदरगाह एवं नौवहन, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी, सड़क परिवहन, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और तेल मंत्रालयों/विभागों के सदस्य शामिल हैं.इन समूहों की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव करेंगे. ये समूह ऐसे उत्पादों की पहचान करेंगे जो या तो भारत में निर्मित नहीं होते या देश की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उत्पादित नहीं हो रहे हैं.इस पहल का उद्देश्य घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए विनिर्माण का विस्तार करना है.यह कदम विदेशी मुद्रा के खर्च को कम करने के लिए भी उठाया गया है, क्योंकि इससे भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ रहा है. वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का आयात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 775 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. भारत द्वारा प्रमुख रूप से आयात किए गए उत्पादों में कच्चा तेल (174 अरब डॉलर), वनस्पति तेल (19.5 अरब डॉलर), उर्वरक (16 अरब डॉलर), अयस्क एवं खनिज (14.12 अरब डॉलर), कोयला, कोक एवं ब्रिकेट (27.9 अरब डॉलर), रसायन (लगभग 28 अरब डॉलर), कृत्रिम रेजिन व प्लास्टिक सामग्री (22.75 अरब डॉलर), मशीनरी (61.73 अरब डॉलर), परिवहन उपकरण (34.75 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं (116.2 अरब डॉलर) शामिल हैं.

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को एक दिन में 1.73 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्लीः निचले स्तर से हुई वैल्यू बाइंग के कारण घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा. आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी. बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति और कमजोर हो गई. इसके थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने निचले स्तर से लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण सुबह 10 बजे तक के कारोबार में ही ये दोनों सूचकांक रिकवरी कर हरे निशान में पहुंचने में सफल रहे.हालांकि 10 बजे के बाद पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में भी एक सीमित दायरे में लगातार उतार चढ़ाव होता रहा. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए.

आज दिनभर के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही. इसी तरह फार्मास्यूटिकल्स, बैंकिंग, एनर्जी, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहे. दूसरी ओर आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार दबाव बना रहा. ब्रॉडर मार्केट में आज पूरे दिन खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया.आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने दो लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.16 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट

कैपिटलाइजेशन 460.43 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.73 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,361 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,244 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,940 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 177 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,995 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,608 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,387 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 23 शेयर हरे निशान में और 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 410.34 अंक की गिरावट के साथ 73,935.83 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बढ़ने पर यह सूचकांक 538.87 अंक फिसल कर 73,807.30 अंक के स्तर तक चला गया. इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा.लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से सुबह 10:30 बजे के करीब यह सूचकांक निचले स्तर से 736.94 अंक की छलांग लगा कर 198.07 अंक की मजबूती के साथ 74,544.24 अंक के स्तर तक पहुंच गया. इसके बाद पूरे दिन लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी मामूली उतार चढ़ाव होता रहा. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 13.84 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,360.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 123.15 अंक टूट कर 23,282.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही यह सूचकांक 158.30 अंक लुढ़क कर 23,247.30 अंक के स्तर तक चला गया. इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा.

बिकवाली के मामूली झटकों का सामना करने के बावजूद लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 218 अंक की रिकवरी कर 59.70 अंक की तेजी के साथ 23,465.30 अंक के स्तर तक पहुंच गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 10.95 अंक की मामूली मजबूती के साथ 23,416.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

आज दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाइटन कंपनी 3.48 प्रतिशत, एटरनल 2.98 प्रतिशत, कोल इंडिया 1.98 प्रतिशत, सिप्ला 1.71 प्रतिशत और अडानी इंटरप्राइजेज 1.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, इंफोसिस 1.74 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.42 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.17 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.08 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

दुनिया का सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा भारत: पीयूष गोयल

नई दिल्लीः केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत, दुनिया के सबसे भरोसेमंद निवेश स्थलों में से एक के रूप में उभरा है और आने वाले कई दशकों तक सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के लिए तैयार है.गोयल ने मुंबई में आयोजित सिटी इंडिया सम्मेलन 2026 को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही. उन्होंने अपने संबोधन में उन विशाल निवेश अवसरों पर भी प्रकाश डाला, जो भारत दुनिया को प्रदान करता है. उन्होंने वैश्विक निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए किए जा रहे मोदी सरकार के प्रयासों का ज़िक्र किया.उन्होंने भारत की आर्थिक मजबूती, बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग बेस, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और व्यापार समझौतों के बढ़ते नेटवर्क को निवेशकों के भरोसे के मुख्य आधार के तौर पर गिनाया. गोयल ने कहा कि कनाडा और अमेरिका में निवेशकों और बिजनेस लीडर्स के साथ उनकी हाल की बातचीत से भारत में दुनियाभर की गहरी दिलचस्पी का पता चलता है. कई लोग भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर और मैन्युफैक्चरिंग के लिए विश्वसनीय वैकल्पिक केंद्र के तौर पर देखते हैं.

'उन्होंने भारत के दुनिया के सबसे भरोसेमंद निवेश गंतव्य के रूप में उभरने पर प्रकाश डाला और विनिर्माण, व्यापार करने में सुगमता, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी को अपनाने तथा वैश्विक व्यापारिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की. टोरंटो और न्यूयॉर्क की अपनी यात्राओं के दौरान हुई चर्चाओं का जिक्र करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे, कानून के शासन, तकनीकी क्षमताओं और बड़े उपभोक्ता बाज़ार के कारण दीर्घकालिक वैश्विक पूंजी का रुझान तेजी से भारत की ओर बढ़ रहा है. उन्होंने बताया कि प्रस्तावित भारत-कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को निवेशकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जबकि दुनिया की प्रमुख निवेश फर्मों के साथ हुई बैठकों ने भारत की विकास संभावनाओं में विश्वास को और मजबूत किया.

वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं, जिनमें 38 विकसित अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं. इन समझौतों से बाज़ार तक पहुंच बढ़ाने, निवेश को आसान बनाने और प्रतिभाओं के आवागमन को बढ़ावा देने में मदद मिली है. उन्होंने कहा कि ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौता 01 जून से लागू हो गया है और संकेत दिया कि आने वाले महीनों में कई और व्यापार समझौते भी लागू होने की उम्मीद है.गोयल ने कहा कि भारत प्रतिस्पर्धी रूप से डिज़ाइन और निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों, वस्तुओं और सेवाओं के माध्यम से अपार क्षमता, संभावना और लाभप्रदता प्रदान करता है. उन्होंने दोहराया कि भारत वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना हुआ है और विश्वास व्यक्त किया कि 1.4 अरब भारतीयों तथा अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के प्रयासों से समर्थित भारतीय अर्थव्यवस्था, 21वीं सदी की सबसे निर्णायक और महत्वपूर्ण विकास गाथा के रूप में उभरेगी.

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : जितिन प्रसाद

नई दिल्लीः केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने गुरुवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने व्यापार, विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने पर केंद्रित दीर्घकालिक विजन अपनाया है.जितिन प्रसाद ने यहां भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में ग्लोबल बिजनेस रिसर्च कॉन्फ्रेंस (जीबीआरसी) 2026 के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही. वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और वैश्विक व्यापार साझेदारी जैसे क्षेत्रों में भारत की प्रगति अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में इसकी बढ़ती भूमिका को दर्शाती है. आईआईएफटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक डीम्ड यूनिवर्सिटी है.

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए अनुसंधान आधारित अंतर्दृष्टि उत्पन्न करने, भविष्य के व्यापारिक क्षेत्र के दिग्गजों को तैयार करने और वैश्विक बाजारों के साथ भारत के एकीकरण में आईआईएफटी जैसे संस्थानों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जीबीआरसी 2026 में होने वाली चर्चाओं से बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और सिफारिशें प्राप्त होंगी जो नीति निर्माण और भारत के आर्थिक विकास में योगदान दे सकती हैं.वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक

उथल-पुथल के बीच व्यापार प्रबंधन विषय पर आधारित इस सम्मेलन में भारत और विदेश के प्रख्यात शिक्षाविद, नीति निर्माता, प्रबंधन शिक्षक, शोधकर्ता और उद्योग जगत के विशेषज्ञ वैश्विक व्यापार परिवेश को आकार देने के क्रम में उभरती चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करने के लिए एकत्रित हुए हैं.मंत्रालय के मुताबिक यह कार्यक्रम का 5 जून को समापन सत्र के साथ समाप्त होगा.

आरबीआई के जून एमपीसी फैसले का शुक्रवार सुबह 10 बजे ऐलान करेंगे संजय मल्होत्रा

नई दिल्लीः रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक के फैसले का ऐलान शुक्रवार सुबह 10 बजे गवर्नर संजय मल्होत्रा करेंगे. हालांकि, आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में इस बार भी बदलाव की संभावना कम है.आरबीआई ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि रिजर्व बैंक अपनी तीन दिवसीय मौद्रिक नीति की समीक्ष बैठक के नतीजों की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार है. रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच गिरती मुद्रा, ईंधन संकट, ब्याज दरों, महंगाई के दृष्टिकोण और आर्थिक विकास की संभावनाओं की समीक्षा 3 जून से कर रही है.

आरबीआई गवर्नर इसके नीतिगत निर्णय की जानकारी शुक्रवार सुबह 10 बजे देंगे, जिसके बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा दोपहर 12 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे. उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने अप्रैल महीने की एमपीसी की समीक्षा बैठक में सर्वसम्मति से तटस्थ रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा था.

वैश्विक संकट के बावजूद सबसे कम ईंधन मूल्य वृद्धि वाले देशों में भारत : हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्लीः केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ज्यादातर दूसरे देशों की तुलना में बहुत मामूली बढ़ोतरी रही है.केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने नई दिल्ली में मारुति सुजुकी द्वारा निर्मित भारत का पहला फ्लेक्स-फ्यूल यात्री वाहन की लॉन्चिंग के अवसर पर अपने संबोधन में यह बात कही. उन्होंने कहा कि इससे 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न को और बल मिलेगा. इस कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भी उपस्थित थे.हरदीप सिंह पुरी ने इस दौरान पूरे देश में फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों और इथेनॉल इंफ्रास्ट्रक्चर को लागू करने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप भी पेश किया. पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में फ्लेक्स-फ्यूल टेक्नोलॉजी की एंट्री सिर्फ़ एक प्रोडक्ट लॉन्च नहीं है बल्कि यह भारत के एनर्जी ट्रांज़िशन में एक नए अध्याय की शुरुआत भी है. फ्लेक्स-फ्यूल वाहन इथेनॉल और पेट्रोल के अलग-अलग मिश्रणों पर चल सकते हैं, जिनकी रेंज ई20 से लेकर ई100 तक होती है.

पेट्रोलियम मंत्री ने बताया कि भारत में लगभग 37 लाख पैसेंजर व्हीकल हैं, जो भारत के मध्यम वर्ग की आकांक्षाओं और पर्सनल मोबिलिटी के भविष्य को दर्शाते हैं. इस सेगमेंट में फ्लेक्स-फ्यूल टेक्नोलॉजी को बड़े

पैमाने पर अपनाने से इथेनॉल-आधारित मोबिलिटी का असर काफ़ी बढ़ सकता है. पुरी ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद भारत ने 90 दिनों से अधिक समय तक ईंधन की आपूर्ति लगभग सामान्य बनाए रखी है. उन्होंने कहा कि भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है.केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले भारत का लगभग 60 फीसदी एलपीजी आयात होर्मुज़ जलडमरूमध्य से होकर गुज़रता था. उन्होंने कहा कि 1.4 अरब लोगों की आबादी और वैश्विक औसत से तीन गुना ज़्यादा ऊर्जा मांग वृद्धि वाले देश के तौर पर भारत ने पूरे देश में पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की. मंत्री ने कहा, देश में कहीं भी एक भी जगह पेट्रोलियम उत्पादों की कमी नहीं हुई. लोग सड़क और हवाई मार्ग से सामान्य रूप से यात्रा करते रहे. वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारत ने लगभग सामान्य स्थिति बनाए रखी.

तीसरे दिन सपाट स्तर पर सर्राफा बाजार, सोना और चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्लीः घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन आज सपाट स्तर पर कारोबार हो रहा है. देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है. भाव में बदलाव नहीं होने के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना भी आज बुधवार के भाव पर ही यानी 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी के भाव में भी बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,360 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है.इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

सीतारमण ने महिला संचालित मूंगफली प्रसंस्करण इकाई का किया उद्घाटन

नई दिल्लीः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कर्नाटक के यादगीर जिले में महिलाओं के नेतृत्व में संचालित राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) समर्थित मूंगफली प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया. यह ऐसी इकाई है, जो मूंगफली को भून सकती है, तेल निकाल सकती है और पीनट बटर जैसे उत्पाद बना सकती है.सीतारमण ने बाडेपल्ली गांव में किसानों के प्रशिक्षण और साझा सुविधा केंद्र का भी उद्घाटन किया. उन्होंने कर्नाटक के यादगिर स्थित बडेपल्ली गांव में 'किसान प्रशिक्षण एवं साझा सुविधा केंद्र' के उद्घाटन समारोह के दौरान अपने संबोधन में पेड्डापल्ली महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड की सराहना की, जो इस इकाई का संचालन कर रही है. उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में स्थापित ऐसी सात मूल्य संवर्धन इकाइयों में से यादगीर की इकाई अकेली है, जिसे पूरी तरह महिलाएं चला रही हैं. वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि इस इकाई का संचालन करने वाली महिलाओं को किसानों से सीधे मूंगफली खरीदने में कठिनाई हो रही है.उन्होंने कहा कि महिलाएं मंडियों एवं बाजारों से खरीद करने की कोशिश कर रही हैं और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने इसके लिए अलग से एक अधिकारी भी नियुक्त किया है. फिर भी ऐसा लगता है कि बीच में कोई बिचौलिया उन्हें सीधे खरीदने से रोक रहा है.

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ वाह केमिकल्स का आईपीओ, आठ जून तक लगा सकते हैं बोली

नई दिल्लीः टेक्सटाइल इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले केमिकल का उत्पादन करने वाली कंपनी वाह केमिकल्स का 13.45 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में आठ जून तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 जून को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 11 जून को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं.इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 60 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है. इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 4,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,40,000 रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 22.42 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं. इनमें 1.14 लाख शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं.

इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.46 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 47.46 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है. इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.08 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है. इस इश्यू के लिए मारवाड़ी चंदाराणा

इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है. वहीं मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है.वाह केमिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 2.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 5.09 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 में इसे 23.75 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 43.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में मामूली बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में कंपनी पर 11.25 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ कर 11.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. इस दौरान कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2024-25 में ये 6.87 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 14.92 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी के रिजर्व और सरप्लस की बात करें तो इस अवधि में कंपनी इस मोर्चे पर भी बढ़त हासिल करने में सफल रही है. वित्त वर्ष 2024-25 में ये 1.50 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.85 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2024-25 में 4.68 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2025-26 में बढ़ कर 8.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

कोहली चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर, गायकवाड़ संभावित विकल्प

नयी दिल्ली: भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली हाल में समाप्त हुए आईपीएल के दौरान मांसपेशियों (हैमस्ट्रिंग) में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला से बृहस्पतिवार को बाहर हो गए. कोहली की जगह रूतुराज गायकवाड़ को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है जो श्रीलंका में त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत ए के लिये खेलने वाले थे. तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा. कोहली को रविवार को अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल फाइनल के दौरान चोट लगी थी. उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यह मैच जीत कर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता था. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''कोहली मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं. फाइनल के दौरान उन्हें चोट लगी थी. स्कैन से पता चला है कि उनकी 'डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन' (घुटने के पीछे की मांसपेशियां) फट गई है.'' 'डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन' का फटना मांसपेशियों से जुड़ी एक दुर्लभ चोट है जो नसों के उस जाल को प्रभावित करती है जो घुटने के ठीक नीचे मांसपेशियों को पिंडली की हड्डी के अंदरूनी हिस्से से जोड़ती है. अपनी शानदार फिटनेस के लिए मशहूर 37 वर्षीय कोहली ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था. कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद अर्धशतक लगाकर विजयी रन बनाया था. अपने टी20 खेल में कुछ बदलाव करने वाले कोहली ने आरसीबी के विजय अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 675 रन बनाए. कोहली के बाहर हो जाने से आगामी वनडे श्रृंखला की चमक भी फीकी पड़ गई है. भारत के पूर्व कप्तान कोहली अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं. कोहली की शानदार फिटनेस को देखते हुए ऐसा कभी कभार ही हुआ है जब वह चोटिल होने के कारण किसी मैच या श्रृंखला से बाहर हो गए हों. अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं. वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं. आईपीएल के दौरान रोहित की जांघ की मांसपेशियों में भी खिंचाव आ गया था और उन्हें कुछ मैच से बाहर रहना पड़ा था. उन्हें फिटनेस के आधार पर ही टीम में शामिल किया गया है. कोहली की चोट के बारे में पूछने पर भारत के सहायक कोच रियान टेन डोएशे ने कहा, ''इस बारे में आधिकारिक सूचना दी जायेगी . विराट या कोहली के बारे में कोई भी खबर बड़ी होती है.'' उन्होंने कहा, ''इनकी फिटनेस का आकलन करते समय समान प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा. अभी यह तय करने में कुछ दिन है कि वे खेलने के लिये फिट हैं या नहीं. उसके हिसाब से बदलाव किये जायेंगे . लेकिन मेडिकल टीम से पुष्टि होने के बाद आधिकारिक सूचना दी जायेगी.'' कोहली और रोहित दोनों ने पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था. इसके बाद से ही उनके वनडे करियर को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं. अगला वनडे विश्व कप अगले साल अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका में होगा. कोहली और रोहित को उनकी फॉर्म और फिटनेस के आधार पर ही विश्व कप की टीम में जगह मिलेगी. अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ में और तीसरा वनडे 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा. भारत इसके बाद अपना अगला वनडे इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई को खेलेगा. तब भारतीय टीम तीन वनडे मैच की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी.

सिंधू इंडोनेशिया ओपन से बाहर, हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता: दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं. सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं. सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं. इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया. भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है. इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई. हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की. मलेशिया की इस जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार जोड़ी को हराया था. हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचा. आखिरी गेम में भारतीय जोड़ी 16-17 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने धैर्य बरकरार रखते हुए 48 मिनट में जीत हासिल कर ली. भारतीय जोड़ी अब अगले दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन से भिड़ेगी. पुरुषों के एकल वर्ग में आयुष शेट्टी को हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ 21-16, 13-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा. सिंधू और आन ने पहले गेम के शुरू में एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की. एक समय स्कोर 10-10 पर बराबर था. इस दौरान सिंधू ने अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई और कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में कामयाब रहीं. सिंधू अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले के दम पर 15-14 से आगे निकल गई, लेकिन आन ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लगातार अंक हासिल किए और 19-16 की बढ़त बना ली. इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार दो अंक जीते और पहला गेम अपने नाम कर लिया. इस दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच 41 शॉट की रैली भी देखने को मिली. आन ने दूसरे गेम में आक्रामक शुरुआत की और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली. भारतीय खिलाड़ी ने इसके बावजूद प्रत्येक अंक के लिए संघर्ष जारी रखा. उन्होंने इस बीच कुछ महत्वपूर्ण अंक भी हासिल किये. लेकिन आन का कोर्ट कवरेज अच्छा था और उन्हें मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई.

कमिंस अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे

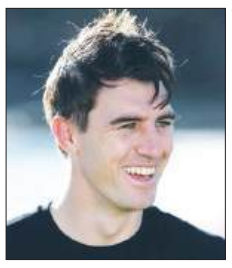

नई दिल्ली: ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान पैट कमिंस ने उम्मीद जताई है कि वह अगले 12 महीनों में टीम के सभी बड़े मुकाबलों में उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उन्होंने माना कि ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिए पूरे कार्यक्रम में लगातार खेलना आसान नहीं होगा. पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद कमिंस ने हाल ही में इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की थी. वापसी के बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं. कमिंस ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 के प्रसारण से जुड़े अमेज़न प्राइम वीडियो के एक मीडिया कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनकी फिटनेस रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य आई है और अब उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने पर है. उन्होंने कहा कि अगला लक्ष्य एक दिन में लंबा गेंदबाजी स्पेल करने और अगले दिन फिर उसी स्तर पर खेलने की क्षमता हासिल करना है. ऑस्ट्रेलिया के लिए आने वाला एक वर्ष बेहद व्यस्त रहने वाला है, जिसमें टीम अधिकतम 21 टेस्ट मैच खेल सकती है. इस दौरान बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका दौरा, भारत दौरा, इंग्लैंड में एशेज श्रृंखला, न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मुकाबले, मेलबर्न में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट और संभावित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल शामिल हैं. कमिंस ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से सभी टेस्ट खेलने की उम्मीद कर रहे हैं, लेकिन पूरे कार्यक्रम में एक ही तेज गेंदबाजी तिकड़ी का बने रहना कठिन होगा. उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि सभी मैच खेलूं, लेकिन रास्ते में परिस्थितियां बदल सकती हैं. 21 टेस्ट में लगातार वही तीन तेज गेंदबाज खेलें, यह बहुत हैरान करने वाली बात होगी. बीच-बीच में बदलाव देखने को मिल सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी में कमिंस के अलावा मिचेल स्टार्क और जॉश हेजलवुड शामिल हैं. पिछले एशेज सत्र के दौरान चोटों के कारण कई बार टीम को बदलाव करने पड़े थे.

ताजिकिस्तान के खिलाफ फीफा मैंत्री मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ उतरेगा भारत

मैच भारतीय समयानुसार रात 8:30 बजे शुरू होगा

हिसोर (ताजिकिस्तान): पिछले महीने यूनिटी कप में लगातार दो हार से हताश भारतीय फुटबॉल टीम शुक्रवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी. भातर ने पिछले साल सीएएफए नेशंस कप में इसी विरोधी के खिलाफ जीत दर्ज की थी. भारत को हालांकि लंदन में यूनिटी कप के दौरान 27 और 30 मई को क्रमश: जमैका (0-2) और जिम्बाब्वे (0-1) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था. दूसरा मैच भी रविवार को यहीं खेला जाएगा. पिछले साल 29 अगस्त को सीएएफए नेशंस कप के दौरान हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ भारत की 2-1 की जीत मुख्य कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का पहला मैच था. उस टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था. टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ओमान को हराया था. लेकिन अगले छह मैच में भारत सिर्फ एक बार ही जीत दर्ज कर सका और उसे इस दौरना बांग्लादेश और सिंगापुर जैसी टीम से हार का सामना करना पड़ा. जमील पर दबाव बढ़ता जा रहा है जिनके मार्गदर्शन में भारत ने अब तक 10 में से सिर्फ तीन मैच जीते हैं. भारत ने यूनिटी कप मोहन बागान सुपर जाइंट के सात खिलाड़ियों के बिना खेला था क्योंकि क्लब ने आखिरी समय पर उन्हें छोड़ने से मना कर दिया था. क्लब का तर्क था कि यह टूर्नामेंट फीफा विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए फीफा द्वारा निर्धारित समय) के बाहर आयोजित किया जा रहा है. आगामी दोनों अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच फीफा विंडो के अंदर हो रहे हैं लेकिन मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाड़ी इनमें हिस्सा नहीं लेंगे. भारतीय टीम सीधे लंदन से यहां पहुंची है. भारत इस टूर्नामेंट में रयान विलियम्स के बिना उतरेगा. हाल ही में अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़कर भारतीय टीम में शामिल होने वाले विलियम्स यूनिटी कप के दौरान चोटिल हो गए थे. उनकी जगह टीम में पार्थिब गोगोई को शामिल किया गया है. एशियाई कप 2027 के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद से भारत की फीफा रैंकिंग लगातार गिर रही है जबकि इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले ताजिकिस्तान की रैंकिंग में सुधार हुआ है. भारत की विश्व रैंकिंग 137 जबकि ताजिकिस्तान की 103 है. ताजिकिस्तान मैसेडोनिया के नए कोच इगोर एंजेलोव्स्की के मार्गदर्शन में अपना पहला मैच खेलेगा. भारत और ताजिकिस्तान के बीच अब तक हुए छह मैच में से भारत ने दो जबकि तीन मैच ताजिकिस्तान ने जीते हैं. दोनों टीम के बीच एक मैच ड्रॉ रहा.

भारतीय टीम इस प्रकार है :
(गोलकीपर) : गुरप्रीत सिंह संधू, ऋतिक तिवारी, अल्बिनो गोम्स.
(डिफेंडर) : राहुल भेके, निखिल बारला, निखिल पुजारी, रोशन सिंह नौरेम, संदेश झिंगन, आकाश मिश्रा, बिजॉय वर्गीस, परमवीर.
(मिडफील्डर) : जैक्सन सिंह थौनाओजम, नौफल पीएन, रिकी शबोंग, मैकार्टन लुइ निक्सन.
(फारवर्ड) : एडमंड लालरिंदिका, लालियानज़ुआला छांगटे, रहीम अली, फारुख चौधरी, मोहम्मद सनन कुंडोई, विक्रम प्रताप सिंह, पार्थिब गोगोई.

एक और विश्व खिताब के साथ मेस्सी युग को विदा कहना चाहेगा अर्जेंटीना

ब्यूनस आयर्स: अमेरिका में पिछली बार 1994 में जब फुटबॉल विश्व कप हुआ था तब ग्रुप चरण के दूसरे मैच के बाद डिएगो माराडोना को डोप टेस्ट में पॉजीटिव पाये जाने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था. अर्जेंटीना फुटबॉल टीम की अमेरिका की यादें सुखद नहीं हैं चूंकि उसके बाद माराडोना फिर विश्व कप नहीं खेल सके और उनकी टीम अंतिम 16 से बाहर हो गई. बाईस बरस बाद अब अर्जेंटीना को उम्मीद है कि माराडोना के वारिस माने जाने वाले लियोनेल मेस्सी विश्व कप में अमेरिकी सरजमीं पर उन कड़वीं यादों को जीत के जश्न में बदलेंगे. इस महीने 39 वर्ष के होने जा रहे मेस्सी का यह आखिरी विश्व कप होगा और माना जा रहा है कि अमेरिका, मैक्सिको, कनाडा में होने वाले इस टूर्नामेंट के बाद वह फुटबॉल को अलविदा कह देंगे. अगर मेस्सी और अर्जेंटीना विश्व कप खिताब को बरकरार रख पाते हैं तो 1962 में ब्राजील के बाद यह कारनामा करने वाली पहली टीम होंगे. मेस्सी ने अर्जेंटीना के एक पत्रकार को यूट्यूब इंटरव्यू में कहा था, ''मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब तक खेल सकता हूं, खेलता रहूंगा.'' उन्होंने कहा, ''मुझे जीतना पसंद है. मैं कई बार अपने बच्चों को वीडियो गेम में भी जीतने नहीं देता. यह मेरा स्वभाव है और इसी के बल पर मैंने इतना कुछ पाया है.' बार्सीलोना, पेरिस सेंट जर्मेन और इंटर मियामी के लिये करीब दो दशक तक खेल चुके मेस्सी का शरीर अब थकने लगा है. रिकॉर्ड छठी बार विश्व कप खेलने से पहले वह जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे थे. इसकी वजह से इंटर मियामी के आखिरी मैच के दौरान उन्हें मैदान से जाना पड़ा.

अंडर-18 एशिया कप : भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए तैयार

महिला टीम का मुकाबला चीन से, जबकि पुरुष टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी

काकामिगाहारा (जापान): भारतीय अंडर-18 महिला और पुरुष हॉकी टीमें अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार हैं. दोनों टीमों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनाई है. भारतीय अंडर-18 महिला टीम ने पूल-ए में अपने सभी तीन मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया. टीम ने पूल चरण में कुल 30 गोल किए और केवल 2 गोल खाए. भारत ने अभियान की शुरुआत मलेशिया पर 2-1 की कड़ी जीत से की. इसके बाद कोरिया को 3-1 से हराया और अंतिम मुकाबले में सिंगापुर को 25-0 से रौंदकर सेमीफाइनल में धमाकेदार अंदाज में प्रवेश किया. भारतीय टीम के लिए अब तक नौशीन नाज सबसे सफल गोल स्कोरर रही हैं, जिन्होंने 10 गोल किए हैं. गीथाश्री नम्मी ने 5 गोल, कप्तान स्वीटी कुजूर ने 4 गोल और प्रियंका मिन्ज़ ने 3 गोल किए हैं. अब भारत का सामना चीन से होगा, जिसने पूल-बी में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. यह मुकाबला 5 जून को सुबह 9:30 बजे (भारतीय समयानुसार) खेला जाएगा. महिला टीम की मुख्य कोच रानी ने कहा, अब तक का सफर शानदार रहा है. यह इन खिलाड़ियों का पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है. हमारा पूरा ध्यान अब चीन के खिलाफ सेमीफाइनल पर है. हम अपनी हॉकी खेलना चाहते हैं, आक्रामक रहना चाहते हैं और मिले मौकों को गोल में बदलना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि टीम फिट है और हर गेंद के लिए संघर्ष करने को तैयार है. भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम ने पूल-ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. टीम ने अब तक 32 गोल किए और केवल 6 गोल खाए. भारत ने अपने पहले मुकाबले में कजाखस्तान को 13-0 से हराया, लेकिन दूसरे मैच में मेजबान जापान से 2-4 से हार गया. इसके बाद टीम ने शानदार वापसी करते हुए कोरिया को 4-1 और चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. भारतीय कप्तान केतन कुशवाहा अब तक 7 गोल कर चुके हैं, जबकि आशीष तानी पुर्ती ने 6 गोल किए हैं. गाज़ी खान और शाहरुख अली ने 3-3 गोल का योगदान दिया है. भारत अब 5 जून को दोपहर 3:30 बजे (भारतीय समयानुसार) सेमीफाइनल-2 में पाकिस्तान से भिड़ेगा. पाकिस्तान ने पूल-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था. पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने कहा, चार मैचों के बाद हमने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां सुधार की जरूरत है, खासकर पेनल्टी कॉर्नर अटैक और डिफेंस में. खिलाड़ी अब आधुनिक हॉकी की मांग को समझ चुके हैं और टीम की एकजुटता हमारी सबसे बड़ी ताकत है.

मुकाबलों का कार्यक्रम : भारतीय महिला टीम बनाम चीन - 5 जून, सुबह 9:30 बजे. भारतीय पुरुष टीम बनाम पाकिस्तान - 5 जून, दोपहर 3:30 बजे.

पंत को अपने 50वें टेस्ट पहले गंभीर से मिली सलाह

मुल्लांपुर: ऋषभ पंत के लॉफ्टेड शॉट में अब भी वही रोमांच है लेकिन 50वें टेस्ट से दो दिन पूर्व इस विकेटकीपर बल्लेबाज को अलग रवैया अपनाते हुए देखा गया. अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारत के ट्रेनिंग सत्र के दौरान यह विकेटकीपर-बल्लेबाज अपनी बॉडी लैंग्वेज और इरादों दोनों में ही अधिक संयमित नजर आया. ऐसा लग रहा था कि वह मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह पर अमल कर रहे हैं. भारतीय क्रिकेट जगत में यह किसी से छिपा नहीं है कि गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के पिछले टेस्ट मैच के दौरान पंत के गैरजिम्मेदाराना शॉट चयन से गंभीर काफी नाराज थे. दोनों ही पारियों में पंत का आउट होना चर्चा का विषय बन गया और उस समय उनकी काफी आलोचना हुई जब टीम अपने एक सीनियर खिलाड़ी से अधिक जिम्मेदारी की उम्मीद कर रही थी. नेट में पंत जब स्पिनरों का सामना कर रहे थे तो उनका पूरा ध्यान मजबूत डिफेंस पर था और इस दौरान गंभीर की पैनी नजर उन पर टिकी हुई थी. सहायक कोच रेयान टेन डोएशे से जब पूछा गया कि पंत उप कप्तानी से हटाए जाने सहित अन्य बदलावों से कैसे निपट रहे हैं तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि वह अच्छे आदर्श और सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभाने को लेकर प्रतिबद्ध है. दरअसल, कल मैंने उन्हें और गौती (गौतम गंभीर) को इसी बारे में बात करते हुए सुना था. वे इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि 'एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर आप खुद को कैसे पेश करना चाहते हैं', जिसमें बातचीत का तरीका और आप किस तरह से खेलेंगे जैसी बातें शामिल थीं.'' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस तरह के एलीट ढांचे में नेतृत्वकर्ता बनने के लिए उसे किसी औपचारिक जिम्मेदारी की जरूरत है और मुझे लगता है कि ऋषभ यह बात समझता है.'' पंत का खेल कभी-कभी हीरो बनने और अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने के बीच की महीन रेखा पर चलता है, एक ऐसी चीज जिसकी वजह से उन्हें बराबर मात्रा में प्यार और नफरत दोनों मिलते हैं. टेन डोएशे नहीं चाहते कि वह अपनी शानदार प्रतिभा पर लगाम कसें लेकिन टीम प्रबंधन चाहता है कि वह मैच की स्थितियों के हिसाब से अपनी जल्दबाजी में थोड़ी कमी लाएं. उन्होंने कहा, ''ऋषभ की शानदार काबिलियत को देखते हुए हम उनसे वह सब कुछ छीनना नहीं चाहते जो वह करते हैं लेकिन अगर कभी-कभार वह अपने खेल को मैच की स्थितियों के हिसाब से थोड़ा और ढाल सकें तो मुझे लगता है कि आप उन्हें इस चीज पर काम करते हुए जरूर देखेंगे.''

शैली सिंह और देव मीणा एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे

नयी दिल्ली: पोल वॉल्ट के प्रतिभावान खिलाड़ियों देव कुमार मीणा और कुलदीप कुमार के अलावा लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह और भाला फेंक खिलाड़ी शिवम लोखारे को नौ से 12 जुलाई तक चीन के ओरडोस में होने वाले पहली एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की 54 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया. देव और कुलदीप ने पोल वॉल्ट में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड (5.45 मीटर) बनाया है जबकि शिवम ने पिछले महीने रांची में फेडरेशन कप में 81.71 मीटर के प्रयास से भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता. शैली ने कीनिया के नैरोबी में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2021 में रजत पदक जीता था. उत्तर प्रदेश की यह खिलाड़ी सीनियर स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कर रही है और उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.76 मीटर है जो राष्ट्रीय अंडर-20 रिकॉर्ड है. उन्होंने रांची में 6.58 मीटर के प्रयास से रजत पदक जीता था. भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने कहा, ''राष्ट्रीय टीम में शामिल युवा चीन में अगले महीने होने वाली एशियाई अंडर-23 ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिता में निश्चित तौर पर बड़ा प्रभाव छोड़ेंगे.'' उत्तर प्रदेश के उभरते हुए 3000 मीटर स्टीपलचेज खिलाड़ी शारुक खान टीम में शामिल 31 पुरुष खिलाड़ियों में से एक हैं. पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में महिला 10 हजार मीटर पैदल चाल की कांस्य पदक विजेता आरती पर भी सभी की नजरें रहेंगी. वह चीन में 21 किमी पैदल चाल में प्रतिस्पर्धा पेश करेंगी. **भारतीय टीम इस प्रकार है:**
(पुरुष) : विभास्कर कुमार, सैम वसंत एस (100 मीटर/चार गुणा 100 मीटर रिले), हर्ष संतोष राउत, मोहम्मद शान पी, लौकिक अनंत मेल्गे, अनिकेत नलवाडे (चार गुणा 100 मीटर रिले), आस्तिक प्रधान, सेतु मिश्रा (400 मीटर/चार गुणा 400 मीटर रिले), अमन चौधरी, शरण एम, साहिल मलिक, तरणदीप सिंह (चार गुणा 400 मीटर रिले), शकील, विनोद कुमार भनोट (800 मीटर), साकिर, रितिक देओल (1500 मीटर), शिवाजी परशुराम (5,000 मीटर/10,000 मीटर), विनोद सिंह (5,000 मीटर), शैलेश कुशवाह (10,000 मीटर), शारुक खान (3,000 मीटर स्टीपलचेज), सुदीप (ऊंची कूद), मोहम्मद मुहासिन (त्रिकूद), देव कुमार मीणा, कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), मोहम्मद अत्ता साजिद (लंबी कूद), भरतप्रीत सिंह (चक्का फेंक), शिवम लोहाकरे, आनंद सिंह (भाला फेंक), हर्षित कुमार (तार गोला फेंक), अभिजीत भोसले (डेकाथलन), सचिन जी (21 किमी पैदल चाल).
(महिलाएं) : किरुथिका, अक्षया एस, वी सुदीक्षा, संजना, अबिनया राजराजन (चार गुणा 100 मीटर रिले), हुइड्रोम भूमेश्वर (800 मीटर/1500 मीटर), वैष्णवी रावल (800 मीटर), श्रेया राजेश, सबिता टोप्पो (100 मीटर बाधा दौड़), प्राची देवकर (3000 मीटर स्टीपलचेज), नितिका अनुप अकारे (पोल वॉल्ट), शैली सिंह (लंबी कूद), विधि (गोला फेंक), अनुप्रिया वीएस (गोला फेंक), प्रिया (चक्का फेंक), श्रावणी सचिन सांगले (400 मीटर बाधा दौड़/ चार गुणा 400 मीटर रिले), नोफिसा खातून, ताहुरा खातून, बूमिका नेहते, सैंड्रा मोल साबू, सी जेनिस स्टेला (चार गुणा 400 मीटर रिले), अनामिका केए (हेप्टाथलन), आरती (21 किमी पैदल चाल).

ईरान के सामने दुश्मन की सरजमीं पर फुटबॉल की जंग में उतरने की चुनौती

अंतालया: दुनिया भर की दिग्गज फुटबॉल टीमें विश्व कप की तैयारी में जुटी है लेकिन ईरान की टीम के सामने अलग ही चुनौती है जिसे ऐसे देश में जाकर खेलना है जिसका सामना उनका देश रणभूमि में भी कर रहा है. तुर्की में ईरान के अभ्यास शिविर के दौरान टीम के दो सदस्यों ने बताया कि किस तरह युद्ध का असर उनकी तैयारियों पर पड़ा है. विश्व कप 2018 और 2022 में ईरान के लिये खेल चुके मिडफील्डर सईद इजातोलाही ने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो यह आसान नहीं है.'' उन्होंने कहा, ''यह मेरा तीसरा विश्व कप होगा लिहाजा मेरे और अन्य खिलाड़ियों के लिये फिर भी थोड़ा आसान है लेकिन हम सभी के लिये आखिर में तो यह मुश्किल है ही. हम लगातार खबरों पर नजर रखे हुए हैं और राजनीतिक हालात का असर खिलाड़ियों पर पड़ सकता है.'' ईरान की टीम दो सप्ताह से अधिक समय से तुर्की में है और कुछ खिलाड़ी वीजा आवेदन जमा करने अंकारा में अमेरिकी दूतावास गए. उनके शिविर तक मीडिया की पहुंच नहीं है और खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय पत्रकारों से कम ही बात करते हैं. ईरान का ठिकाना विश्व कप में मैक्सिको होगा. उसे इस सप्ताह मैक्सिको रवाना होना है. पहले उसे एरिजोना के टक्सन में तैयारी करनी थी लेकिन बाद में कैलिफोर्निया की सीमा से सटे मैक्सिको के शहर तिजुआना में स्थानांतरित किया गया. ईरान पहले दो मैच लॉस

एंजिलिस के पास खेलेगा जहां बड़ी संख्या में ईरानी लोग रहते हैं

और अधिकांश मौजूदा सरकार के खिलाफ हैं. सईद ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हमारा मैच देखने बड़ी संख्या में लोग आयेंगे. अपेक्षायें काफी हैं तो दबाव भी होगा. उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करके दिखाएंगे कि ईरानी दुनिया के हर कठिन काम के लिये तैयार हैं.'' चौबीस वर्ष के मोहम्मद घोरबानी का यह पहला विश्व कप है. उन्होंने कहा, ''हमारे लिये हालात अलग है लेकिन हम फुटबॉल खिलाड़ी हैं और हमें टूर्नामेंट के लिये तैयार रहना है. हमें यह भी पता है कि युद्ध के कारण हमारे देश के लोग कितने संकट में है और हम अच्छा खेलकर उन्हें मुस्कुराने के मौके देना चाहते हैं.'' अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया जिसमें उसके शीर्ष नेता और कई आला अधिकारी मारे गए. ईरान ने जवाब में इस्राइल, अमेरिकी सेना और खाड़ी के अरब देशों को निशाना बनाया. इसने फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने होर्मुज जलडमरूमध्य पर भी कब्जा कर रखा है जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है. मामूली युद्धविराम के बावजूद ईरान और अमेरिका ने अभी तक स्थायी तौर पर युद्ध बंद नहीं किया है और हमले जारी हैं. ईरान को 14 जून से पहले अमेरिका जाने की जरूरत नहीं है. उसे ग्रुप जी में 15 जून को न्यूजीलैंड से लॉस एंजिलिस में खेलना है. इसके बाद 21 जून को बेल्जियम और 26 जून को सिएटल में मिस्र से खेलना है.

न्यूज कॉर्नर

एएनटीएफ की चित्तौड़गढ़ में दो कार्रवाई, 1.215 किलो अफीम व 5.60 किलो डोडा चूरा पकड़ा

चित्तौड़गढ़ः एएनटीएफ टीम ने जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. टीम ने 1.215 किलोग्राम अवैध अफीम और 5.60 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद कर एक कार भी जब्त की है. एएनटीएफ महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि पहली कार्रवाई बस्सी थाना क्षेत्र में की गई. एएनटीएफ टीम को आसूचना मिली कि बस्सी थाना क्षेत्र के सरहद नगरी आम रोड पर एक व्यक्ति संदिग्ध वस्तु के साथ बैठा है. पुख्ता सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और बताए हुलिए के व्यक्ति को घेराबंदी कर दबोच लिया. स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाया गया. तलाशी में आरोपित के पास से 1.215 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई. पुलिस ने अफीम जब्त कर आरोपित राधेश्याम पुत्र बंशीलाल सालवी, उम्र 30 साल, निवासी आवलहेड़ा थाना बस्सी को गिरफ्तार कर लिया.दूसरी कार्रवाई में एएनटीएफ को सूचना मिली कि रोलाहेड़ा पुलिया से थोड़ा आगे वीर तेजाजी होटल के सामने संदिग्ध हुंडई आई-20 कार खड़ी है, जिसमें मादक पदार्थ होने की संभावना है. टीम ने डॉग स्काड के साथ मौके पर पहुंचकर स्थानीय पुलिस को बुलाया. पुलिस और टीम को देख कर होटल संचालक घबरा गया. उसने अपना नाम छगनलाल बताया. डॉग स्काड का डॉग कार के पास पहुंचते ही जोर-जोर से भौंकने लगा और कार पर पंजे मारने लगा. पूछताछ में होटल संचालक ने कार में डोडा चूरा होना कबूल किया. उसने बताया कि वह होटल पर आने वाले ट्रक चालकों को डोडा चूरा बेचता है. तलाशी में कार से 5.60 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ. पुलिस ने डोडा चूरा और कार जब्त कर आरोपित छगनलाल पुत्र मोहनलाल तेली, निवासी कांकरवा थाना भूपालसागर को गिरफ्तार कर ि

बीमारी से परेशान एक बुजुर्ग महिला ने 14वीं मंजिल से कूदकर दी जान

जयपुरः राजधानी के हरमाड़ा थाना क्षेत्र स्थित सीकर रोड के सनसिटी परिसर में स्थित जयविलास अपार्टमेंट में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई. यहां 82 वर्षीय बुजुर्ग महिला ने 14वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. थानाधिकारी उदय सिंह यादव ने बताया कि लक्ष्मी जैन (82) पत्नी रामचंद्र जैन अपनी बेटी और दामाद के साथ जयविलास अपार्टमेंट में रहती थीं. परिजनों के अनुसार वह लंबे समय से बीमार थीं तथा उन्हें कम दिखाई देता था. बुधवार को उनकी बेटी और दामाद किसी आवश्यक कार्य से अजमेर गए हुए थे. सुरक्षा की दृष्टि से फ्लैट को बाहर से लॉक कर वे रवाना हुए थे. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब पांच बजे लक्ष्मी जैन ने फ्लैट की बालकनी से नीचे छलांग लगा दी. सुबह सोसायटी के लोगों ने उन्हें अपार्टमेंट परिसर में लहूलुहान और बेसुध अवस्था में पड़ा देखा तथा तुरंत पुलिस को सूचना दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें कांवटिया अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.पुलिस की प्रारंभिक जांच और एफएसएल टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है. पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग महिला लंबे समय से बीमारी और शारीरिक परेशानियों से जूझ रही थीं, जिससे वह मानसिक रूप से भी परेशान थीं. थानाधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए हैं. परिजनों को सूचना दे दी गई है और उनके जयपुर पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई जाएगी. फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है.

अवैध हथियारों पर शिकंजा, पांच माह में 84 गिरफ्तार

सोनीपतः सोनीपत में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोनीपत पुलिस ने वर्ष 2026 के पहले पांच माह में बड़ी कार्रवाई करते हुए 84 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने एक जनवरी से 31 मई तक 70 मुकदमे दर्ज कर आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में अवैध हथियार और कारतूस बरामद किए हैं. पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने गुरुवार को कहा कि जिले में अवैध हथियार रखने, उनकी खरीद-फरोख्त करने और तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है. अभियान के दौरान जनवरी में 12 मुकदमे दर्ज कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा 12 हथियार और 10 कारतूस बरामद किए गए. फरवरी में 14 मुकदमों में 16 आरोपी गिरफ्तार हुए और 14हथियार तथा नौ कारतूस बरामद किए गए. मार्च में 14 मुकदमों में 16 आरोपी गिरफ्तार किए गए, जबकि 14 हथियार और 28 कारतूस मिले. अप्रैल में 15 मुकदमों में 22 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई तथा 18 हथियार और 21 कारतूस बरामद किए गए. मई में 15 मुकदमे दर्ज कर 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 18 हथियारों के साथ 15 कारतूस बरामद किए गए. अपराध और अवैध हथियारों पर रोक लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा. जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है.

एसीबी ने दो पटवारियों सहित तीन को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

हिसारः राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवी एंड एसीबी) की टीमों ने कार्रवाई करते हुए दो पटवारियों सहित तीन को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. ब्यूरो ने जिले के आदमपुर व हांसी क्षेत्रोंमें गुरुवार को यह कार्रवाई की. तीनों आरोपियों पर ब्यूरो के हिसार कार्यालय में केस दर्ज किया गया है.इंतकाल के बदले 1700 रूपये मांगने वाला पटवारी रंगे हाथ गिरफ्तार पहले मामले में ब्यूरो की टीम ने कृषि भूमि के इंतकाल (म्यूटेशन) के बदले रिश्वत मांगने वाले पटवारी महेंद्र सिंह को 1700 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि इस संबंध में शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसकी कृषि भूमि के इंतकाल की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जिले के गांव सीसवाल स्थित पटवारखाना में कार्यरत पटवारी महिंदर सिंह उससे 1700 रुपये की रिश्वत की मांग की जा रही है. शिकायत की जांच के बाद एसवी एंड एसीबी की सिरसा इकाई ने ट्रैप की योजना बनाई. कार्रवाई के दौरान आरोपी पटवारी को शिकायतकर्ता से 1700 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया.पटवारी व उसके सहयोगी को 10 हजार रिश्वत लेते पकड़ा दूसरे मामले में ब्यूरो की भिवानी टीम ने हांसी के पटवारी विशाल व उसके सहयोगी पवन को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. दोनों पर पुलिस थाना एसवी एंड एसीबी, हिसार में मामला दर्ज किया गया है.इस संबंध में शिकायतकर्ता ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसके प्लॉट के इंतकाल की प्रक्रिया पूर्ण करवानी है. इसके बदले विशाल पटवारी द्वारा 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है.शिकायत की जांच के बाद एसीबी की भिवानी यूनिट द्वारा योजनाबद्ध ढंग से ट्रैप लगाया गया. ट्रैप के दौरान आरोपी पटवारी विशाल के कहने पर पवन नामक निजी व्यक्ति ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि ली. जैसे ही रिश्वत की रकम का लेन-देन हुआ, एसीबी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रंगे हाथ काबू कर लिया.

पानी की मोटर चोरी करके बेच रहे युवक को ग्रामीणों ने कुएं में लटकाया, पीटा

हिसारः हांसी क्षेत्र के गांव सोरखी में मोटर चोरी के आरोप में एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर रस्सियों से बांधकर कुएं में उल्टा लटका दिया. आरोप है कि युवक पानी की मोटर चोरी करके कबाड़ी को बेच रहा था कि उसे मोटर बेचते समय ग्रामीणोंने रंगे हाथ पकड़ लिया. हालांकि पुलिस ने युवक को कुएं में लटकाने से संबंधित कोई शिकायतमिलने से इनकार किया है.बताया जा रहा है कि हांसी क्षेत्र के गांव सोरखी में एक युवक को पानी की मोटर चोरी करते पकड़ा. जब वह चोरी की गई मोटर कबाड़ी को बेच रहा था तो ग्रामीणों ने उसेंगे हाथ पकड़ लिया. इसके बाद ग्रामीणों ने युवक को रस्सियों से बांधकर डंडों से पीटा और पुलिस की तरह थर्ड डिग्री देकर उससे चोरी की और भी वारदातें कबूल करवाई. युवक चीखता-चिल्लाता रहा. युवक ने जैसे ही चोरी की और वारदातें कबूली तो ग्रामीणों ने और मारपीट उसके साथ की. इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ग्रामीण आरोपी युवक को पीटते हुए और कुएं में उल्टा लटकाते हुए दिखाई दे रहा है. युवक अनुसूचित जाति समाज से बताया गया है. वहीं,इस मामले में पुलिस ने जानकारी ना होने की बात कही है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिखाई रहा है कि ग्रामीणों ने युवक को रस्सियों से बांधकर कुएं में उल्टा लटकाया हुआ है. युवक बाहर निकलने के लिए जोर-जोर से चिल्लाता है. मगर, ग्रामीण उसे पानी भरे कुएं में और नीचे कर देते हैं.

विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर मुख्य सचिव सख्त, विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

जयपुरः मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी विभागों को समयबद्धता, समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा. उन्होंने अधिकारियों से लंबित और प्रक्रियाधीन कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए. मुख्य सचिव गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित 11वीं शासी परिषद (गवर्निंग काउंसिल) की आगामी बैठक की तैयारियों तथा दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के पांचवें राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े एक्शन पॉइंट्स की मध्यावधि समीक्षा के लिए आयोजित उच्च स्तरीय प्री-ब्रीफिंग बैठक को संबोधित कर रहे थे.बैठक में उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने में मानव संसाधन विकास (ह्यूमन कैपिटल डेवलपमेंट) की महत्वपूर्ण भूमिका है.

राज्य सरकार ने इसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है और इसी दिशा में सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे.समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्यों और एक्शन पॉइंट्स की प्रगति का विस्तार से आकलन किया. उन्होंने उन विभागों की सराहना की जिन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप उत्कृष्ट कार्य किया है. साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो कार्य अभी प्रक्रियाधीन हैं अथवा जिनमें प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है, उन्हें मिशन मोड में प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित हो सके.

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य के समग्र और चहुंमुखी विकास के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है. मानव संसाधन विकास, नवाचार और सुशासन को मजबूत बनाकर ही विकसित राजस्थान और विकसित भारत के लक्ष्य को गति दी जा सकती है. बैठक में विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव, राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (रीति) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे.

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को बनाया उम्मीदवार

जयपुरः राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने दो उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है. पार्टी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और पूर्व मंत्री अलका गुर्जर को राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है.राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों पर 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे.

विधानसभा में वर्तमान संख्या बल के आधार पर भाजपा दो सीटों पर जीत की स्थिति में है, जबकि तीसरी सीट पर मुकाबला रोचक रहने की संभावना है. ऐसे में भाजपा ने अपने दोनों संभावित विजयी उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगा दी है. भाजपा द्वारा अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाए जाने को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पार्टी ने इस निर्णय के जरिए पूर्वी राजस्थान के प्रभावशाली गुर्जर समुदाय को साधने का प्रयास किया है. प्रदेश की राजनीति में गुर्जर समाज को महत्वपूर्ण वोट बैंक माना जाता है, जो लंबे समय से कांग्रेस नेता सचिन पायलट के प्रभाव के कारण कांग्रेस के साथ जुड़ा रहा है.

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अलका गुर्जर को राज्यसभा प्रत्याशी बनाकर भाजपा ने इस सामाजिक समीकरण में अपनी पैठ मजबूत करने की रणनीति अपनाई है. अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रही हैं तथा विधायक और मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका निभा चुकी हैं.वहीं पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया को उम्मीदवार बनाए जाने से पार्टी ने संगठन और राजनीतिक अनुभव को भी महत्व दिया है. पूनिया प्रदेश भाजपा के प्रमुख नेताओं में गिने जाते हैं और लंबे समय से संगठनात्मक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं.गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते ये तीनों सीटें रिक्त हो रही हैं.

हुड्डा ने की कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग

चंडीगढ़ः नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है. उन्होंने अपराध, महिलाओं के खिलाफ बढ़ती वारदातों और आत्महत्या के मामलों का हवाला देते हुए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की. सेक्टर-7 स्थित सरकारी आवास पर गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए हुड्डा ने कहा कि खुद केंद्र सरकार के सामाजिक प्रगति सूचकांक में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य घोषित किया गया है. एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के मामलों में हरियाणा पूरे देश में टॉप चार में है. महिलाओं के खिलाफ अपराध में हरियाणा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों की श्रेणी में है.

हरियाणा में 2024 में 1391 महिलाओं के साथ बलात्कार की घटनाएं सामने आईं, जबकि बिहार जैसे बड़े राज्य में मात्र 1165 ही दर्ज हुईं. यानी हरियाणा में बिहार से भी बदतर हालात हो चुके हैं. प्रदेश में रोज 3 हत्याएं और 4 रेप की वारदातें होती हैं. प्रदेश में अपराध और बेरोजगारी की स्थिति यह है कि सिर्फ एक साल के भीतर 3360 लोगों ने आत्महत्या कर ली, यानी रोज 9 से ज्यादा लोग आत्महत्या कर रहे हैं.

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने कानून व्यवस्था का भाजपा ने ऐसा हाल बना दिया है कि आज कोई भी व्यक्ति बदमाशों का शिकार हुए बिना नहीं बच पा रहा है. आज एक्टर, डॉक्टर, लीडर से लेकर बिजनेसमैन तक सभी गोलीबारी, धमकी और फिरौती जैसी वारदातों के शिकार हो चुके हैं.

नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार कानून व्यवस्था, एसवाईएल और नई विधानसभा को लेकर गंभीर नहीं है. मुख्यमंत्री बार-बार पंजाब तो जाते हैं, लेकिन वो कभी भी हरियाणा के पानी और बाकी मुद्दों की बात नहीं करते. कच्चे कर्मचारियों और गेस्ट टीचर्स को लेकर आए अदालत के फैसले का हुड्डा ने स्वागत किया. उन्होंने कहा कि खुद कोर्ट ने कांग्रेस सरकार की रेगुलराइजेशन की नीति पर मुहर लगा दी है. कांग्रेस की बनाई नीति के चलते हजारों गेस्ट टीचर्स और अन्य कच्चे कर्मचारी पक्के होने जा रहे हैं. जबकि बीजेपी सरकार आज तक ऐसी नीति नहीं बना पाई, जिससे कच्चे कर्मचारियों को लाभ हो और उनका भविष्य सुरक्षित हो.

कॉकरोच जनता पार्टी का कोई वजूद नहीं: शिक्षा मंत्री

पानीपतः हरियाणा के शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय श्याम कमल में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनी. जनता दरबार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री ने हाल ही में इनेलो नेता अर्जुन चौटाला और एसपी के बीच हुए तीखे विवाद प्रकरण पर कहा कि जो लोग प्रशासनिक अधिकारियों के साथ इस तरह का व्यवहार करते हैं, वे राजनीति में कभी सफल नहीं हो सकते. उन्होंने अर्जुन चौटाला को नसीहत देते हुए कहा कि राजनीति के मैदान में लंबे समय तक टिकने और जनता का विश्वास जीतने के लिए बेहद संयम, धैर्य और शालीनता की जरूरत होती है, जिसका प्रदर्शन हर राजनेता को करना चाहिए.

काकरोच जनता पार्टी के बारे में पूछने पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि कॉकरेच जनता पार्टी का कोई वजूद नहीं है. इनपर बोलकर एनर्जी वेस्ट नही करनी चाहिए, ऐसी चीजें निकलती रहती है बैठती रहती है. महिपाल ढांडा ने कहा, मैंने बस थोड़ी सी व्यवस्था बदली है. अब जो व्यक्ति अपनी समस्या लेकर बाजार या परिसर में जहाँ भी बैठा होगा, मैं खुद चलकर उसके पास पहुंचूंगा और उसकी बात सुनूंगा.

दुर्घटना में मारे गए एमबीबीएस छात्र के परिजनों को 39.12 लाख रुपए का मुआवजा

जयपुरः मोटर दुर्घटना मामलों की विशेष अदालत ने चार साल पहले मोती डूंगरी गणेश मंदिर चौराहे पर दुर्घटना में मारे गए एमबीबीएस छात्र के परिजनों को कुल 39.12 लाख रुपए की क्षतिपूर्ति राशि देने के आदेश दिए हैं. अदालत ने कहा है कि बीमा कंपनी क्लेम याचिका दायर करने की तिथि से छह फीसदी ब्याज भी इस राशि पर अदा करे. अदालत ने यह आदेश हंसा देवी व अन्य की क्लेम याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए.क्लेम याचिका में अधिवक्ता मनीष जैन ने अदालत को बताया कि 27 जून, 2022 की देर रात विजय चौधरी अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से मेडिकल हॉस्टल जा रहा था. जब वे जेएलएन मार्ग पर गणेश मंदिर चौराहे से गुजर रहे थे तो एक तेज गति की गाडी ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी. जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई. इस दौरान मोटरसाइकिल चला रहा मेडिकल छात्र विजय चौधरी बुरी तरह जल गया और सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गइ. क्लेम याचिका में कहा गया कि घटना में शामिल वाहन के स्वामी, चालक और बीमा कंपनी से क्षतिपूर्ति राशि दिलाई जाए. जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने बीमा कंपनी को क्षतिपूर्ति के तौर पर 39.12 लाख रुपए ब्याज सहित अदा करने को कहा है.

अनुसूचित जनजाति समाज ने भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल का किया अभिनंदन

जयपुरः भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर कार्यालय में गुरुवार को अनुसूचित जनजाति समाज के प्रतिनिधियों ने जयपुर शहर भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल का 21 किलो की विशाल माला पहनाकर तथा भगवान श्रीराम के प्रतीक स्वरूप धनुष-बाण भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया. इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा का भी दुपट्टा, माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया.

इस कार्यक्रम में मीणा समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे. आयोजन के दौरान पुष्पमालाओं, जयघोष, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्साह एवं संगठनात्मक एकता का माहौल देखने को मिला. समाजजनों ने भाजपा संगठन और जिलाध्यक्ष अमित गोयल के प्रति अपना विश्वास एवं समर्थन व्यक्त किया. इस अवसर पर अमित गोयल ने कहा कि अनुसूचित जनजाति समाज भारतीय संस्कृति, प्रकृति संरक्षण, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की गौरवशाली परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है. उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव अनुसूचित जनजाति समाज के सम्मान, अधिकारों और सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है. उन्होंने विश्वास जताया कि विकास मीणा के नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति मोर्चा को नई ऊर्जा मिलेगी तथा समाज और संगठन के बीच समन्वय और अधिक मजबूत होगा.नवनियुक्त जिलाध्यक्ष विकास मीणा ने पार्टी नेतृत्व और समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कार्य करेंगे.

कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों एवं महिला कार्यकर्ताओं ने बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया.

स्पा सेंटर पर पुलिस का शिकंजा: गाइडलाइन उल्लंघन पर पांच महिलाओं समेत आठ गिरफ्तार

जयपुरः एयरपोर्ट थाना पुलिस ने होटल लॉगिन पार्क में संचालित स्पा सेंटर पर छापा मारकर जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की गाइडलाइन का उल्लंघन पाए जाने पर पांच महिलाओं सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशानुसार शहर में अवैध एवं नियम विरुद्ध संचालित स्पा सेंटरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है.

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक कुमार सिंघल के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त (मालवीय नगर) विनोद शर्मा के सुपरविजन में एयरपोर्ट थानाधिकारी रूप नारायण यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई.

पुलिस के अनुसार कार्रवाई से दो दिन पूर्व ही एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के सभी स्पा सेंटर संचालकों को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुए नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे. साथ ही उल्लंघन की स्थिति में सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी. इसके बावजूद होटल लॉगिन पार्क स्थित स्पा सेंटर में निर्धारित नियमों की अनदेखी सामने आई. महिला पुलिसकर्मियों के साथ गठित टीम ने जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं पाईं, जिसके बाद मौके पर कार्रवाई करते हुए आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया.

पुलिस जांच में पाया गया कि स्पा सेंटर में पुलिस कमिश्नरेट द्वारा निर्धारित कई अनिवार्य नियमों का पालन नहीं किया जा रहा था. निर्धारित रिकॉर्ड संधारित नहीं किया गया था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में भी कमी पाई गई. इसके चलते पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई की. जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की गाइडलाइन के अनुसार स्पा सेंटरों में मसाज रूम में केवल पारदर्शी ग्लास होना चाहिए तथा पुरुष ग्राहकों की मालिश पुरुष और महिला ग्राहकों की मालिश महिला कर्मचारियों द्वारा ही की जानी चाहिए. रिसेप्शन, प्रवेश द्वार और कॉमन एरिया में सीसीटीवी कैमरे एवं कम से कम 30 दिन का रिकॉर्ड सुरक्षित रखना अनिवार्य है. इसके अलावा सभी ग्राहकों का नाम, पता, मोबाइल नंबर और पहचान पत्र का रिकॉर्ड रखना, वैध लाइसेंस एवं एनओसी, कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन और योग्यता प्रमाण-पत्र उपलब्ध होना जरूरी है. विदेशी कर्मचारियों के लिए वैध वर्क या बिजनेस वीजा भी अनिवार्य है. स्पा सेंटर संचालकों को परिसर के बाहर लाइसेंस और कार्य समय संबंधी जानकारी प्रदर्शित करनी होगी तथा रिसेप्शन पर हेल्पलाइन नंबर 112 और 181 सहित सूचना पट्ट लगाना भी आवश्यक है. बंद कमरों में सेवाएं देना प्रतिबंधित है. संचालक, प्रबंधक अथवा कर्मचारियों के खिलाफ अनैतिक व्यापार, पॉक्सो या यौन अपराध से संबंधित मामला लंबित नहीं होना चाहिए.

डीसीपी पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि शहर में संचालित स्पा सेंटरों की नियमित जांच और निगरानी जारी रहेगी. नियमों की अवहेलना करने वाले संचालकों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. पुलिस ने सभी स्पा एवं मसाज पार्लर संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे कमिश्नरेट की गाइडलाइन का पालन करें.

युवा शक्ति माथापच्ची- 88

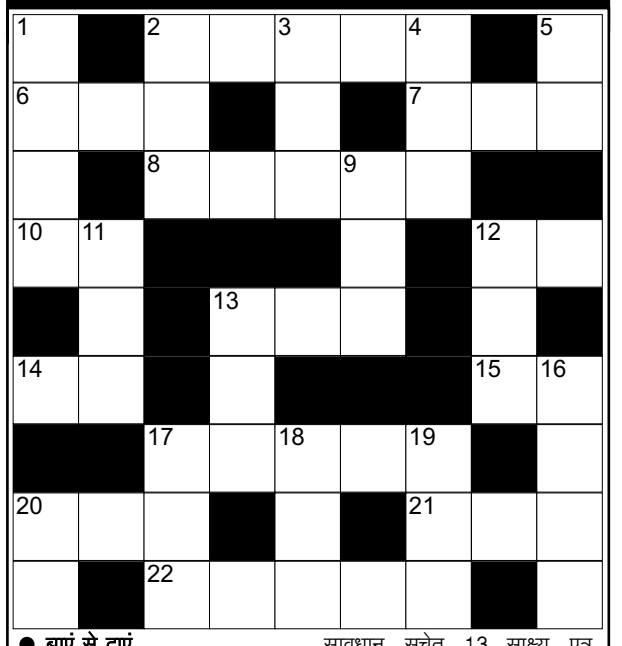

● **बाएं से दाएं**

2. चमकना, क्रोध से लाल होना, 6. सार, रस, 7. हरियाली, 8. धनुर्धर, महराबदार, सेना का आज्ञाधि-कारी, 10. शोभा, सजने का भाव, 12. सच, 13. कमनीयता, सुंदरता, 14. इज्जत, प्रतिष्ठा, स्तर, मूल्य, 15. रोग, जहर, यदि, 17. एक प्रकार का धान, बांस का मोटा भारी डंडा, 20. प्रशंसक, भाट, 21. गर्म जल का स्नानागार, 22. प्रसिद्धि पाना,

● **उपर से नीचे**

1. अंत:पुर, 2. तड़कने का भाव, दरार, 3. निमग्न, किसी कार्य में लीन, 4. सिंह, 5. एक अंक की संख्या, 9. गुलामी, 11. भाषा, जीभ, 12. सावधान, सचेत, 13. साक्ष्य, पत्र, घास/बांस से बना पदार्थ, 16. कृपा, दया, 17. व्यर्थ बोलना, 18. पहरेदार, रक्षा करने वाला, रखवाला, 19. आभूषण, 20. परिवार, कुल,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- **87का हल**

अ	प	का	र	■	प	क	वा	न
प	■	■	वा	प	सी	■	यु	■
रा	■	छा	■	र	ज	त	■	भ
धी	र	ज	र	ख	ना	■	इं	द्र
■	ह	■	■	■	■	■	गि	■
ना	ना	■	अ	नि	य	मि	त	ता
म	■	अ	न्या	य	■	ला	■	ना
■	भा	■	स	म	झ	■	■	बा
अ	व	र	क्त	■	ट	प	क	ना

सुडोकू-67

7				6	5			
	3	2			7			
5	4		3				7	
4	1		7	8				6
2		7	5		1	8		9
3				4	9		1	2
	9				6		5	8
			8			1	9	
			1	9				4

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -66 का उत्तर

1	6	9	3	7	2	5	4	8
2	7	4	8	1	5	3	9	6
5	8	3	9	6	4	1	2	7
4	5	2	6	9	3	7	8	1
3	9	7	5	8	1	2	6	4
8	1	6	4	2	7	9	5	3
6	2	8	7	3	9	4	1	5
9	3	5	1	4	8	6	7	2
7	4	1	2	5	6	8	3	9

श्री अग्रसेन कॉलेज हावड़ा के विस्तार में पूरा सहयोग मिलेगा : विधायक संजय सिंह

कॉलेज के वार्षिक समारोह अग्रोत्सव 26 में आनंद उत्साह का सैलाब

श्री अग्रसेन कॉलेज हावड़ा के वार्षिक समारोह अग्रोत्सव 26 का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए बाली के विधायक श्री संजय सिंह, चेयरमैन श्री महावीर प्रसाद सराफ, वाइस चेयरमैन श्री चंदन गोपाल सराफ, प्राचार्या श्रीमती शोभोनिता दत्ता, समाजसेवी राजकुमार मित्तल व प्रोफेसर निबिर गोस्वामी.

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ा: 'श्री अग्रसेन कॉलेज हावड़ा की उच्च-शिक्षा के क्षेत्र में जो भी योजनाएं-परिकल्पनाएं हैं उन्हें साकार करने के लिए मैं हर संभव सहयोग के लिए तैयार हूँ.' ये उद्गार श्री अग्रसेन कॉलेज हावड़ा के लिलुआ स्थित प्रांगण में आयोजित कॉलेज के वार्षिक समारोह अग्रोत्सव 26 का उद्घाटन करते हुए बाली के नव निर्वाचित विधायक श्री संजय सिंह ने व्यक्त किए. श्री सिंह ने कहा कि कॉलेज के चेयरमैन विशिष्ट शिक्षाव्रती श्री महावीर प्रसाद सराफ ने जिस विषम परिस्थितियों में बच्चों की उच्च-शिक्षा हेतु जिस संकल्प, संघर्ष और समर्पण के साथ इस कॉलेज की स्थापना की और जिस संयम के साथ इसको गतिमान रखा वह लिलुआ शिल्पांचल को एजूकेशनल हब में परिणित करने में उनके अतुलनीय अवदान का साक्षी है. इस अवसर पर विधायक निर्वाचित होने पर कॉलेज की ओर से चेयरमैन श्री महावीर प्रसाद सराफ ने शॉल ओढ़ाकर, वाइस चेयरमैन श्री चंदन गोपाल सराफ ने श्री हनुमान जी की तस्वीर भेंटकर, श्रीमती रिकी सराफ ने कॉलेज की वार्षिक पत्रिका प्रतिबिंब और कॉलेज की मिडिया कोऑर्डिनेटर सुश्री सुनीता जोशी ने चेयरमैन श्री सराफ के काव्य संग्रह जिन्दगी की किताब और प्रोफेसर लाल साहेब वर्मा ने दुपट्टा व पुष्प गुच्छ प्रदान कर श्री संजय सिंह का अभिनंदन किया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर इंद्राणी दासगुप्ता और प्रोफेसर देवात्री पाल की अगुवाई में सामूहिक वंदेमातरम गीत प्रस्तुत के साथ हुआ. चेयरमैन श्री सराफ ने अपने वक्तव्य में श्री अग्रसेन कॉलेज में लड़कियों के लिए एम. कॉम डिग्री की शिक्षा के शुभारंभ की इच्छा जताते हुए कहा कि हर बच्चे को उच्च शिक्षा मिले, इसके लिए कॉलेज निरंतर प्रयासरत रहेगा. अतिथियों का स्वागत करते हुए कॉलेज के वाइस चेयरमैन श्री चंदन गोपाल सराफ ने कॉलेज के विस्तार की योजना बताते हुए आशा जताई कि नई सरकार के सहयोग से बंगाल शिक्षा-संस्कृति में फिर अपनी अलग पहचान बनायेगा. समाजसेवी राजकुमार मित्तल ने लिलुआ को शिक्षांचल के रूप में परिणित करने में कॉलेज के चेयरमैन महावीर प्रसाद सराफ के अतुलनीय योगदान की सराहना की. कॉलेज के प्रातःकालीन सत्र के शिक्षक प्रभारी प्रोफेसर निबिर गोस्वामी ने कॉलेज के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जबकि कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर शोभोनीता दत्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया. पूरे कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के मिडिया प्रभारी श्री सुरेश कुमार भुवालका ने किया. तत्पश्चात अग्रोत्सव 26' के दो घंटे व्यापी सांस्कृतिक व मनोरंजक कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने जमकर आनन्द मनाया.

श्री अग्रसेन कॉलेज हावड़ा के वार्षिक समारोह अग्रोत्सव 26 के अवसर पर बाली के विधायक श्री संजय सिंह का अभिनंदन करते कॉलेज के चेयरमैन श्री महावीर प्रसाद सराफ, वाइस चेयरमैन श्री चंदन गोपाल सराफ, प्राचार्या श्रीमती शोभोनिता दत्ता, समाजसेवी राजकुमार मित्तल, प्रोफेसर निबिर गोस्वामी, श्रीमती रिकी सराफ व मिडिया प्रभारी श्री सुरेश कुमार भुवालका.

प्रेम मिलन कोलकाता और खेमका परिवार का अद्भुत सहयोग

हरिपाल के दक्षिण रामचंद्रपुर प्राथमिक विद्यालय में ठंडे पानी की मशीन का उद्घाटन, बच्चों में खुशी

युवा शक्ति न्यूज

हावड़ा : हुगली जिले के हरिपाल स्थित दक्षिण रामचंद्रपुर प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को प्रेम मिलन, कोलकाता और खेमका फैमिली के सहयोग से एक ठंडे पेयजल (कोल्ड ड्रिंकिंग वाटर) मशीन का उद्घाटन किया गया. यह मशीन स्वर्गीय श्रीमती गीता देवी एवं स्वर्गीय श्री पुरुषोत्तम दास खेमका की स्मृति में स्थापित की गई है.कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हरिपाल की विधायिका मधुमिता घोष ने फीता काटकर मशीन का उद्घाटन किया. इस अवसर पर डॉ. चंद्रकांत सराफ भी विशेष रूप से मौजूद रहे. विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुल 151 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे. प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 5 तक के बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया. मशीन के उद्घाटन के बाद सभी बच्चों के बीच लीची जूस और बिस्किट का वितरण किया गया, जिससे बच्चों में काफी उत्साह और खुशी देखने को मिली.इस दौरान अनुजा खेमका ने विधायिका मधुमिता घोष को माला पहनाकर सम्मानित किया. कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहे. मौके पर विधायिक मधुमिता घोष ने कहा,गर्मी के इस मौसम में स्कूल के बच्चों को स्वच्छ और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने की यह पहल बेहद सराहनीय है. खेमका परिवार और प्रेम मिलन, कोलकाता ने सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है. इससे विद्यालय के 151 बच्चों को प्रतिदिन लाभ मिलेगा. उन्होंने कहा कि प्रेम मिलन के पिछले मेगा स्वास्थ्य शिविर में भी मैं पहुंची थे. इनके कार्यों की कितनी सराहना की जाए वो कम है. मैं सभी सहयोगियों को इस जनहितकारी कार्य के लिए धन्यवाद देती हूं और उम्मीद करती हूं कि भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य जारी रहेंगे. मौके पर डॉ. चंद्रकांत सराफ ने कहा कि शहरों की तुलना में गांवों में ठंडे पानी की मशीन लगाना अधिक सार्थक कार्य है. उन्होंने कहा कि शहरों में लगाई गई कई मशीनें समय के साथ बंद हो जाती हैं और उनका रखरखाव नहीं हो पाता, जबकि गांवों में मशीनों की नियमित सफाई और मेंटेनेंस होता है, जिससे लोगों को स्वच्छ और शुद्ध पानी उपलब्ध होता है. उन्होंने बताया कि इसी सोच के साथ प्रेम मिलन, कोलकाता ने निर्णय लिया है कि भविष्य में शहरों के बजाय गांव और देहात क्षेत्रों में अधिक से अधिक ठंडे पानी की मशीनें स्थापित की जाएंगी. कार्यक्रम में खेमका फैमिली की ओर से हरिप्रसाद खेमका, राजकुमार खेमका, अन्नपूर्णा खेमका, अनुजा खेमका और देवांश खेमका उपस्थित रहे. वहीं प्रेम मिलन की ओर से मनोज जायसवाल, नीतीश चौधरी और कल्याण घोष ने कार्यक्रम में भाग लिया.

राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता में द्विदिवसीय हिंदी कार्यशाला का भव्य शुभारंभ

विविध भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है हिंदी : डॉ तारा दूगड़

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता में आज द्विदिवसीय हिंदी कार्यशाला का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात विदुषी डॉ. तारा दुगड़ थीं, जबकि अध्यक्षता राष्ट्रीय पुस्तकालय के महानिदेशक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने की. कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत वक्तव्य से हुआ, जिसे राष्ट्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा हिंदी प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ. पार्थ सारथी दास ने प्रस्तुत किया. उन्होंने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए हिंदी के संवर्धन एवं कार्यालयी कार्यों में उसके प्रभावी प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. तारा दुगड़ ने राष्ट्रीय एकता में हिंदी की भूमिका विषय पर अपना सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया. उन्होंने हिंदी को देश की विविध भाषाओं और संस्कृतियों को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी बताते हुए राष्ट्रीय एकता और भावनात्मक समरसता में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया. द्वितीय सत्र में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण विषय पर हिंदी अधिकारी श्री संजीव कुमार सिंह ने विस्तृत चर्चा की. उन्होंने संसदीय राजभाषा समिति की कार्यप्रणाली, निरीक्षण की प्रक्रिया तथा राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तैयारियों पर प्रकाश डाला. साथ ही उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर संवाद भी किया. अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. ए. पी. सिंह ने राजभाषा संबंधी संसदीय समिति के आगामी निरीक्षण के महत्त्व को रेखांकित करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रशासनिक कार्यों में दक्षता और जनसंपर्क दोनों को सुदृढ़ बनाया जा सकता है. कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुस्तकालय के अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यशाला का संयोजन एवं सफल संचालन अनुवाद अधिकारी श्री विनोद कुमार यादव ने किया. कार्यक्रम के प्रथम दिवस में हिंदी के प्रचार-प्रसार, राजभाषा नीति के क्रियान्वयन तथा संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया. यह द्विदिवसीय कार्यशाला 5 जून तक चलेगी, जिसमें हिंदी के प्रयोग, राजभाषा नीति के क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक कार्यों में हिंदी की उपयोगिता पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे.

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने नंद किशोर अग्रवाल की प्राथमिक सदस्यता खारिज की

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य एवं प्रांतीय इकाई पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से बर्खास्त अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल की सम्मेलन से प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी गई है. संविधान का उल्लंघन, मर्यादा एवं अनुशासन के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका को यह संवैधानिक कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा. संविधानिक रूप से कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात भी संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया और दो कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत भी पद पर बने रहने का असंवैधानिक प्रयास किया. इसके साथ ही, कोर्ट में प्रांतीय चुनाव प्रक्रिया को स्थगित कराने में अपनी सहमति देकर संगठन एवं समाजहित को गहरी क्षति पहुँचाई. केंद्रीय संगठन यानी अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से प्रांतीय इकाई पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से पृथक करने के एक सुनियोजित षड़यंत्र में शामिल रहे नंद किशोर अग्रवाल को संगठन की राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तरीय प्रकोष्ठों से निष्कासित कर सदस्यता खारिज कर दी गई है. राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका के द्वारा जारी निष्कासन संबंधी पत्र में कहा गया है कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई है. पिछले कुछ महीनों से श्री अग्रवाल सबसे पुराने एवं प्रतिष्ठित संगठन के संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए काम कर रहे थे. इनके कार्य और कृत्य न केवल संगठन और समाज के विरुद्ध रहे है, बल्कि संगठनात्मक अनुशासन और मर्यादा का घोर उल्लंघन करते हैं. श्री अग्रवाल पूरी तरह से गैरकानूनी होने के साथ ही स्थापित नियम, नैतिक मूल्यों तथा सांगठनिक भावना के प्रति इनकी अपेक्षा और अवज्ञा के परिचायक रहे है. इनकी हरकतों से सम्मेलन के सदस्यों में भ्रांती तो फैली ही, समाज तथा संगठन को ठेस भी पहुंची है. श्री गोयनका ने सम्मेलन के सदस्यों से समाज एवं संगठन हित में श्री अग्रवाल के अनैतिक कार्यों से दूरी बनाने का आह्वान किया है.

पश्चिम बंगाल सरकार ने बकाया महंगाई राहत और डीए भुगतान शुरू किया, 2008 से 2015 तक की राशि जारी

कोलकाता: पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए लंबे समय से लंबित महंगाई राहत (डीआर) और महंगाई भत्ता (डीए) का भुगतान शुरू कर दिया है. नवान्न की ओर से जारी सूचना के अनुसार, 2008 से 2015 की अवधि के बकाया डीआर का भुगतान चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है. नवान्न द्वारा 29 मई को जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी या पेंशनभोगी का निधन हो चुका है, तो ऐसी स्थिति में बकाया राशि उनके नामित व्यक्ति या कानूनी उत्तराधिकारी को प्रदान की जाएगी. सरकार के अनुसार, कई मामलों में भुगतान प्रक्रिया के दौरान यह पाया गया कि लाभार्थी की मृत्यु हो चुकी है, जिससे भुगतान में तकनीकी और प्रशासनिक जटिलताएं उत्पन्न हो रही थीं. इन्हीं समस्याओं को दूर करने के लिए पहले ही नई गाइडलाइन लागू की गई थी.

श्री भरत धर्म के साक्षात स्वरूप हैं : आचार्य मृदुल कांत शास्त्री

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: कोलकाता के स्टेडल बैंक्वेट में पूर्वांचल कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के पांचवें दिन श्रद्धा का माहौल रहा. यह कथा दक्षिण बंगाल के पांच छात्रावासों के नवीनीकरण एवं विस्तार योजना को समर्पित है. पूज्य आचार्य श्री मृदुलकांत शास्त्री जी ने अपने ओजस्वी प्रवचनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया. कथा में चित्रकूट के हृदयस्पर्शी श्रीराम-भरत मिलन प्रसंग को सुनकर श्रोताओं की आंखें नम हो गईं. महाराज जी ने कहा कि श्री भरत त्याग, प्रेम, मर्यादा और धर्म के साक्षात स्वरूप हैं, जिनका चरित्र मानव जीवन के लिए आदर्श प्रेरणा है. उन्होंने रेखांकित किया कि रामकथा केवल भगवान राम की कहानी नहीं, बल्कि सत्य, सेवा, त्याग और कर्तव्य के मार्ग पर चलकर आदर्श जीवन जीने की कला सिखाती है. कार्यक्रम में मुख्य यजमान राजेश-सीमा गुप्ता, दैनिक यजमान सचिन मित्तल, प्रसाद यजमान सरोज ढांढरिया व कमल किशोर रुंगटा और श्रृंगार यजमान मधु झंवर ने विधिवत व्यासपीठ पूजन किया. इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे. उत्तर हावड़ा महिला समिति की बहनों ने उद्बोधन गीत प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन श्रीमती शशी मोदी ने किया. कार्यक्रम का समापन मंगल आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ.

www.thejunctiongroup.com

Junction
— WORKPLACE SOLUTIONS —

Customised Workplace Solutions

1. Jeevan Deep, Middleton St. Crossing | 40,000 sq. ft.
2. Macneill Court, 225 AJC Bose Road | 80,000 sq. ft.
3. Anandalok, 227 AJC Bose Road | 25,000 sq. ft.
4. Paddapukur Rd., Bhawanipore | 1.600 sq. ft.
5. SLS Tower, Sector V, Salt Lake | 60,000 sq. ft.
6. Synthesis Business Park, New Town | 6,000 sq. ft.
7. Mani Casadona, New Town | 35,000 sq. ft.

Flexible Options

- Private Cabins
- Enterprise Solutions
- Meeting Rooms
- Dedicated & Coworking

FOR MORE DETAILS, CONTACT US!

98744 14000/5, 98745 28385

itsupport@thejunctiongroup.com

देश के 10 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में पश्चिम बंगाल के आठ शहर शामिल

कोलकाता: विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर पश्चिम बंगाल के लिए वायु प्रदूषण को लेकर एक गंभीर चेतावनी सामने आई है. गुरुवार दोपहर जारी रीयल-टाइम आंकड़ों के अनुसार देश के 10 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में से आठ पश्चिम बंगाल के हैं. यह स्थिति राज्य में पर्यावरणीय चुनौतियों और वायु गुणवत्ता को लेकर बढ़ती चिंताओं को उजागर करती है. स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था आईक्यूएयर की रीयल-टाइम मोस्ट पॉल्यूटेड सिटी रैंकिंग के अनुसार पश्चिम बंगाल का कूचबिहार 176 वायु गुणवत्ता सूचकांक के साथ देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर दर्ज किया गया. सूची में दूसरे स्थान पर इस्लामपुर (172 वायु गुणवत्ता सूचकांक), चौथे स्थान पर उला (167), पांचवें स्थान पर रायगंज (166), छठे स्थान पर रिषड़ा(165), सातवें स्थान पर टिटागढ़ (165), आठवें स्थान पर मसिला (163), नौवें स्थान पर कांदी (159) और दसवें स्थान पर कटवा (158) शामिल हैं. सूची में तीसरे स्थान पर बिहार का किशनगंज (172) रहा. वायु गुणवत्ता सूचकांक के मानकों के अनुसार 151 से 200 के बीच का स्तर अस्वास्थ्यकर श्रेणी में आता है. इस स्तर की हवा बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा दमा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से हानिकारक मानी जाती है. विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक ऐसी हवा के संपर्क में रहने से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते हैं. चिंता की बात यह है कि देश के सबसे प्रदूषित 10 शहरों में पश्चिम बंगाल के आठ शहरों का शामिल होना राज्य में पर्यावरणीय चुनौतियों की गंभीरता को दर्शाता है. उत्तर बंगाल से लेकर दक्षिण बंगाल तक कई शहरों में वायु गुणवत्ता का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण, वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी अनुपालन की कमी के कारण वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है. पर्यावरणविदों का कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है. विश्व पर्यावरण दिवस पर जहां सरकारें और विभिन्न सामाजिक संगठन पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं पश्चिम बंगाल के शहरों की यह स्थिति कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करती है. विशेषज्ञों का मानना है कि केवल जागरूकता अभियान चलाने से समस्या का समाधान नहीं होगा. वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रशासन, स्थानीय निकायों, उद्योगों और आम नागरिकों को मिलकर ठोस तथा दीर्घकालिक कदम उठाने होंगे. पर्यावरण दिवस से ठीक पहले सामने आए ये आंकड़े इस बात की याद दिलाते हैं कि स्वच्छ हवा केवल पर्यावरण का ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी सबसे बड़ा मुद्दा बन चुकी है. पश्चिम बंगाल के शहरों की यह स्थिति सरकार, प्रशासन और समाज सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है.

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : सुधांशु शेखर,
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन